दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 109 रायपुर, गुरुवार, 7 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 खाद्य मंत्री बघेल ने...

दर्शकों के दिलों पर छाप ... 7

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

भारत-वियतनाम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, साथ जीतेंगे : पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और वियतनाम के संबंध अब बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं और दोनों देश मिलकर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा, हम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, और साथ जीतेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम के बीच बुधवार को हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, कनेक्टिविटी और रणनीतिक सहयोग को नई गति देने का संकल्प संकल्प भी लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि राष्ट्रपति तो लाम का भारत दौरा दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों और आपसी प्राथमिकता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी अब और ऊंचे लक्ष्यों की ओर अग्रसर होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत–वियतनाम के बीच व्यापार पिछले दशक में दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। अब दोनों देशों ने इसे 2030 तक 25 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। दवाओं, कृषि, मत्स्य और पशु उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर सहमति बनी है। बहुत जल्द, वियतनाम भारत के अंगूर और अनार का और हम वियतनाम के डूरियन और पोमेलो का स्वाद लेंगे।

दोनों देशों ने वित्तीय सहयोग बढ़ाने के तहत भारत के यूपीआई और वियतनाम के फास्ट पेमेंट सिस्टम को जोड़ने पर सहमति जताई। साथ ही एयर कनेक्टिविटी, स्टेट–टू–स्टेट और सिटी–टू– सिटी सहयोग को भी बढ़ाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और विजन महासागर का एक मुख्य स्तंभ है। दोनों देशों ने इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम–आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रक्षा और सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया। वियतनाम के सहयोग से भारत, आसियान के साथ अपने संबंधों को भी और व्यापक बनाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच गहरे सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंध हैं। चम्पा सभ्यता के मंदिरों के संरक्षण और प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण जैसे कदम इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे।

प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने के लिए वियतनाम का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत और वियतनाम तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं और नई रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से दोनों देश एक–दूसरे के विकास में सहायक बनेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंत में बुद्ध की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि एक–दूसरे के विकास में सहयोग करना ही दोनों देशों की साझा प्रगति का मार्ग है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 19 मई को जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 19 मई को बस्तर दौरे पर रहेंगे। वे संभाग मुख्यालय जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह 18 मई की रात सीधे जगदलपुर पहुंचेंगे और वहीं रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद दूसरे दिन यानी 19 मई को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक लेंगे और उसके बाद शाम को दिल्ली लौट जाएंगे। इस उच्च–स्तरीय बैठक में मध्य क्षेत्रीय

परिषद के सदस्य राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ मंत्री शामिल होंगे। बैठक में चार राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच सामाजिक–आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और अंतर–राज्यीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

बैठक को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्य सचिव विकास शील ने सभी विभागों से पिछली बैठक के मिनिट्स के आधार पर छत्तीसगढ़ में किए गए कार्यों और लंबित मुद्दों की रिपोर्ट मांगी है। बताया जा रहा है कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे के बाद यह पहली बड़ी उच्चस्तरीय बैठक होगी।

नवा रायपुर में आईपीएल का रोमांच मैच 10 और 13 मई को

मुख्य सचिव ने तैयारियों की कमान संभाली, सुरक्षा और सुविधाओं के लिए कड़े निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 10 और 13 मई को होने वाले टाटा आईपीएल टी–20 मैचों के सफल आयोजन के लिए राज्य प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और आयोजन से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव के इन कड़े निर्देशों के बाद अब नवा रायपुर का प्रशासन क्रिकेट के इस महाकुंभ की

मेजबानी के लिए पूरी तरह मुस्तैद है, जिससे दर्शकों को एक सुरक्षित और आनंदमयी अनुभव मिल सके।

मैचों का शेड्यूल

10 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस और 13 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स के मध्य मैच खेला जाएगा।

सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष जोर

मुख्य सचिव विकासशील ने स्पष्ट किया कि स्टेडियम में आने वाले हजारों दर्शकों की सुरक्षा और सुगम यातायात प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ऑनलाइन बुकिंग के बाद रायपुर पहुंचने वाली दर्शकों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कमिश्नर रायपुर को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। पार्किंग एरिया और स्टेडियम के चारों ओर CCTV कैमरों का सघन जाल बिछाया जाएगा। बैरिकेडिंग और पार्किंग की जिम्मेदारी पुलिस, NRDA और BCCI की संयुक्त टीम संभालेगी।

जीजा ने दो सालियों को मारी गोली, दोनों की मौत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दिल दहला देने

वाली घटना सामने आई, जहां पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी ही दो सालियों पर गोली चला दी, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि की आज बुधवार सुबह अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई है।

पुलिस उपायुक्त मयंक गुर्जर ने बताया कि आरोपित जितेंद्र वर्मा पेशे से बाउंसर है, घर पर परिवारिक विवाद होने से उसकी पत्नी अलग बहनों के साथ रह रही थी। मंगलवार देर रात जितेंद्र पत्नि और बच्चे से मिलने आया था जिसे दोनों बहनों ने रोका।इससे आक्रोशित जितेंद्र वर्मा ने दुर्गेश्वरी और गीतांजलि को अपनी पिस्टल से गोली मार दी, इसमें एक की मौत हो गई और दूसरी ने आज सुबह उपचार के दौरान दम तोड़ दी।

घटना के बाद आरोपित जितेंद्र वर्मा ने पंडरी थाने पहुंच सरेंडर कर अपना जुर्म कबूल कर लिया है और लाइसेंसी पिस्तौल से दोनों सालियों को गोली मारने की बात स्वीकार की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बालोद में रेलवे ट्रैक पर मिली प्रेमी जोड़े की लाश, जांच में जुटी पुलिस

बालोद (प्रतिदिन राजधानी)

बालोद जिले के डौंडी थाना क्षेत्र में आज बुधवार सुबह एक प्रेमी जोड़े की लाश मिली है। मृतकों की पहचान 16 साल की नाबालिग छात्रा लिलिसा उइके, निवासी ग्राम साल्हे और 20 वर्षीय युवक जितेश्वर तारम, निवासी कुम्हालोरी के रूप में हुई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेश्वर और लिलिशा

के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मंगलवार शाम से लड़की लापता थी। उसके परिजन डौंडी थाने पहुंचे थे और लापता होने की शिकायत की थी। इस बीच दल्लीराजहराङ्कअंतागढ़ रेल मार्ग पर सलहाईटोला स्टॉपेज के पास पैसेंजर ट्रेन क्रमांक 78823 के सामने दोनों जान दे दी। घटना के बाद लोको पायलट ने आरपीएफ को सूचना दी। आरपीएफ और डौंडी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। वहीं, मौके से कुछ दूरी पर सीजी 07 एलयू 9886 नंबर की बाइक भी बरामद हुई है, जो मृतक युवक की बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों की पहचान कर ली है। उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है।

इस मामले में डौंडी थाना प्रभारी उमा ठाकुर ने बताया कि, शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। दूसरे पहलुओं पर भी जांच की जा रही है। दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

साइबर स्लेवरी नेटवर्क का भंडाफोड़ : सीबीआई की नौ स्थानों पर छापेमारी, एक गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर स्लेवरी यानी भारतीय नागरिकों को दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों में साइबर अपराध सिंडिकेट्स के चंगुल में फंसाने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। एजेंसी ने इस मामले में देशभर में नौ स्थानों पर छापेमारी की और लखनऊ से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने बताया कि जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क भारतीय युवाओं को ऊंचे वेतन वाली नौकरियों का झांसा देकर म्यांमार और कंबोडिया स्थित ठिकानों पर भेजता था। वहां उन्हें कथित साइबर स्लेवरी कैंपों में रखा जाता था, जहां उनसे जबरन साइबर धोखाधड़ी कराई जाती थी। पीड़ितों के पासपोर्ट जब्त कर लिए जाते थे और उन्हें शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता था। कई मामलों में पीड़ितों को परिवार से फिरौती दिलवाकर ही छोड़ा गया।

एजेंसी ने मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, काशीपुर और उत्तर प्रदेश के गोंडा व सहारनपुर जिलों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और संदिग्ध डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए। जांच में क्रिप्टोकरेंसी लेन–देन का भी विश्लेषण किया गया है ताकि नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान की जा सके।

लखनऊ से गिरफ्तार आरोपित पर आरोप है कि उसने भारतीय नागरिकों को इन कैंपों तक पहुंचाने में मदद की। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि नेटवर्क से जुड़े एजेंटों को विदेशी ठिकानों से भारतीय नागरिकों की सप्लाई के बदले भुगतान किया जाता था। एजेंसी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव बाद हिंसा पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी, कोलकाता

भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद हो रही हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में मंगलवार को मधु मंडल नाम के भाजपा कार्यकर्ता की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के विभिन्न इलाकों से हिंसा और तोड़फोड़ की शिकायतें सामने आ रही हैं।

पंजाब में हुए हमले पर मान सरकार के आरोपों को भाजपा ने बताया निंदनीय

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस बयान की कड़ी निंदा की है, जिसमें उन्होंने पंजाब में धमाकों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

भाजपा के महासचिव तरुण चुग ने बुधवार को कहा कि भगवंत मान सरकार से पंजाब की सुरक्षा हो नहीं रही और अपने नौसिखिएपन का ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ रहे हैं। 22 ग्रेनेड हमले, मिसाइल अटैक, पिछले चार वर्षों में पंजाब की मिट्टी अपने बेटों के खून से लाल हुई, लेकिन मान साहब, अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं और केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। बेहद शर्मसार, निंदनीय और अशोभनीय है।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। सीमावर्ती प्रांत होने के नाते राज्य में सुरक्षा को लेकर चिंता है। नशे में डूबा पंजाब संकट में पहुंच चुका है। कभी रेलवे ट्रैक को निशाना बनाया जा रहा है, कभी सेना के कैंपों के आसपास धमाके, पंजाब में लगातार हो रहे धमाके और हमलों ने साबित कर दिया है कि भगवंत मान की सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। तरुण चुग ने कहा कि पंजाब की जनता को कहानियां और चुटकुले नहीं, शांति, सुरक्षा और विकास चाहिए। मौजूदा हालात साफ बता रहे हैं कि आप सरकार पंजाबियों को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल है।

इसके साथ ममता बनर्जी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए तरुण चुग ने कहा कि ममता बनर्जी को ईवीएम मुख्यमंत्री बनाए तो सब ठीक है लेकिन अगर जनता उन्हें हरा कर सजा दे तो ईवीएम खराब है। फैसला जनता का है और जनता का फैसला अंतिम होता है। जो इसे स्वीकार नहीं करता, वह लोकतंत्र नहीं अहंकार का प्रतिनिधित्व करता है। पश्चिम बंगाल की जनता ने जनादेश दे दिया, लेकिन ममता

हार्मुज से जहाजों को निकालने का अमेरिकी अभियान दो दिनों के भीतर रुका

ट्रंप ने कहा-नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रोजेक्ट फ्रीडम को फिलहाल रोकने की घोषणा की। यह मिशन हार्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को निकालने के लिए था। ट्रंप ने पाकिस्तान और अन्य देशों से मिले अनुरोधों का हवाला देते हुए यह फैसला लिया। हालांकि, ईरान के बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्मुज जलडमरूमध्य में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के शुरू किए गए प्रोजेक्ट फ्रीडम को कुछ समय के लिए रोकने की घोषणा की है। लेकिन ईरान के बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी पहले की तरह जारी रहेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर और ईरान के खिलाफ चलाए गए अभियान में हमारी सेना को मिली ज़बरदस्त सफलता को देखते हुए—साथ ही इस बात को ध्यान में रखते हुए कि ईरान के प्रतिनिधियों के साथ एक पूर्ण और अंतिम समझौते की दिशा में काफी प्रगति हुई है—हमने आपसी सहमति से यह तय किया है कि, 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' (होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही) को कुछ समय के लिए रोक दिया जाएगा। हालांकि नाकाबंदी पूरी तरह से लागू रहेगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि यह देखा जा सके कि क्या वह समझौता अंतिम रूप ले पाता है और उस पर हस्ताक्षर हो पाते हैं या नहीं।

ट्रंप ने रविवार को यह कहते हुए इस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी कि दुनिया भर के देशों ने अपने जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अमेरिका से मदद मांगी थी।

उज्बेकिस्तान के बुखारा और समरकंद के उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल आज और कल कृषि विवि का दौरा करेंगे

कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आपसी सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय वैश्विक कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर निरंतर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के अनेक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण एवं अनुसंधानों के साथ शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग हेतु पहल की गई है तथा कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, उद्यमिता एवं नवाचार को वैश्विक साझेदारियों से जोड़ने के सतत प्रयास किये जा रहे हैं। इसी परिपेक्ष में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा उज्बेकिस्तान के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के साथ शिक्षा, अनुसधान, प्रौद्योगिकी विनीमय एवं नवाचार के क्षेत्र में द्विपक्षी अनुरोध हेतु अनुबंध किए गए हैं। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व में कृषि विश्वविद्यालय के उच्चस्तरीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने फरवरी–मार्च 2026 के दौरान उजबेकिस्तान के

तरमेज़, डेनाऊ, ताशकंद, बुखारा एवं समरकंद स्थित प्रमुख विश्वविद्यालयों, कृषि संस्थानों एवं अनुसंधान केंद्रों का दौरा किया था।

इस शैक्षणिक यात्रा ने संयुक्त अनुसंधान, कृषि नवाचार, जैव प्रौद्योगिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों, स्टार्टअप तथा उद्यमिता विकास जैसे विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की मजबूत आधारशिला रखी। यह यात्रा भारत एवं उज्बेकिस्तान के मध्य शैक्षणिक एवं तकनीकी सहयोग को संस्थागत रूप प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई। विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के साथ हस्ताक्षरित अनेक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से छात्र एवं संकाय विनिमय, संयुक्त अनुसंधान सहयोग, क्षमता निर्माण, एग्री–उद्यमिता सहयोग तथा दीर्घकालिक संस्थागत साझेदारी के नए अवसर विकसित हुए।

इसी ऐतिहासिक शैक्षणिक संवाद को आगे बढ़ाते हुए उज्बेकिस्तान से 8 सदस्यीय उच्चस्तरीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल 6 से 8 मई 2026 तक इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का दौरा करेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय सहयोग के उप–कुलपति प्रो. अब्रोर जोरायेव तुरोबोविच तथा समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी मेडिसीन लाइवस्टॉक एवं बायोटेक्नोलॉजीस से अनुसंधान एवं नवाचार के उप–कुलपति प्रो. तयलाकोव तोलिब इसाकुलोविच सहित अन्य वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं वैज्ञानिक शामिल होंगे।

टीवीके नेता विजय ने राज्यपाल से की मुलाकात, सरकार बनाने का किया दावा

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु में सरकार के गठन के लिए कांग्रेस के समर्थन के ऐलान के बाद तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) का रास्ता साफ हो गया। बुधवार दोपहर को टीवीके के नेता विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

इस बार विधानसभा चुनाव के नतीजों से राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव लाया है। तमिलनाडु की जनता ने इस बार एआईएडीएमके और डीएमके को हासिए पर राज्य की नई पार्टी टीवीके को व्यापक समर्थन दिया, लेकिन किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से विधानसभा में त्रिशंकु की स्थिति बन गई।

सुशासन तिहार अंतर्गत परसूली में समाधान शिविर आयोजित

अंतिम गांव, अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचे : भीखम सिंह ठाकुर

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत आज बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम परसूली में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भीखम सिंह ठाकुर शामिल हुए। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्री केशव नायक राम चंद्राकर, जनपद सदस्य श्री लोचन पटेल सहित अंचल के सरपंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं जनपद पंचायत सीईओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी ली गई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भीखम सिंह ठाकुर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में 19 ग्राम पंचायतों – परसुली, खट्टी, परकोम, पण्डरीपानी, झिटकी, राटापाली, नर्रा, बिन्द्रावन, उखरा, कोमाखान, घोयनाबाहरा, बोईरगांव, पतेरापाली स, द्वारतराकला, भलेसर, खैरटकला, सुवरमार, कसहीबाहरा, कुलिया के नागरिक गण शामिल हुए।

शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भीखम सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सोच के अनुरूप सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रशासन प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है और विकास कार्यों के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना एवं वात्सल्य योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं से जरूरतमंद परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए अधिक से अधिक लोगों को आगे आने की अपील भी की। उन्होंने बताया कि लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां आमजन की शिकायतों और मांगों का निराकरण किया जा रहा है।

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता– नंदकिशोर नवीन उम्र 32 वर्ष पिता श्री अवधेश नवीन पता ग्राम व पोस्ट धनगांव तहसील सरसींवा जिला सांरगढ़ – बिलाईगढ (छ.ग.) जो कि निम्नलिखित कथन पेश करता हूँ कि :–

01. यह कि मेरा उपरोक्तानुसार नाम व पता सत्य एव सही है।

02. यह कि मेरे पुत्र का जन्म दिनांक 11.12.2022 हुआ है। जिसका जन्म प्रमाण पत्र बना हुआ है। जिसका पंजीयन क्रमांक B–2022;22–90434–014503 जारी दिनांक 14/02/2023 है। जिसमें मेरी पुत्र का नाम स्टीफन नवीन (STEPHEN NAVIN) अंकित है।

03. यह कि, मेरे पुत्र के उपरोक्त नाम को ज्योतिषी कारणों के चलते परिवर्तन करवाना चाहता हूँ।

04. यह कि, मेरे पुत्र के नाम से बने उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र में –ज्योतिषी कारणों से परिवर्तन उपरांत नाम– सैम नवीन (SAM NAVIN) पिता का नाम– नंदकिशोर नवीन (NANDKISHOR NAVIN) माता का नाम– शुभा नवीन (SHUBHA NAVIN) अंकित करवाकर जन्म प्रमाण पत्र बनवाना चाहता हूँ जिसके सबंध में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

//सत्यापन //

उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 04 तक में वर्णित समस्त जानकारी मेरे ज्ञान के अनुसार सत्य एवं सही हैं। जिसे मुकाम रायपुर में हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

शपथकर्ता
नंदकिशोर नवीन

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता हिमालय शेन्द्रे पिता स्व. कमल शेन्द्रे, निवासी राम जानकी मंदिर, बाल गोपाल हॉस्पिटल, बैरन बाजार, रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं:–

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरे पुत्र का जन्म दिनांक–11/11/2024 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या – बी20242290434001 2983 एवं पंजीकरण दिनांक – 21/11/2024 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम– SHARVIL SHENDRE दर्ज है, जिसे मेरे द्वारा परिवर्तित कर नया नाम– शाश्वत शेन्द्रे (SHASHWAT SHENDRE) रख दिया गया है, जिसे मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज करवाना चाहता हूं।

4. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरे पुत्र का पूर्व नाम – SHARVIL SHENDRE को विलोपित कर नया परिवर्तित नाम शाश्वत शेन्द्रे (SHASHWAT SHENDRE) दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :–

मै शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 4 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अत: मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

दिनांक : 06.05.2026

शपथकर्ता
हिमालय शेन्द्रे

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर रायपुर (छ.ग.)

रा.मा.क्र. 41 वर्ष 2025–26
नवीनीकरण अ–20 (1)
पेशी दिनॉक 19/05/2026

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जाफर अब्बास मर्चेन्ट पिता रसुल मोहम्मद मर्चेन्ट निवासी फौव्वारा चौक रायपुर छ.ग. के द्वारा इस आशय से आवेदन पेश किया है कि मौजा बैरनबाजार रायपुर स्थित नजूल भूमि ब्लाक नंबर 109 प्लाट नं. 15/1 रकबा 784 वर्गफीट भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है पट्टे की अवधि समाप्त हो चुकी है। आवेदक द्वारा शासन की नीति के तहत आवेदित भूमि के नवीनीकरण हेतु दस्तावेज सहित इस न्यायालय के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 19/05/2026 तक कलेक्टर कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक 21 में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 05/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार नजूल
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर रायपुर (छ.ग.)

रा.मा.क्र. 42 वर्ष 2025–26
1984 पट्टा नवीनीकरण
पेशी दिनॉक 19/05/2026

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधेलाल पिता इंदरमन मेहर निवासी मठपुरैना रायपुर छ.ग. के द्वारा इस आशय से आवेदन पत्र पेश किया है कि मौजा टिकरापारा (मठपुरैना) स्थित नजूल भूमि भूखंड क्रमांक 62 खसरा नं. 34/6 का भाग रकबा 23.20 वर्गमीटर का पट्टा आवेदक के नाम पर है पट्टे की अवधि समाप्त होने के कारण पट्टा का नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदक द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दि. 19/05/2026 तक कलेक्टर कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक–21 में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 05/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार नजूल
रायपुर (छ.ग.)

एमएमयू से गांवों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं, लोगों को मिल रहा त्वरित इलाज

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

सुशासन तिहार के तहत विकासखंड कुसमी के ग्राम चांदो में बुधवार को आयोजित शिविर में मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और जांच, उपचार व परामर्श का लाभ लिया। ग्राम चांदो के रामदास सोनवानी ने दांत दर्द की समस्या के लिए शिविर में पहुंचकर दवा और परामर्श लिया। वहीं ग्राम धन्जी की समुद्री काशी, जो लंबे समय से कमर दर्द से परेशान थीं, उन्हें भी एमएमयू के माध्यम से राहत मिली।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में एक चिकित्सक सहित चार सदस्यीय टीम तैनात है, जो तय कार्यक्रम के अनुसार गांव–गांव पहुंचकर सेवाएं दे रही है। टीम द्वारा मरीजों की निःशुल्क जांच, आवश्यक परीक्षण, परामर्श और दवाओं का वितरण किया जाता है। गंभीर मरीजों को आगे इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पहले छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी दूर जाना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की परेशानी होती थी। अब गांव में ही इलाज मिलने से उनकी समस्या काफी कम हुई है। पीएम जनमन योजना के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही है। जिन क्षेत्रों में पहले प्राथमिक उपचार भी मुश्किल था, वहां अब नियमित रूप से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है। इससे ग्रामीणों को समय पर उपचार मिलने के साथ बीमारियों की पहचान भी जल्दी हो पा रही है।

औषधि दुकानों पर सख्त निगरानी, नमूने लेकर जांच शुरू

बलरामपुर। जिले में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दवाएं व खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 'सही दवा–शुद्ध आहार' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 27 अप्रैल से 11 मई तक विशेष जांच और निरीक्षण की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आज बुधवार को औषधि निरीक्षक के नेतृत्व में विभिन्न मेडिकल स्टोर्स की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान 8 दवा दुकानों का निरीक्षण कर 19 दवाओं के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए संग्रहित किए गए। साथ ही दवा विक्रेताओं को दवाओं के सही भंडारण, बिक्री और रिकॉर्ड संधारण के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए।

कार्रवाई के दौरान मां वैष्णवी मेडिकल एजेंसी, हानिया मेडिकल एजेंसी, मेहता मेडिकल, सक्ति मेडिकल, सजल मेडिकल एजेंसी और शंकर मेडिकल एजेंसी सहित अन्य दुकानों की जांच की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे केवल पंजीकृत मेडिकल स्टोर्स से ही डॉक्टर की पर्ची पर दवाएं खरीदें। किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन को जानकारी दें।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार //

क्रमांक / / अ–6/2025–26
रायपुर, दिनांक 04/05/2026
ग्राम रायपुरा प.ह.नं. 57,
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती वंदना बाई पति उत्तम जवरे निवासी ई.डब्ल्यू.एस. इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी रायपुरा रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम रायपुरा प.ह.नं. 57 रा.नि.म. रायपुर 01 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 97/2 का भाग रकबा 968 वर्गफुट भूमि को आवेदिका द्वारा विक्रेतागण 1. श्री नन्दकिशोर बागड़ी 2. श्री गिरिराज बागड़ी दोनो पिता स्व. मंगलचंद बागड़ी दोनो निवासी–सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा तहसील व जिला रायपुर से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 14/11/2022 को निष्पादित किया गया। आवेदिका पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर उक्त आवेदित भूमि में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 18/05/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ–27/ वर्ष 2025–26
ग्राम कुम्हारी प.ह.नं.– 39

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक खोरबाहरा उर्फ गिरधर पिता स्व. बिसौहा निवासी ग्राम कुम्हारी तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम कुम्हारी प.ह.नं. 39 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 447, 449, 901/1, 1597 रकबा क्रमशः 0.0400, 0.0300, 1.0800, 0.3100 हे. भूमि आवेदक एवं अनावेदकगण के नाम पर संयुक्त रूप से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त संयुक्त शामिलात खाते की भूमि का आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य अपने–अपने हिस्से की भूमि को पृथक–पृथक कर समानानुपात 1/3 अंश में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है। उक्त प्रकरण भूईया मद अ–27 में दर्ज होकर इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 14.05.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनॉक 30.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ–27/ वर्ष 2025–26
ग्राम खपरी प.ह.नं.– 35

एत्तद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक / वसीयतप्राप्तकर्ता माधव साहू पिता टेटकूराम साहू निवासी ग्राम खपरी तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम खपरी प.ह.नं. 35 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 62 रकबा 0.100 हे. खातेदार दीनदयाल साहू पिता स्व. उदेराम साहू के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। वसीयतकर्ता दीनदयाल साहू पिता स्व. उदेराम साहू के द्वारा अपंजीकृत वसीयतनामा दिनॉक 19.11.2025 को आवेदक / वसीयतप्राप्तकर्ता माधव साहू पिता टेटकूराम साहू के पक्ष में निष्पादित किया है। वसीयतकर्ता दीनदयाल साहू पिता स्व. उदेराम साहू का मृत्यु दिनॉंक 06.01.2026 को हो चुका है। उपरोक्त वर्णित भूमि को वसीयनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु निवेदन किया गया हैं।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 13.05.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनॉक 29.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

सुशासन तिहार शिविर में समस्याओं का त्वरित समाधान

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले में सुशासन तिहार के तहत जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को विकासखंड राजपुर के ग्राम पंचायत कोटडीह और कुसमी के चांदो में शिविर आयोजित हुए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं और योजनाओं का लाभ लिया।

चांदो शिविर में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज और सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा मौजूद रहीं। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई मामलों का निराकरण किया गया।

सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रशासन गांव–गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं, जहां त्वरित निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन–प्रशासन एक ही स्थान पर आम जनता की समस्याओं का समाधान कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही गर्मी को देखते हुए पेयजल समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान देने को कहा। शिविर में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विद्युत और राजस्व सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं पर कार्रवाई की गई। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य जांच भी की गई, जिससे ग्रामीणों को मौके पर ही इलाज की सुविधा मिली।

शिविर के दौरान हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ वितरित किए गए। वय वंदन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड सहित अन्य सामग्री का वितरण किया गया।

किसान सम्मान निधि से खेती को मिल रहा सहारा, बढ़ रही आय

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले में किसानों की आय बढ़ाने और खेती को मजबूत करने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना प्रभावी साबित हो रही है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से किसान अपनी खेती–किसानी की जरूरतों को आसानी से पूरा कर पा रहे हैं।

विकासखंड कुसमी के ग्राम पंचायत नवाडीह के किसान सोहरा इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्हें नियमित रूप से मिलने वाली सहायता राशि से खेती के लिए जरूरी संसाधनों की व्यवस्था करने में सहूलियत मिल रही है। इस राशि का उपयोग वे बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री खरीदने में कर रहे हैं, जिससे उनकी खेती की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में सुधार हुआ है।

सोहरा ने बताया कि पहले खेती के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना मुश्किल होता था, लेकिन अब योजना से मिलने वाली मदद से यह काम आसान हो गया है। इससे वे बेहतर तरीके से खेती कर पा रहे हैं और उनकी आय में भी बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना छोटे और सीमांत किसानों के लिए उपयोगी साबित हो रही है, जिससे उन्हें खेती के प्रति भरोसा और मजबूती मिल रही है।

नाम परिवर्तन की सूचना

मैं श्रीमती अनुष्का वीरानी पति श्री मुकेश वीरानी निवासी– रिद्धि सिद्धि रेसीडेंसी अवंती विहार रायपुर छ.ग. की हूँ मेरा विवाह श्री मुकेश वीरानी के साथ दिनांक 05.02.2006 को संपन्न हुआ है विवाह पूर्व में कु.लता खटवानी पिता श्री ताराचंद खटवानी के नाम से जानी पहचानी जाती थी तथा विवाह उपरान्त मैं श्रीमती अनुष्का वीरानी के नाम से जानी पहचानी एवं पुकारी जाती हूँ। अत: अब मुझे मेरे परिवर्तित नाम अनुष्का वीरानी पति श्री मुकेश वीरानी के नाम से जाना पहचाना पुकारा जावे और समस्त अभिलेखों में यही नाम दर्ज किया जावे।

रायपुर
दिनांक 06.05.2026

शपथकर्ती
श्रीमती अनुष्का वीरानी

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./ / अ–6/वर्ष 2025–26
रायपुर, दिनांक 29/04/2026
ग्राम– रायपुर खास प.ह.नं.– 62

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदकगण 01. श्रीमती आरती मिश्रा पत्ति स्व. प्रकाश मिश्रा, 02. सौमित्र मिश्रा, 03. कु. माही प्रकाश मिश्रा दोनो पिता स्व. प्रकाश मिश्रा तीनो निवासी डी. डी. नगर रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र वास्ते छ.ग. भू–राजस्व संहिता 1959 की धारा–110 के अंतर्गत पेश कर लेख किया है कि ग्राम रायपुर खास प.ह.नं. 62, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 29, भूखण्ड क्रमांक 5/10 रकबा 1260 वर्गफुट भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदकगण के पति/पिता प्रकाश मिश्रा के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि के खातेदार प्रकाश मिश्रा की मृत्यु दिनांक 23.10.2014 को हो चुका है। उनके मृत्यु उपरांत उनके विधिक वारिसान आवेदकगण है। इसके अतिरिक्त अन्य कोई वारिसान नहीं हैं। अतएव आवेदित भूमि से संबंधित राजस्व अभिलेखों में मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 15/05/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार,
रायपुर छ.ग.

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. बी–186, श्री सुरेश कुमार गोवानी पिता स्व. श्री टेकचंद गोवानी के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 6198 दिनांक 01.10.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 11.12.2012 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। आबंटी श्री सुरेश कुमार गोवानी पिता स्व. श्री टेकचंद गोवानी की मृत्यु दिनांक 02.08.2018 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री रवि गोवानी पिता स्व. श्री सुरेश गोवानी, निवासी–एसएसडी आटा चक्की, कविता नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र, अन्य दस्तावेज अनुसार उक्त दुकान को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त दुकान के नामांतरण करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में 'अ' रेस्टारेंट (भूतल), श्री राकेश वाधवानी पिता श्री सतीश वाधवानी, निवासी:–मकान नं.–34, सिमरन रेसिडेन्सी, दलदल सिवनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री–होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री–होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री–होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र–03, सेजबहार, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) फोन नं. 0771–4903223
email ID-eocghbzone02@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत सड्डू, रायपुर में स्थित एल.आई.जी. भवन क्रमांक–993. श्रीमती सुनीता सुधीश पति श्री एम सुधीश के नाम से आबंटित है, आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड/विक्रय विलेख दिनांक 25/07/2006 पंजीकृत कराने के उपरांत भवन की पूर्ण राशि जमा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी श्रीमती सुनीता सुधीश पति श्री एम सुधीश निवासी म.क्र.–27/998, शिव सदन वार्ड 31. टंडन डेरी के पास, नई शांति नगर, शंकर नगर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा पूर्व में उक्त भवन को क्रेता श्रीमती अनीता सरकार पिता श्री बिक्रम सरकार निवासी एल.आई.जी.–1013, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर–06, सड्डू रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिए इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 440 दिनांक 14/01/2026 को जारी किया गया था, जिसको उक्त आबंटी के आवेदन दिनांक 05/05/2026, विक्रयनामा निरस्तीकरण विलेख प्रस्तुत कर उक्त अनापत्ति को निरस्त करने हेतु निवेदन किया गया एवं वर्तमान में उक्त भवन को क्रेता श्री बिक्रम सरकार पिता श्री कल्याण सरकार निवासी–एल.आई.जी. 1013, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर–06, सड्डू रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –01, सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई–मेल–eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित एम.आई.जी. II भवन योजना के अतंर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक एम.आई.जी.–II/188, फेस–1 श्री बैजनाथ यादव पिता श्री स्व. रामरतन यादव को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 01.05.2013 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के दान हेतु दिनांक 29/04/2026 को निष्पादित दान इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्री अमोद कुमार यादव पिता श्री बैजनाथ यादव के नाम से दान करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के दान के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–01 कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –01, सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई–मेल–eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित (K.B.T.) MIG भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/भूखण्डों/भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांक K.B.T.–13 श्री नवीन कुमार जायसवाल पिता श्री जगदीशचन्द्र जायसवाल को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 28.12.2006 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 20/04/2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती प्रियंका राहंगडाले पति श्री प्रकाश कुमार राहंगडाले के नाम से दान करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–01 कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –01, सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई–मेल–eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा वीर सावरकर नगर हीरापुर कालोनी, रायपुर में निर्मित MIG भूखण्ड/भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/ भूखण्डों/भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांक MIG–550 श्रीमती दिव्या तिवारी पति श्री माणिकंडन सुब्रमणियन पिता श्री नरेन्द्र देव तिवारी को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 13.05.2008 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आम मु. श्री नरेन्द्रदेव तिवारी पिता श्री मुरली मनोहर तिवारी द्वारा उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 17/04/2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती बेबी सिंह पति श्री अशोक सिंह एवं श्री अविनाश सिंह पिता श्री अशोक सिंह के नाम से दान करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–01 कबीर नगर, रायपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, दिनांक 22.01.2004 को छबीलाल पिता श्री मयाराम साहू रायपुर, (छ.ग.) के द्वारा श्री जय कुमार पिता श्री मयाराम निवासी विकास नगर गुढियारी रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में एक किता खुली भूमि जिसका खसरा नबंर 495/68, रकबा 1044 वर्गफुट जो कि वाके मौजा गोगांव, पटवारी हल्का नबंर 107, तह–व जिला रायपुर का विक्रय विलेख निष्पादित किया गया था जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय रायपुर में दस्तावेज के 2776 (क) में पंजीकृत किया गया है।

यह कि श्री जय कुमार ने उपर उल्लेखित संपत्ति को श्री परमेश्वर प्रसाद निर्मलकर पिता स्व. कामता प्रसाद निर्मलकर, निवासी तिल्दा जिला रायपुर को विक्रय विलेख दिनांक 22.07.2008 के माध्यम् से विक्रय कर दिया है।

पश्चात् श्री परमेश्वर प्रसाद निर्मलकर ने उपर उल्लेखित संपत्ति को श्री अंकित सिन्हा पिता श्री ज्योति कुमार सिन्हा, निवासी गुढियारी रायपुर को विक्रय विलेख दिनांक 05.03.2015 के माध्यम् से विक्रय कर दिया है।

यह कि पूर्व विक्रय विलेख दिनांक 22.01.2004 की मूल प्रति कहीं गूम हो गई है, तथा बहुत प्रयास के बाद भी नहीं मिल रही है। जिसकी प्रथम सूचना संबंधित थाना गुढियारी रायपुर को दिनांक 05.05.2026 को दी गई है।

यह कि उपरोक्त संपत्ति को बंधक रखकर श्री पुरवेश गजभिये पिता श्री तिरथराज गजभिये निवासी गुढियारी रायपुर के द्वारा मेरे पक्षकार एलआईसी एचएफएल फाईनेन्स लिमिटेड पंडरी, रायपुर से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है।

अतः उक्त गुम हुऐ अनुबंध विलेख दिनांक 22.01.2004 एवं उपरोक्त संपत्ति के संबध में किसी भी व्यक्ति या बैंक, वित्तीय या गैर वित्तीय संस्था या कोई अन्य किसी भी प्रकार का हक दावा संबधी कोई अपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अन्दर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज के उपस्थित होकर अपत्ति करे म्याद अवधि के पश्चात् कोई भी दावा अपत्ति शुन्य व अवैध मानी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

सो सूचना जाने ।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 06.05.2026

विजय राठौर, अधिवक्ता
ऑफिस :– भारत गैस गोडउन के पीछे लक्ष्मी नगर, पचपेडी नाका, रायपुर छ.ग.
मो.– 9425202167

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 7 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सामाजिक सहायता कार्यक्रम अतर्गत मार्च तक की पेंशन राशि का भुगतान किया जा चुका है

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर जिला समाज कल्याण विभाग संयुक्त संचालक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार सामाजिक सहायता कार्यक्रम अत्तर्गत संचालित राज्य पेंशन योजनाओ में हितग्राहियों को पेशन राशि का नियमित भुगतान किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य योजनाओ में माह मार्च तक की पेंशन राशि का भुगतान किया जा चुका है।भारत सरकार से मदर सेक्शन प्राप्त होते ही रायपुर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा लंबित राशि का एरियर्स सहित भुगतान किया जाकर केन्द्रीय पेशन योजनाओं में नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जायेगासामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत पेंशन योजनाओं में हितग्राहियो को पेशन राशि का भुगतान रायपुर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा किया जाता है, प्राप्त जानकारी के अनुसार सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं में हितग्राहियों को पेंशन राशि का भुगतान रायपुर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा किया जाता है। सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत पेंशन योजनाओं में हितग्राहियो को पेशन राशि का प्राप्त जानकारी के अनुसार सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं में हितग्राहियों को पेंशन राशि का भुगतान रायपुर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा किया जाता है। केन्द्रीय पेंशन योजनाओं में भारत सरकार द्वारा नवीन एस.एन.ए. स्पर्श प्रक्रिया को क्रियान्वित किये जाने के फलस्वरूप भारत सरकार से मदर सेक्शन प्राप्त होते ही रायपुर जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा लंबित राशि का एरियर्स सहित भुगतान किया जाकर नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जायेगा।

खाद्य मंत्री बघेल ने विकसित कृषि संकल्प अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल ने आज बुधवार को बेमेतरा जिला में किसानों को उन्नत एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न ग्रामों में कृषि जागरूकता रथ के माध्यम से किसानों को उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र, नवीन तकनीकों, जैविक खेती, फसल विविधीकरण तथा शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। रथ के माध्यम से विशेषज्ञ किसानों से सीधे संवाद कर उन्हें खेती में नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। विकसित कृषि संकल्प अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती करने, लागत कम करने तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सुनिश्चित करें तथा उन्हें शासन की सभी लाभकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। साथ ही किसानों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के भी निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, एसएसपी रामकृष्ण साहू, जिला प्रशासन के अधिकारी, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

निर्माणाधीन नालंदा परिसर का मुख्यमंत्री साय ने किया निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बलरामपुर जिला मुख्यालय में 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, क्योंकि यह परिसर जिले के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री साय ने परिसर में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री, कार्य की प्रगति तथा प्रस्तावित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और गुणवत्ता के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी प्रभावी ढंग से कर सकें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नालंदा परिसर में आधुनिक ई-लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, समृद्ध अध्ययन सामग्री एवं पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे युवाओं को एक समग्र और अनुकूल अध्ययन वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाते हुए परिसर को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि जिले के विद्यार्थियों को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके।

डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने जोन 10 वार्ड 55 की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही ने रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड क्रमाक 55 के क्षेत्र में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की तैयारी को लेकर स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण जोन 10 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित बेहरा एवं नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग स्वच्छता निरीक्षक श्री गिरीजेश तिवारी की उपस्थिति में किया। औचक निरीक्षण के दौरान नगर निगम जोन 10 के वार्ड 55 में निर्धारित से कम सख्या में सफाई कामगार ड्यूटी पर मिले एवं जगह जगह भारी गंदगी एवं नालियो में कचरा एवं निकास व्यवस्था बाधित मिली। निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने जोन 10 वार्ड 55 की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया, निर्धारित से कम संख्या में सफाई कामगार मिलने एवं नालियो एवं वार्ड क्षेत्र में भारी गंदगी मिलने पर सफाई ठेकेदार पर 15 हजार रू. जुर्माना और स्वच्छता निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस देने के दिये निर्देश

इसे लेकर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल वार्ड 55 के संबंधित अनुबंधित सफाई ठेकेदार को नोटिस देकर 15 हजार रू. का जुर्माना चेतावनी देकर करने एव वार्ड के स्वच्छता निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस देकर लिखित स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये।

आरआरआर सेंटर का सुचारू संचालन करने दिये निर्देश

कोई भी नागरिक अनुपयोगी प्लास्टिक सामग्री कॉपी, पुस्तके, जूते, चप्पल आदि आरआरआर सेंटर में दे सकता है

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 1 अंतर्गत खमतराई पानी टकी जोन कार्यालय परिसर में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 अंतर्गत आरआरआर (रियूज, रिड्यूज, रिसाईकल) सेंटर के प्रशासनिक तौर पर सुचारू सचालन का कार्य किया मॉनिटरिंग कर किया जा रहा है। इसकी सतत मॉनिटरिंग नगर निगम जोन 1 कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर, कार्यपालन अभियंता श्री द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता श्री शरद देशमुख सहित कर रहे है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 26 अंतर्गत कोई भी नागरिक अपने घर, दुकान की अनुपयोगी प्लास्टिक सामग्री, किताबे, पुस्तके, जूते, चप्पल आदि अन्य रिसाईकल योग्य वस्तुए नगर निगम जोन 1 के खमतराई जोन कार्यालय आरआरआर सेंटर में स्वेच्छापूर्वक लाकर दे सकता है। उन्हें लगातार ससम्मान समाज के जरूरतमंद लोगो को प्रदान किया जायेगा। कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति नगर निगम जोन 1 कार्यालय आरआरआर सेंटर में संपर्क कर अपनी उपयोगी वस्तुएं प्राप्त कर सकता है।नगर निगम जोन 1 ने खमतराई जोन कार्यालय में आरआरआर सेंटर का सुचारू संचालन करने दिये निर्देश, कोई भी नागरिक अनुपयोगी प्लास्टिक सामग्री कॉपी, पुस्तके, जूते, चप्पल आदि आरआरआर सेंटर में दे सकता है जिन्हें जरूरतमंदो को देने का कार्य किया जायेगा, कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति उपयोगी वस्तुएं आरआरआर सेंटर में आकर प्राप्त कर सकता है जोन 1 कार्यालय में फूड बैंक और सी एंड डी वेस्ट यूनिट भी, फूड बैंक में 2 किलोग्राम पॉलीथिन लाने पर पानी बोतल अथवा नाश्ता उपलब्धतानुसार सम्बंधित नागरिक को मिलेगा नगर निगम जोन 1 कार्यालय परिसर में फूड बैंक और सी एंड डी वेस्ट यूनिट भी संचालन की जा रही है. फूड बैंक में कोई भी नागरिक दो किलोग्राम पॉलीथिन लाकर पानी बोतल अथवा नाश्ता उपलब्धतानुसार प्राप्त कर सकता है. कोई भी नागरिक अपने घर अथवा दुकान को सीएंडडी वेस्ट (कंस्ट्रक्शन एंड डिमालिशन वेस्ट लाकर नगर निगम जोन 1 कार्यालय परिसर में संचालित सीएंडडी वेस्ट यूनिट में लाकर दे सकता है.

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल सहित नगरवासियों को विकास की अनुपम सौगात दी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर दक्षिण विधानसमा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर जोन 6 अंतर्गत डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड कमांक 61 में 1 करोड 80 लाख के नये विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन किया एवं महामाया मंदिर वार्ड कमांक 65 में 2 करोड 17 लाख में अधोसंरचना मद से 6 भिन्न स्थानो पर नये विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। वार्ड 61 में रायपुर नगर निगम के पुराने जोन 6 कार्यालय राजस्व विभाग के जर्जर पुराने भवन को तोडकर 1 करोड 10 लाख की लागत से नया सामुदायिक भवन जनहित में जनउपयोग में शीघ्र बनाया जायेगा, वहीं महामाया मंदिर वार्ड में 2 विभिन्न स्थानों पर अधोसंरचना मद से 86 लाख एवं 94 लाख इस तरह लगभग 1 करोड 80 लाख की लागत से प्रोफेसर कालोनी में बारिश में जलभराव की पुरानी गंभीर समस्या का स्थायी निदान करने 2 स्थानो पर नये पक्के नालो का निर्माण किया जायेगा। लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, समापति श्री सूर्यकांत राठौड, लोककर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य श्री मनोज वर्मा, जोन 6 अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता, जोन 5 अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल, जोन 4 अध्यक्ष श्री मुरली शर्मा, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड पार्षद श्री रवि सोनकर, महामाया मंदिर वार्ड पार्षद श्रीमती जयश्री नायक, श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, श्रीमती अंजली जितेन्द्र गोलछा, श्री प्रमोद साहू, श्री रमेश सपहा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सिंह ठाकुर, रायपुर लोकसभा सांसद प्रतिनिधि श्री विजय अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष श्री अभिषेक तिवारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री पियूष ठाकुर, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती सीमा साहू, सोनकर समाज प्रदेश अध्यक्ष शारदा प्रसाद सोनकर, पूर्व पार्षद श्रीमती सरिता वर्मा, श्री सालिक सिंह ठाकुर, जोन 6 जोन कमिश्नर श्री हितेन्द्र यादव, बड़ी संख्या में वार्ड 61 एवं 65 के रहवासी गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवको, बच्चो की उपस्थिति में श्रीफल फोडकर एवं कुदाल चलाकर रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 6 क्षेत्र में वार्ड 61 व 65 में लगभग सवा 4 करोड की राशि के भूमिपूजन एवं लोकार्पण के विकास कार्यों की शानदार सौगात नगरवासियों को प्राप्त हुई।

रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी से कहा कि वे रायपुर शहर के नगर निगम के सभी 70 वार्डो में 70 बड़े सामुदायिक भवन गरीब वर्ग के नागरिको के सामाजिक कार्यों कार्यक्रमों आदि की सहज सुविधा हेतु रिक्त भूमि उपलब्ध करवाकर नगरनिगम रायपुर के माध्यम से बनाने जनहित में योजना बनाये। सामुदायिक भवन केवल ईट सीमेंट का निर्माण नहीं होता यह 25 वर्षों तक पूरे नगर और समाज की सतत निरंतर सेवा करता है।

स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने चार डिब्बा सफाई प्रणाली को लेकर बनाया जागरूक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर निगम जोन 2 अंतर्गत वीरांगना अवन्ति बाई लोधी वार्ड क्रमांक 6 अंतर्गत डब्ल्यूआरएस वेगन रिपेयर शॉप कॉलोनी क्षेत्र में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों की सहायता से वहाँ के रहवासी नागरिकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत 4 डिब्बा सफाई प्रणाली की जानकारी देकर इस सम्बन्ध में रायपुर नगर निगम जोन 2 पदेन जोन अध्यक्ष नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ के आदेशानुसार और जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया के मार्गनिर्देशन में जागरूक बनाया गया. नगर निगम जोन 2 स्वास्थ्य विभाग की ओर से सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों द्वारा वार्ड 6 अंतर्गत वेगन रिपेयर शॉप कॉलोनी के रहवासियों को घर में 4 विभिन्न प्रकारों के कूड़े को सुव्यवस्थित करने का सहज और सरल तरीका बतालाया और 4 पृथक - पृथक डस्टबिन में गीला , सूखा, विशेष देखभाल और सेनेटरी कूड़ा पृथक - पृथक क्रमशः हरे , नीले , लाल और काले रंग के डस्टबिन में पृथक करते हुए रखकर सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ और सुन्दर राजधानी शहर बनाने सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील की गई.

जोन कमिश्नर ने जरवाय में सी एंड डी प्लांट और ट्रांसफर स्टेशन का किया औचक निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 अंतर्गत जरवाय में रायपुर नगर निगम के सी एंड डी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमालीशन प्लांट और ट्रांसफर स्टेशन का कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, उपअभियंता अबरार खान, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा एवं सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में औचक निरीक्षण किया और स्थल समीक्षा कर स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 की जोन 8 के स्तर पर सभी 7 वार्डों में पर्यावरण सुधार की दृष्टि से पुख्ता प्रशासनिक तैयारी करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए.

जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने स्वच्छ सर्वेक्षण तैयारी पर ली समीक्षा बैठक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने नगर निगम जोन 8 कार्यालय में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025- 26 की तैयारी पर जोन अधिकारियों की आवश्यक समीक्षा बैठक ली और जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन सहित सभी सम्बंधित जोन अधिकारियों को स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 की नगर निगम जोन 8 के सभी 7 वार्डों में सफाई व्यवस्था सुधारते हुए चुस्त - दुरुस्त बनाकर सतत मॉनिटरिंग कर पुख्ता तैयारी करने निर्देशित किया. जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने सिटी प्रोफाइल स्थलों की लगातार सफाई करवाने और अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों को स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में स्वच्छता फीडबैक देने वार्डवासियों से उन्हें जागरूक बनाकर विनम्र अपील रायपुर नगर निगम के हित में करने निर्देशित किया.

नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर नगर निगम जोन 8 जनगणना चार्ज अधिकारी श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जोन क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर घर - घर जाकर जनगणना पर्यवेक्षकों और प्रगणकों द्वारा किये जा रहे मकान सूचीकरण कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और उन्हें समयसीमा में त्रुटिरहित कार्य करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए.

अवैध नल कनेक्शन को विच्छेद करने कार्रवाई की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू और आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार आज नगर निगम जल कार्य विभाग के रावणभाठा फिल्टरप्लांट की टीम द्वारा नगर निगम जोन क्रमांक 2 की टीम सहित राजधानी शहर रायपुर में खमतराई ब्रिज के पास राइजिंग मेन पाईप लाईन से लिये गए अवैध नल कलेक्शन को स्पाट पर पहुंचकर विच्छेद करने की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई नगर जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता जल नर सिंह फरेन्द्र, कार्यपालन अभियंता जोन 2 पी. डी. धृतलहरे, सहायक अभियंता फिल्टरप्लांट योगेन्द्र कुमार देवांगन एवं नगर निगम जल कार्य विभाग के रावणभाठा फिल्टरप्लांट और नगर निगम जोन 2 जल कार्य विभाग के अन्य सम्बंधित अधिकारीगणों एवं कर्मचारीगणों की स्पाट पर अवैध नल विच्छेद कार्रवाई के दौरान उपस्थिति रही.

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

सम्पादकीय

भगवा हुआ बंगाल

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दु:स्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है।

इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है।

ऑपरेशन सिंदूर : संकल्प, जिसने भारत की रणनीतिक भूमिका को पुनः परिभाषित किया

लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त)

लेखक बिहार के राज्यपाल और भारत के श्रीनगर स्थित चिनार कॉर्प्स के पूर्व कमांडर हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ केवल स्मरणोत्सव के लिए एक तारीख नहीं है; यह भारत की रणनीतिक सोच में एक सुदृढ़ और निर्णायक बदलाव पर विचार करने का क्षण है। 7 मई 2026 की घटनाएं, एक सफल सैन्य अभियान से कहीं अधिक थीं इन घटनाओं ने राजनीतिक इच्छा, सैन्य तैयारी, तकनीकी क्षमता, और राष्ट्रीय संकल्प के समन्वय को रेखांकित किया। कई मायनों में, ऑपरेशन सिंदूर को जटिल, बहु-क्षेत्रीय परिवेश में भारत के भविष्य के संघर्ष संचालन के एक निर्णायक प्रारूप के रूप में याद किया जाएगा। इस सफलता के मूल में अटूट राजनीतिक स्पष्टता थी। दशकों तक, सीमा-पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व-निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी। ऑपरेशन सिंदूर ने संयम का त्याग करने का नहीं, बल्कि इसके परिष्कार को रेखांकित किया इसने भारत की संवेदनशील तरीके से बल-प्रयोग करने की क्षमता को प्रदर्शित किया, सटीक रणनीतिक संदेश दिया और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक रूप से स्थिति के विस्तार की क्षमता को बनाए रखा। राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल निर्णायक कार्रवाई करने का इरादा दिखाया, बल्कि सैन्य कमांडरों को संचालन में लचीलेपन से सशक्त करने का आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। उद्देश्य की यह स्पष्टता गति, सटीकता और सामंजस्य में बदल गई ये तीन विशेषताएं सफल आधुनिक सैन्य अभियानों को परिभाषित करती हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति, जब संस्थागत क्षमता के साथ संयोजित होती है, तो यह एक बल गुणक बन जाती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' इस तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण था। भारत की बहु-क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्बाध एकीकरण भी समान रूप से महत्वपूर्ण था। आधुनिक युद्ध अब केवल भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं है; यह साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय आयाम तक भी फैल गया है। ऑपरेशन सिन्दूर ने इन क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करने में भारत की बढ़ती दक्षता को प्रदर्शित किया। सटीक हमलों में साइबर संचालन ने पूरक भूमिका निभाई, जिसने विरोधियों की संचार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बाधित किया। विशेष रूप से हमले के बाद के नुकसान का आकलन करने में, अंतरिक्ष आधारित उपकरणों ने वास्तविक समय में निगरानी और लक्ष्य-निर्धारण सुनिश्चित किया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं ने शत्रु की जवाबी कार्रवाई को कमजोर कर दिया। इस अभियान ने संयुक्त कार्यक्षमता में परिपक्वता को प्रतिबिंबित किया समन्वय से आगे बढ़कर सच्चे एकीकरण तक। नागरिक-सेना एकीकरण की भूमिका पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर एक अकेला सैन्य अभियान नहीं था; यह एक पूरे राष्ट्र का प्रयास था। खुफिया एजेंसियों, तकनीकी संस्थाओं और नागरिक नेतृत्व ने सशस्त्र बलों के साथ समन्वय में काम किया। देशी तकनीकों निगरानी प्रणालियों से लेकर सटीक हथियारों तक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो आत्मनिर्भरता में सतत निवेश के लाभ को उजागर करती हैं। इस अभियान ने भारत की निर्णय-निर्माण संरचना की दक्षता भी प्रदर्शित की, जहां अंतर-एजेंसी समन्वय नौकरशाही निष्क्रियता से बाधित नहीं हुआ, बल्कि साझा उद्देश्य की भावना से प्रेरित रहा। अभियान से पहले और अभियान के दौरान भारत की पहलों में रणनीतिक दूरदर्शिता झलकती थी। कूटनीतिक संवाद ने सुनिश्चित किया कि भारत की कार्रवाइयों को वैश्विक स्तर पर सही संदर्भ में समझा जाए सटीक, आवश्यक और समानुपाती। दूसरी ओर, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया एक अनुमानित मार्ग का पालन कर रही थी। सैन्य दृष्टि से, वह सुसंगत जवाब देने में संघर्ष करता रहा, जिसे क्षमता की कमी और आश्चर्य के तत्व दोनों ने सीमित किया। कूटनीतिक रूप से, उसने स्थिति को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का प्रयास किया, लेकिन उसे सीमित सफलता मिली। हालांकि, उसकी प्रतिक्रिया का सबसे स्पष्ट पहलू सूचना क्षेत्र में था। वास्तविक परिस्थितियों को छुपाने के प्रयास में गलत जानकारी की चालाकी से बौछार की गई। फिर भी, विश्वसनीयता और सुसंगत व्यवस्था आम तौर पर अनुपस्थित रहीं। वास्तविक समय पर जानकारी और वैश्विक निगरानी के युग में, ऐसी कहानियाँ जल्द ही बेनकाब हो जाती हैं। इस झूठे प्रचार का स्पष्टता और आत्मविश्वास से सामना करना और विरोध करना आवश्यक है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय आक्रामकता नहीं थी, बल्कि यह स्पष्ट उकसावे पर संतुलित प्रतिक्रिया थी। उद्देश्यों में सटीकता थी, लक्ष्य वैध थे, और क्रियान्वयन अनुशासित था। भारत की कार्रवाई ने अनुपातिकता और आवश्यकता के सिद्धांतों का पालन किया; जो संयम के विशेष लक्षण हैं। भारत ने पूरी प्रक्रिया में सूचना की सत्यनिष्ठा बनाए रखी। पारदर्शिता बनाए रखकर और विश्वसनीय संचार चैनलों का उपयोग करके, भारत ने आख्यान को तोड़ने-मरोड़ने के प्रयासों को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया।

ऑपरेशन सिन्दूर से कई सबक सामने आये हैं, जो भविष्य के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सबसे पहले, राजनीतिक इच्छाशक्ति की केंद्रीय भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। रणनीतिक अस्पष्टता अक्सर विरोधियों का हौसला बढ़ाती है; स्पष्टता उन्हें हतोत्साहित करती है। दूसरा, बहु-क्षेत्रीय एकीकरण का विकास लगातार जारी रहना चाहिए। बढ़त बनाए रखने के लिए साइबर, अंतरिक्ष, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश जारी रखना महत्वपूर्ण होगा। तीसरा, नागरिक-सैन्य समन्वय को और अधिक संस्थागत रूप दिया जाना चाहिए, ताकि राष्ट्रीय शक्ति का समन्वित तरीके से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। एक अन्य महत्वपूर्ण सबक सूचना युद्ध के क्षेत्र में निहित है। धारणा की लड़ाई सतत और सीमाहीन होती है। भारत को गलत जानकारी का पता लगाने, उसका मुकाबला करने और पूर्व-कार्रवाई करने की अपनी क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए। त्वरित और विश्वसनीय संचार के लिए इसमें केवल तकनीकी उपकरण ही नहीं, बल्कि संस्थागत तंत्र भी शामिल हैं। आख्यान को जीतना रणनीतिक सफलता को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।

ऑपरेशन सिंदूर रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता के महत्व को भी सुदृढ़ करता है। स्वदेशी प्रणालियों ने अपनी योग्यता साबित की, जिससे बाहरी स्त्रोतों पर निर्भरता कम हुई और संचालन से जुड़ी स्वायत्तता बढ़ी। अनुसंधान, विकास और नवाचार में निरंतर निवेश के माध्यम से इस गति को बनाए रखा जाना चाहिए। इस प्रयास में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच तालमेल महत्वपूर्ण होगा। अंततः, यह अभियान अस्थिर सुरक्षा वातावरण में हमेशा तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। निवारण एक स्थिर अवधारणा नहीं है; इसे प्रदर्शित क्षमता और संकल्प के माध्यम से मजबूत किया जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर ने एक मानक स्थापित किया है, लेकिन इस स्थिति को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिकीकरण, और सैद्धांतिक विकास के माध्यम से सतत प्रयास की जरूरत है। जब भारत ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर विचार करता है, तो व्यापक संदेश स्पष्ट हैं। यह रणनीतिक व्यक्तव्य के साथ एक अभियान था।

इसने यह दिखाया कि भारत के पास अपने हितों की रक्षा करने की निर्णायक क्षमता और इच्छा दोनों मौजूद है। इसने यह दर्शाया कि संयम अपनाना एक विकल्प है अनिवार्यता नहीं। आने वाले वर्षों में, ऑपरेशन सिंदूर का अध्ययन बहु-क्षेत्रीय प्रभावी अभियानों के उदाहरण के रूप में किया जाएगा, जिसमें मजबूत राजनीतिक नेतृत्व और राष्ट्रीय एकजुटता के तत्व मौजूद हैं। इसने अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित किया है भारत के भीतर और देश के बाहर दोनों में। इससे भी महत्वपूर्ण, इसने एक सरल लेकिन शक्तिशाली सिद्धांत को सुदृढ़ किया है; जब राष्ट्रीय संकल्प का क्षमता के साथ संयोजन होता है, तो परिणाम निर्णायक होते हैं। ऑपरेशन सिंदूर की विरासत केवल इसकी तात्कालिक सफलता तक सीमित नहीं है। यह उस आत्मविश्वास में निहित है जो इसने पैदा किया है, उन सबकों में निहित है, जो इसने आत्मसात किए हैं और उस मार्ग में निहित है, जो इसने भारत के सामरिक भविष्य के लिए निर्धारित किया है। अनसुलझे संघर्ष भारत की परीक्षा लेते रहेंगे विभिन्न क्षेत्रों में और विकसित होते प्ररूपों में। फिर भी, जब तक राष्ट्र के राजनीतिक, सैन्य और संस्थागत प्रभाग एक साथ कार्य करेंगे, स्पष्टता और उद्देश्य के साथ अपनी क्षमताओं को एकीकृत करेंगे, प्रभाव का संतुलन भारत के पक्ष में रहेगा।

हमला, घेराबंदी, जीत: ऑपरेशन सिंदूर और सिद्धांत, जिसे भारत ने 88 घंटों में निर्मित किया

एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त)

लेखक पीवीएसएम एवीएसएम वीएम वीएसएम हैं। फाइटर पायलट। वे एक टेस्ट पायलट रहे हैं, जिन्होंने मिराज 2000 स्क्वाड्रन तथा पश्चिमी और पूर्वी, दोनों क्षेत्रों में संचालन एयरबेस की कमान संभाली है। वे जम्मू और कश्मीर में वायु सेना प्रमुख रहे। सेवानिवृत्ति के बाद वे सशस्त्र बल न्यायाधिकरण और जेएनयू के कार्यकारी परिषद के सदस्य रहे। एक लेखक के रूप में उनकी 9 किताबें और 1150 लेख प्रकाशित हो चुके हैं। वर्तमान में, वे 'भारतीय रक्षा निर्माता संघ' (एसआईडीएम) के रणनीतिक सलाहकार हैं।

6-7 मई 2025 की रात को, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया यह 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 बेकसूर लोगों की जान चली गई थी, के जवाब में चलाया गया एक सुनियोजित और समयबद्ध सैन्य अभियान था। इसके बाद अगले 88 घंटों में जो कुछ हुआ, वह महज एक सैन्य हमला भर नहीं था, बल्कि यह भारत के नए और पूरी तरह से विकसित रणनीतिक सिद्धांत का प्रदर्शन था: एक ऐसा सिद्धांत, जिसे स्पष्ट उद्देश्य, तकनीकी आत्मनिर्भरता, राजनीतिक दृढ़ इच्छाशक्ति और पूरे राष्ट्र की एकजुटता से परिभाषित किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के नियमों को फिर से लिखा और एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आने वाले कई दशकों तक दक्षिण एशिया की सुरक्षा की दिशा तय करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पहली बार भारत ने एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की जो असल में एक ही मोर्चे पर दो देशों की संयुक्त ताकत के रूप में सामने आया था। चीन ने खुद को इस मामले से अलग रखा, लेकिन उसने पाकिस्तान को सक्रिय उपग्रह खुफिया जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सहायता, साइबर सहायता और पीएल-15 जैसी 'दृष्टि-सीमा से परे' (बीवीआर) मिसाइलों सहित अग्रिम मोर्चे के सैन्य साजो-सामान भी उपलब्ध कराए। भारत ने इन दोनों की संयुक्त ताकत को परास्त किया।

नियंत्रित युद्ध का सिद्धांत : आधुनिक संघर्षों की एक प्रमुख विफलता रूस-यूक्रेन युद्ध के पाँच साल लंबे संघर्ष से लेकर पश्चिम एशिया के युद्ध क्षेत्र तक यह रही है कि इनमें बाहर निकलने की कोई रणनीति नहीं होती। ऐसे अभियान, जिनका कोई निश्चित अंत न हो, अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर करते हैं, जनता के मनोबल को गिराते हैं तथा न तो जीत दिलाते हैं और न ही शांति। इन क्षेत्रों में अमेरिका का पहले ही 27.68 अरब डॉलर से ज़्यादा खर्च हो चुका है और इसका कोई निश्चित अंत भी नजर नहीं आ रहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सोच-समझकर इस जाल से खुद को बचाया; उसने वह कर दिखाया जो बहुत कम आधुनिक सेनाएँ कर पाती हैं: पहली मिसाइल दागे जाने से पहले ही सफलता की परिभाषा तय कर लेना।

भारत इस अभियान में अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह स्पष्ट था: आतंकी ढांचे और उसे पनाह देने वालों को खत्म करना, दुश्मन को ज़्यादा से ज़्यादा नुकसान पहुंचाना और अपनी शर्तों पर बाहर निकल आना जिसमें किसी भी तरफ़ आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पर्याप्त खुफिया जानकारी के आधार पर नौ लक्ष्य निर्धारित किये; इनमें से प्रत्येक को लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी इकोसिस्टम को बनाए रखने में उनकी विशिष्ट भूमिका के लिए चुना गया था। पहला हमला सिर्फ़ 23 मिनट में पूरा कर लिया गया। पूरा अभियान 88 घंटों के अंदर खत्म हो गया, इसके बाद भारत ने दुश्मन को अपनी शर्तों पर युद्धविराम के लिए मजबूर कर दिया यह युद्धविराम बातचीत से नहीं, बल्कि दुश्मन को और भी ज़्यादा और बड़ा नुकसान पहुंचाने की प्रदर्शित क्षमता के कारण हुआ। यह सिद्धांत उद्देश्य के साथ प्रवेश करना, सटीकता के साथ कार्य करना और बिना किसी अतिरेक के बाहर निकलना नियंत्रित युद्ध की एक ऐसी शैली है, जिसका प्रदर्शन आधुनिक सैन्य इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है। आने वाले वर्षों में, इसका स्टाफ कॉलेजों में गहन अध्ययन किया जाएगा।

समन्वय, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण: एक दशक की उपलब्धि : 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता 'जय' के सिद्धांत पर आधारित थी: समन्वय, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण। तीनों सेनाओं ने एक-दूसरे के साथ बेहतरीन तालमेल बिठाकर काम किया। नौसेना के 'कैरियर बैटल ग्रुप' ने अरब सागर में अपना दबदबा बनाए रखा, जिससे पाकिस्तान के नौसेना विकल्प पूरी तरह से बंद हो गए और दक्षिण की ओर किसी भी तरह के तनाव को बढ़ने से रोक दिया गया। वायुसेना ने पूरे पाकिस्तान में सटीक और गंभीर हमले किए। थल सेना ने स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों की मदद से आने वाले खतरों को बेअसर कर दिया और बेहद सटीक तरीके से घूमकर हमला करने वाले हथियार का इस्तेमाल किया। 2019 में 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' के पद के गठन से और भी मजबूत हुई इस संयुक्त व्यवस्था ने, ऑपरेशन के हर चरण में निर्बाध काम किया। स्वदेशी पहलू भी उतना ही निर्णायक था। भारत का रक्षा उत्पादन 2014-15 के 46,429 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में रिकॉर्ड 1.54 लाख करोड़ हो गया है, जिसमें अब 65 प्रतिशत से अधिक उपकरण घरेलू स्तर पर निर्मित किए जाते हैं। इस बदलाव जिसे उदार एफडीआई, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं, समर्पित रक्षा गलियारों और आईडेक्स नवाचार रूपरेखा से गति मिली है का अर्थ है कि जब देश को कम समय में उन्नत क्षमताओं की आवश्यकता हुई, तो उसके पास बाहरी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर बिना निर्भर हुए कार्य करने की संप्रभु शक्ति मौजूद थी। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल, सतह-से-हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल, घूमकर हमला करने वाली स्काईस्ट्राइकर और डीआरडीओ के डी-4 एंटी-ड्रोन प्लेटफ़ॉर्म जैसी प्रणालियों ने सशस्त्र बलों को सभी क्षेत्रों में सटीकता, सुरक्षा और वर्चस्व प्रदान किया। पाकिस्तान द्वारा दागी गई, लेकिन अपने लक्ष्य को भेदने में असफल रही तथा पूरी तरह से सुरक्षित रूप में बरामद की गयी चीनी पीएल-15 मिसाइल, चीनी उपकरणों की विज्ञापित क्षमताओं और युद्ध-क्षेत्र की वास्तविकताओं के बीच के अंतर का प्रतीक बन गई। इस मिसाइल का गहन तकनीकी विश्लेषण किया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने 'भारत के लिए निर्मित' से 'भारत द्वारा निर्मित' की ओर एक निर्णायक बदलाव को रेखांकित किया।

राजनीतिक इच्छाशक्ति की निर्णायक ताकत : सैन्य क्षमता, चाहे कितनी भी मजबूत क्यों न हो, केवल उसी हद तक प्रभावी होती है, जितना कि उसके पीछे का राजनीतिक निर्देश। पिछली भारतीय सरकारों ने पाकिस्तान-समर्थित आतंकवाद का जवाब ऐसी दस्तावेजों से दिया था जिन्हें खारिज कर दिया गया; ऐसी कूटनीति से दिया जिसका कभी जवाब नहीं मिला; और ऐसे संयम से दिया जिसे अक्सर कमजोरी के रूप में इस्तेमाल किया गया। यह समीकरण तब हमेशा के लिए बदल गया, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरू से लेकर आखिर तक पूरी राजनीतिक जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली और सशस्त्र बलों को बिना किसी हिचकिचाहट और बिना किसी शर्त के कार्रवाई करने की स्पष्ट अनुमति दे दी।

मोदी ने सेना को एक स्पष्ट निर्देश दिया: आतंकवादियों और उनके समर्थकों पर, वे जहाँ भी सक्रिय हों, हमला करें; लेकिन किसी भी आम नागरिक को कोई नुकसान नहीं पहुँचना चाहिए। हर कदम सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर सैन्य हमलों के सटीक क्रम तक सोच-समझकर और सही समय पर उठाया गया था। संधि का निलंबन केवल प्रतीकात्मक नहीं था। पानी को एक दीर्घकालिक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की भारत की इच्छा का संकेत देकर, इसने पाकिस्तान पर एक ऐसा बोझ डाला, जो किसी भी युद्धविराम से कहीं अधिक गहरा है और जिसकी टीस आने वाली कई पीढ़ियों तक महसूस की जाएगी। जैसे-जैसे पाकिस्तान ने तनाव बढ़ाया, सशस्त्र बलों के पास यह स्थायी अधिकार सुरक्षित रहा कि वे बिना किसी राजनीतिक मंजूरी के, अपनी जरूरत के हिसाब से किसी भी तरीके से जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। सैन्य अभियान के साथ-साथ उतनी ही सटीक कूटनीतिक रणनीति भी अपनाई गई। भारत ने कूटनीति की एक मजबूत दीवार खड़ी कर दी: पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर दिया और यह सुनिश्चित किया कि विरोधी प्रतिक्रिया शुरू होने से पहले ही वैध आत्मरक्षा की बात वैश्विक स्तर पर स्थापित हो जाए। 32 देशों में सात द्विदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजे गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मतभेद स्पष्ट रूप से सामने आए: अधिकांश देशों ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई, जबकि चीन और तुर्की खुले तौर पर पाकिस्तान के साथ खड़े रहे और उसे सैन्य साजो-सामान, उपग्रह खुफिया जानकारी और कूटनीतिक समर्थन मुहैया कराते रहे। उनके इस गठबंधन पर ध्यान दिया गया है। यह आने वाले वर्षों में भारत की रणनीतिक साझेदारियों को आकार देगा।

एकजुट राष्ट्र: 'संपूर्ण राष्ट्र' का दृष्टिकोण : 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह साबित कर दिया कि आधुनिक युद्ध पर अब केवल सशस्त्र बलों का ही एकाधिकार नहीं रह गया है। यह 'पूरे राष्ट्र' के दृष्टिकोण का एक जीवंत अभ्यास बन गया — जिसमें सेना, उद्योग जगत, अंतरिक्ष, खुफिया तंत्र, नागरिक प्रशासन और जनसंचार सभी ने एक एकल एकीकृत प्रणाली के रूप में कार्य किया और इसका प्रत्येक घटक दूसरे को मजबूती प्रदान करता रहा। इसरो ने तीनों सेनाओं के लिए उच्च-गुणवत्ता निगरानी प्रदान करने हेतु चौबीसों घंटे कार्यरत कम से कम 10 उपग्रह समर्पित किये, जबकि राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) ने लक्ष्य से जुड़ी अहम जानकारी दी। हर हमले के कुछ ही घंटों के अंदर लड़ाई में हुए नुकसान का मूल्यांकन (बीडीए) की तस्वीरें ली गईं, उनकी पुष्टि की गई और उन्हें सार्वजनिक रूप से जारी कर दिया गया; इससे पाकिस्तान द्वारा गलत जानकारी फैलाने से पहले ही उसे रोक दिया गया। जब पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने भारत की एस-400 प्रणाली को तबाह कर दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी आदमपुर एयरबेस गए और दुनिया को दिखाने के लिए एक पूरी तरह सुरक्षित बैटरी के पास खड़े हुए। जानकारी की यह लड़ाई भी हवाई लड़ाई की जितनी ही सख्ती और तैयारी के साथ लड़ी गई। शुरुआत से ही नागरिक प्रशासन को सैन्य लक्ष्यों के साथ एकीकृत किया गया था। सैन्य योजनाकारों के साथ-साथ प्रशासन अधिकारियों और जिला प्रशासकों को जानकारी दी जाती थी। देशव्यापी मॉक ड्रिल ने जनता का विश्वास बढ़ाया और राष्ट्रीय संकल्प को प्रदर्शित किया। निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स ने आई-डेक्स फ्रेमवर्क के माध्यम से वास्तविक समय में समाधानों में योगदान दिया, जिनमें घूमकर हमला करने वाले हथियार और यूएएस-रोधी प्रणाली शामिल थी; इससे यह साबित हुआ कि भारत का रक्षा-औद्योगिक आधार वास्तव में एक युद्धकालीन परिसंपत्ति के रूप में परिपक्व हो चुका है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान आर्थिक कूटनीति भी साथ-साथ चलती रही। भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया, अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद कर दिया, पाकिस्तानी वीजा रद्द कर दिए, पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगा दिया और सभी द्विपक्षीय व्यापार को रोक दिया इस तरह भारत ने पाकिस्तान पर एक के बाद एक बढ़ता हुआ दबाव डाला, जिसने पाकिस्तान को यह सुविधा नहीं दी कि वह संघर्ष को केवल एक सीमित सैन्य टकराव के रूप में देख सके, जिसका उसकी अर्थव्यवस्था या अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर कोई व्यापक प्रभाव न हो।

दुश्मन के गढ़ में गहरी चोट

'ऑपरेशन सिंदूर' के भौगोलिक दायरे ने पिछली सभी सीमाओं को तोड़ दिया। भारत ने अपने शुरुआती हमले सिर्फ़ पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) तक ही सीमित नहीं रखे, बल्कि वह पाकिस्तान के मुख्य भूभाग पंजाब के भी काफ़ी अंदर तक पहुँच गया। सियालकोट और बहावलपुर में मौजूद ठिकानों पर—जिनमें से बहावलपुर भारतीय सीमा से 140 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर है बेहद सटीक हमले किए गए। बाद में, रावलपिंडी के पास स्थित नूर खान एयरबेस और सरगोधा में मौजूद परमाणु-वाहक बेस जैसे अहम सैन्य ठिकानों को भी भारत की प्रभावी मारक क्षमता के दायरे में ले आया गया। नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और वहाँ के सेना मुख्यालय रावलपिंडी के एकदम नजदीक है; जबकि सरगोधा में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को हवाई मार्ग से पहुँचाने वाले साजो-सामान मौजूद हैं। संदेश स्पष्ट था : कोई भी ठिकाना हमारी पहुँच से बाहर नहीं है।

100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें कुछ बड़े आतंकवादी भी थे

आईसी -814 अपहरण से जुड़ा यूसुफ़ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ़ और पुलवामा हमले से जुड़ा मुदस्सिर अहमद। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के परिवार के दस सदस्यों को बहावलपुर स्थित मुख्यालय में मार गिराया गया। इन हमलों ने पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों की कमान-व्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया। शायद सबसे अहम बात यह है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने परमाणु ब्लैकमेल की पोल खोल दी। दशकों तक, पाकिस्तान की परमाणु छत्रछाया का इस्तेमाल राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को छूट देने के लिए किया जाता रहा इसके पीछे एक अनकहा अनुमान यह था कि भारत कभी भी तनाव बढ़ाने का जोखिम नहीं उठाएगा। भारत ने इस अनुमान को पूरी तरह से धवस्त कर दिया। भारत की गहरे और निर्णायक रूप से हमला करने की तत्परता जिसमें पाकिस्तान के परमाणु हवाई बेड़े वाले ठिकाने पर हमला भी शामिल था ने साबित कर दिया कि समीकरण अब हमेशा के लिए बदल चुका है। जिस दिन भारत ने सरगोधा पर हमला किया, दक्षिण एशिया में प्रतिरोध का भूगोल हमेशा के लिए बदल गया।

सीमा-पार अधिकतम क्षति, देश के भीतर न्यूनतम प्रभाव

अधिकांश युद्धों में, नुकसान एक जगह तक सीमित नहीं रहता। यह सीमाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आम नागरिकों के जीवन तक फैल जाता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने इस प्रारूप को निर्णायक रूप से तोड़ दिया। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ढाँचे को गंभीर और लक्षित नुकसान पहुँचाया, जबकि अपने देश में इसका असर लगभग शून्य रहा परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच, आधुनिक इतिहास में यह असंतुलित प्रभाव का बेजोड़ उदाहरण है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पाकिस्तान के चीन से मिले वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा दिया और जाम कर दिया। राफेल जेट, स्कैल्प क्रूज मिसाइलों और हैमर सटीकता-निर्देशित बमों का इस्तेमाल करते हुए, आईएएफ ने सिर्फ़ 23 मिनट में अपनी शुरुआती हमलावर कार्रवाई पूरी कर ली। 9-10 मई को, जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमला किया, तो भारत ने एक ही समन्वित ऑपरेशन में पाकिस्तान के 11 सैन्य हवाई अड्डों पर हमला किया इतिहास में यह पहली बार था, जब किसी देश ने एक ही समय पर किसी परमाणु-सशस्त्र देश के खिलाफ़ ऐसा किया हो। इस हमले में पाकिस्तान वायु सेना की लगभग 20 प्रतिशत परिसंपत्ति नष्ट हो गई। भोलारी सैन्य हवाई अड्डे पर भारी जान-माल का नुकसान हुआ; जिसमें अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान, हैंगर में खड़े बेहतरीन एफ-16 लड़ाकू विमान और रनवे पर मौजूद एईडब्लूएंडसी विमान भी नष्ट हो गए। प्रतिरक्षा के मोर्चे पर, भारत की बहु-स्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली जिसे स्वदेशी आईएसीसीएस और आकाशतीर कमांड-एंड-कंट्रोल प्रणाली, एस-400, आकाश और एमआरएसएएम बैटरियों का समर्थन प्राप्त है-ने पाकिस्तान से आने वाले सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों को लगभग 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने चीन में बने ड्रोन, तुर्की के बायराक्तार यूसीएवी, क्रूज मिसाइलें और यहाँ तक कि दिल्ली को निशाना बनाकर एक फतह-II रॉकेट भी तैनात किया था। इन सभी को रोक दिया गया। भारत का आसमान पूरी तरह सुरक्षित रहा। भारत ने एस-400 मिसाइल के जरिए अब तक की सबसे लंबी दूरी पर निशाना साधने का कीर्तिमान भी बनाया; लगभग 314 किलोमीटर की दूरी पर हवा में मौजूद एक पाकिस्तानी एईडब्लूएंडसी विमान को नष्ट कर दिया। यह असंतुलन एक तरफ़ भारी तबाही, तो दूसरी तरफ़ पूरी तरह नियंत्रण अब इस बात का नया पैमाना बन गया है कि एक अच्छी तरह से तैयार, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर लोकतंत्र क्या हासिल कर सकता है।

निष्कर्ष : एक नया सामान्य, एक नई जिम्मेदारी

'ऑपरेशन सिंदूर' महज एक सैन्य परिघटना नहीं थी। यह एक परिपक्व और एकीकृत रणनीतिक सिद्धांत का प्रदर्शन था—एक ऐसा सिद्धांत जो राजनीतिक इच्छाशक्ति, स्वदेशी क्षमता, संयुक्त युद्ध-कौशल, नियंत्रित तनाव-वृद्धि, सूचना-वर्चस्व और संपूर्ण राष्ट्र की एकजुटता को राज-कौशल के एक सुसंगत माध्यम में पिरो देता है। इन छह रणनीतिक आयामों में, भारत ने दक्षिण एशिया में युद्ध के नियमों को नए सिरे से परिभाषित किया। इसने यह दिखाया कि परमाणु सुरक्षा कवच से राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को छूट नहीं मिल सकती। इसने यह साबित किया कि स्वदेशी रक्षा निवेश के एक दशक के जरिये निर्णायक युद्धक्षेत्र परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इसने दिखाया कि लोकतांत्रिक राजनीतिक इच्छाशक्ति, जिसे स्पष्ट रूप से व्यक्त किया गया हो और लगातार क्रियान्वित किया गया हो, सबसे शक्तिशाली बल-गुणक बनी रहती है। व्यापक क्षेत्र के लिए संदेश स्पष्ट है: संयुक्त निवारक के रूप में पुरानी व्यवस्था - यानि पाकिस्तानी आतंकी ढांचा, चीनी सैन्य उपकरण और परमाणु धमकी - का परीक्षण हो चुका है और यह विफल साबित हुआ है। लेकिन, काम अभी खत्म नहीं हुआ है। फाइटर स्क्वाड्रन की संख्या को फिर से बनाना होगा, एईडब्लूएंडसी और हवा में ईंधन भरने वाले बेड़े का विस्तार करना होगा, ड्रोन और घूमते हुए हमला करने वाले हथियारों के भंडार को बढ़ाना होगा, और रक्षा बजट मेंजैसा कि कुछ विश्लेषकों का मानना है—चरणबद्ध तरीके से जीडीपी के 3 प्रतिशत तक की वृद्धि करनी होगी। हाइपरसोनिक ब्रह्मोस ब्लॉक, पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए लड़ाकू विमान और स्वदेशी हरॉप-श्रेणी के ड्रोन के विकास की गति तेज करनी होगी। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक नया सामान्य स्तर स्थापित कर दिया है। अब रणनीतिक अनिवार्यता यह सुनिश्चित करना है कि इससे जो असमान लाभ सामने आया है, उसे कभी भी कम न होने दिया जाए—क्योंकि विरोधी ने पहले ही इस पर ध्यान दिया है और वह स्थिर नहीं रहेगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया तर्रेम में बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा का वर्चुअल उद्घाटन

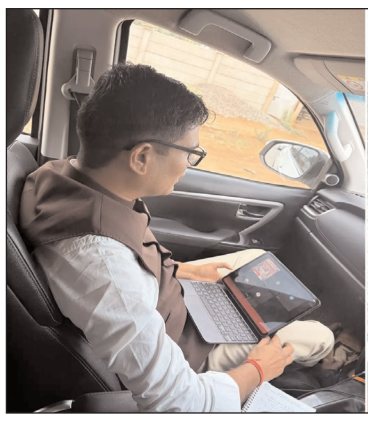

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत तर्रेम ग्राम में आज बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ऑनलाइन जुड़कर कार्यक्रम में शामिल हुए और शाखा का शुभारंभ किया।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। तर्रेम में बैंक शाखा खुलने से स्थानीय लोगों को अब बैंकिंग कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही आसानी से सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही शासकीय योजनाओं का लाभ भी सीधे और पारदर्शी रूप से हितग्राहियों तक पहुंचेगा। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। तर्रेम में बैंक शाखा खुलने से स्थानीय लोगों को अब बैंकिंग कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही आसानी से सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्र में बैंक शाखा खुलने पर खुशी जताई और इसे अपने लिए बड़ी सुविधा बताया। इस अवसर पर बैंक के अधिकारी कर्मचारी एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

सीएम साय ने अखबार में प्रकाशित पेयजल समस्या की खबर पर लिया त्वरित संज्ञान

सुबह अखबार पढ़ते ही कलेक्टर सरगुजा को फोन कर दिए समाधान के निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र की चेराजोबला बस्ती में पेयजल समस्या से संबंधित समाचार पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने आज सुबह समाचार पत्रों का अवलोकन करते समय 'नाला और ढोढ़ी के दूषित जल पर आज भी निर्भर हैं वनवासी' शीर्षक से प्रकाशित खबर को गंभीरता से लिया और सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत को फोन कर प्रभावित बस्ती में शीघ्र पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेराजोबला बस्ती में पेयजल संकट की स्थिति का तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार हैंडपंप खनन, वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के निवास वाले क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ ज़मीन पर सुनिश्चित करना है।

नहर से अब तक जिले के 570 तालाबों में भरा पानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ग्रीष्म ऋतु में तालाबों में पानी क़ी कमी के कारण ग्रामीणों को निस्तारी क़ी समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा महानदी जलाशय परियोजना के नहर के माध्यम से तालाबों को भरा जा रहा है। अब तक जिले के 570 तालाब में पानी भर चुका हैं तथा शेष तालाब में पानी भरा जा रहा है।

जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार महानदी जलाशय परियोजना के नहर के माध्यम से जिले के कुल 384 गांव के 683 तालाबों को भरने का लक्ष्य है।

इनमे से 570 तालाबों में अब तक पानी भरा गया है तथा 60 प्रगतिरत है। शेष तालाबों में भी जल्द पानी भर दिया जाएगा इन तालाबों के भरने से ग्रामीणों को ग्रीष्म ऋतु में निस्तारी के संकट से मुक्ति मिलेगी।

इसके साथ ही तालाबों के भरने से आस -पास के क्षेत्रों में वाटर रिचार्ज भी होग़ा।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सभी तालाबों में नहर के माध्यम से शीघ्र पानी भरने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों निर्देशित किया है। इसके साथ ही नहर का पानी व्यर्थ बहने में रोक लगाने तथा कड़ी मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिये हैं।

स्मार्ट ट्रैफिक और बेहतर लॉजिस्टिक्स के लिए चेम्बर और महालेखाकार कार्यालय एकजुट, ई-टिकटिंग और GPS पर जोर

चेम्बर द्वारा सौंपे जायेंगे ट्रांसपोर्ट संघों से प्राप्त सुझाव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बॉम्बे मार्केट स्थित चैधरी देवीलाल उद्योग व्यापार भवन में शहरी गतिशीलता (Urban Mobility) की चुनौतियों और सुधारों पर चर्चा हेतु एक महत्वपूर्ण हितधारक बैठक (Stakeholders Meeting) संपन्न हुई। यह बैठक छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी के नेतृत्व में, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के लेखापरीक्षा योजना 2026-27 के अंतर्गत महालेखाकार (लेखापरीक्षा) छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में शहरी यातायात, माल परिवहन और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था से जुड़ी जमीनी समस्याओं को समझना तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तावित ऑडिट हेतु विशेषज्ञों और संघों से सुझाव आमंत्रित करना था। बैठक में महालेखाकार कार्यालय से उपस्थित सीनियर डीएजीदस्द्ब्ठ्ठश्चह्र-ष्ठत्वड्ड

मिस प्रियाति कावड़ो ने अपने संबोधन में कहा कि ष्ठत्र का उद्देश्य केवल वित्तीय ऑडिट तक सीमित नहीं है, बल्कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि शहरी गतिशीलता जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं आम जनता और व्यापारिक जगत के लिए कितनी प्रभावी साबित हो रही हैं। हितधारकों से प्राप्त ये व्यावहारिक सुझाव नीतिगत सुधारों में मील का पत्थर साबित होंगे।

वहीं, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी मो. इकबाल अंसारी एवं श्री मनीष कुमार शुक्ला ने तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डेटा और जमीनी फीडबैक का सही तालमेल ही भविष्य की परिवहन प्रणाली को सुदृढ़ बना सकता है। उन्होंने पारदर्शिता और डिजिटल समाधानों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में चर्चा के आधार पर एक हस्ताक्षरित कार्यवृत्त तैयार किया गया, जिसे आगामी सुधारों के लिए आधार बनाया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न परिवहन संघों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को विस्तार से रखा जो निम्नानुसार हैं:- 1. माल परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स:- चेम्बर पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में शहर के भीतर स्थित गोदामों तक माल पहुँचाने के लिए समय की कड़ी पाबंदियाँ हैं। प्रवेश के सीमित घंटों के कारण ट्रकों की लंबी कतारें लगती हैं, जिससे न केवल माल की डिलीवरी में देरी होती है, बल्कि शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था भी चरमरा जाती है। इसके समाधान के लिए रात के समय माल की आवाजाही को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाने पर चर्चा हुई तथा यह भी सुझाव दिया कि शहर के चारों कोनों पर आधुनिक 'लॉजिस्टिक्स हब्स' और 'ट्रांसपोर्ट नगर' विकसित किए जाएं। इससे भारी वाहनों को शहर के भीतर आने की आवश्यकता कम होगी। इन हब्स में वेयरहाउसिंग, लोडिंग-अनलोडिंग के लिए पर्याप्त स्थान और ट्रक ड्राइवरों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए।

अंधेरे से उजाले की ओर- कृष्णा और अनिता के जीवन में सुशासन ने भरी उम्मीद की रोशनी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जब हौसले बुलंद हों और शासन का साथ मिल जाए, तो शारीरिक बाधाएं भी प्रगति का रास्ता नहीं रोक सकतीं। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम गोविंदपुर (सरगड़ी) में रहने वाले कृष्णा पहाड़ी कोरवा और उनकी पत्नी अनिता की कहानी आज सुशासन और संवेदनशीलता की जीवंत मिसाल बन चुकी है। विशेष पिछड़ी जनजाति से ताल्लुक रखने वाला यह दंपति दृष्टिबाधित है, लेकिन आज इनके चेहरे की मुस्कान सरकार की अंतिम व्यक्ति तक विकास की प्रतिबद्धता को बयां कर रही है।

प्रधानमंत्री के हाथों मिली खुशियों की चाबी

कृष्णा और अनिता के परिवार के जीवन का सबसे ऐतिहासिक मोड़ राज्य स्थापना की रजत जयंती (2025) के अवसर पर आया। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं अपने हाथों से कृष्णा को प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित पक्के घर की चाबी सौंपी। यह मात्र एक कंक्रीट का ढांचा नहीं, बल्कि वर्षों के अभाव और असुरक्षा के बाद मिला वह सम्मान था, जिसकी इस दंपति ने कल्पना की थी। अपनी मेहनत और शासकीय अनुदान के मेल से इन्होंने न केवल घर बनाया, बल्कि अपने भविष्य की सुरक्षित बुनियाद भी रखी। पक्के घर के साथ-साथ आर्थिक स्वावलंबन के लिए महात्मा गांधी नरेगा इस परिवार का सबसे बड़ा संबल बना। दृष्टिबाधित होने के बावजूद कृष्णा और अनिता ने हार नहीं मानी। वे मनरेगा कार्यस्थलों पर श्रमिकों को पानी पिलाने का कार्य करते हैं। वर्ष 2024-25 में 86 दिनों का रोजगार और चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 14 दिनों का काम मिलने से उन्हें दैनिक जरूरतों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। कृष्णा और अनिता के लिए सुशासन का अर्थ केवल सरकारी सहायता नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीने का अवसर और भविष्य की एक नई किरण है।

योजनाओं के सुरक्षा कवच और बदला जीवन

शासन की बहुआयामी योजनाओं ने इस परिवार के इर्द-गिर्द सुरक्षा का एक घेरा तैयार कर दिया है। अंत्योदय अन्न योजना के तहत राशन की उपलब्धता, आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी मिली, जिससे इलाज की चिंता खत्म हुई और दिव्यांग पेंशन के माध्यम से निरंतर वित्तीय सहायता के साथ सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हुआ।

'अंधेरे से उजाले की ओर' कृष्णा और अनिता के जीवन में सुशासन के सकारात्मक प्रभाव की एक प्रतीकात्मक कहानी है, जो दर्शाती है कि कैसे सरकारी योजनाएं, पारदर्शिता और जवाबदेही आम नागरिकों का जीवन बदल सकती हैं।

मोर गांव - मोर पानी महाअभियान से मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी बना जल संरक्षण का मॉडल जिला

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन के 'मोर गांव - मोर पानी' महाअभियान अंतर्गत मोहला-मानपुर- अम्बागढ़ चौकी जिले ने जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी अभिसरण से जिले में जल संवर्धन, भू-जल स्तर सुधार और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में व्यापक कार्य किए गए हैं।

जिले में बनीं 17 सौ से अधिक आजीविका डबरी

'जल संरक्षण हमारी जिम्मेदारी' की थीम पर संचालित इस अभियान के तहत जिले में 1700 से अधिक आजीविका डबरी का निर्माण किया गया। प्रत्येक पंचायत में औसतन 9 डबरी विकसित कर जल संरक्षण को आजीविका संवर्धन से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया गया है। सामुदायिक सहभागिता और जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

पीएम आवासों में बने 2541 सोखता गड्ढे, 87 तलाबों का नवीनीकरण वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रेरित कर 2541 सोख्ता गड्ढे का निर्माण कराया गया। इसके अलावा श्रमदान एवं जनसहभागिता से 175 बोरी बंधान, 3600 कंटूर ट्रेंच तथा 87 तालाबों का नवीनीकरण कर जल संरक्षण संरचनाओं को मजबूत किया गया। अभियान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए जिले में रैली, कलश यात्रा, शपथ एवं दीपदान जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

जल स्तर में 2.19 मीटर की हुई वृद्धि जलदूत ऐप से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में भू-जल स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया प्री मानसून 2025 में जल स्तर में 2024 की तुलना में पोस्ट मानसून 2025 में 2.19 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई है।

राजधानी रायपुर क्षेत्र बनेगा आर्थिक शक्ति केंद्र, महानगरों की तर्ज पर होगा तेज विकास

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुनियोजित शहरीकरण और संतुलित क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए स्टेट कैपिटल रीजन (स्ष्टक्र) के गठन को मंजूरी मिल चुकी है। रायपुर सहित दुर्ग-भिलाई और नवा रायपुर अटल नगर को मिलाकर इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। विधानसभा से विधेयक पारित होने के साथ ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना को औपचारिक गति मिल गई है। राज्य सरकार का मानना है कि यह पहल राजधानी क्षेत्र के नियोजित विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्टेट कैपिटल रीजन का विकास देश के प्रमुख शहरी मॉडलों - राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की तर्ज पर किया जाएगा। इस मॉडल के अंतर्गत विभिन्न शहरों को एकीकृत करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर योजनाबद्ध विकास किया जाएगा, जिससे अवसंरचना, आवास, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों का संतुलित विस्तार सुनिश्चित हो सके और ससाधनो का अधिकतम उपयोग संभव हो।

मुख्यमंत्री की पहल से विकास को मिली नई गति

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में तैयार इस योजना का उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरीकरण को व्यवस्थित करना और नागरिकों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सरकार का फोकस ऐसे शहरी तंत्र के निर्माण पर है जहां बेहतर आवास, उच्च स्तरीय शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, साथ ही उद्योग और व्यापार को प्रोत्साहन मिले तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार का छत्तीसगढ़ प्रथम आगमन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दिनांक 4 मई 2026 को राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर प्रथम आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने डोंगरगढ़ में माँ बमलेश्वरी के दर्शन किए। वीरेंद्र सोनी जी द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष को माँ बमलेश्वरी के दर्शन कराकर उनका स्वागत एवं वंदन किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रीय सचिव संजीव कुमार सोनी एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष विकास सोनी ने डोंगरगढ़ से उन्हें रायपुर की ओर प्रस्थान कराया। इसी क्रम में राजनांदगांव में जिला उपाध्यक्ष कृष्णकांत सोनी, राजेश सोनी, अनिल नागवंशी एवं राजू सोनी द्वारा महावीर चौक में उनका भव्य स्वागत किया गया।

दुर्ग में युवा जिला अध्यक्ष शुभम निखिल सोनी एवं युवा महासचिव निखिल सोनी द्वारा जोशीला स्वागत किया गया, तत्पश्चात रायपुर में रात्रि विश्राम किया गया। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार पूरे राष्ट्र में स्वर्णकार बोर्ड के गठन एवं सभी सोनी परिवारों को एकजुट कर उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में सतत कार्य कर रहे हैं

राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दिनांक 5 मई, मंगलवार को रायपुर के वृंदावन हॉल में युवा प्रकोष्ठ का शपथ ग्रहण समारोह एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम माननीय श्री जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार (राष्ट्रीय अध्यक्ष) के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। विशेष अतिथि के रूप में श्री सुनील सोनी (विधायक, रायपुर), श्री कन्हैया सोनी (समाजसेवी), श्री शिरीष सोनी (समाजसेवी) उपस्थित रहे। वहीं श्री संजीव कुमार सोनी (राष्ट्रीय सचिव) एवं श्री निखिल सोनी (राष्ट्रीय युवा महासचिव) भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं बालक भगवान के जयकारों के साथ हुआ। मंच संचालन श्री गिरीश सोनी द्वारा किया गया। सामाजिक प्रस्तावना एवं एकता-संगठन के मूल मंत्रों की जानकारी राष्ट्रीय सचिव श्री संजीव कुमार सोनी ने दी।माननीय श्री सुनील सोनी ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई, आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देते हुए समाज को आगे बढ़ाने के लिए एकता और सहयोग पर बल दिया तथा राजनीति में संख्या बल की महत्ता को रेखांकित किया। श्री शिरीष सोनी एवं श्री कन्हैया सोनी ने समाज के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रावीण्य सूची में अंकल सोनी, वंशिका सोनी, गरिमा सोनी एवं चैतन्य सोनी को मुख्य अतिथि के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही नव-नियुक्त सोनी (दुर्ग जिला अध्यक्ष), श्री वीरेंद्र सोनी (प्रदेश सचिव), आर्यन सोनी, दिलखुश सोनी (रायपुर युवा जिला अध्यक्ष) को शपथ ग्रहण एवं मनोनयन पत्र प्रदान कर संगठन के कार्य को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया।राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार ने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकता एवं संगठन को प्रदेश के सभी 33 जिलों में विस्तार देने तथा अधिक से अधिक समाजिक बंधुओं को जोड़ने पर बल दिया।

वन मंत्री ने 38 करोड़ की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों का किया भूमिपूजन

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पीएमजीएसवाई फेज-4, बैच-01 के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में 38 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़कों का भूमिपूजन वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा किया गया। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि राज्य शासन की नीतियों के चलते बस्तर अब माओवाद से मुक्त हुआ है और अब तेजी से विकास कार्य शुरू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रति माह 1000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अब अंतिम छोर तक पहुंचाया जा रहा है। जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास दिया जा रहा है।ग्राम छोटेउसरी में उन्होंने कहा कि एक समय यह क्षेत्र माओवाद से प्रभावित था, लेकिन अब विकास कार्यों के माध्यम से यहां नई संभावनाएं विकसित हो रही हैं। वहीं ग्राम मटवाल में मंत्री ने 'लखपति दीदी' श्रीमती वैदयी से चर्चा की, जो किराना दुकान संचालित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को मुर्गी पालन, बकरी पालन एवं गौपालन जैसे आजीविका के साधनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के दूरस्थ गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने में मदद मिलेगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान होगी और समग्र ग्रामीण विकास को बल मिलेगा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, जिला सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप, जनप्रतिनिधि श्रीमती सुशीला दीवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नक्सलियों का गढ़ कहे जाने वाला तर्रेम बना स्वास्थ्य मॉडल, एनक्यूएएस प्रमाण पत्र मिला

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

विकासखंड उसूर का अतिसंवेदनशील ग्राम तर्रेम, जो कभी माओवादी प्रभाव के कारण पिछड़े क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, आज स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। जिला मुख्यालय से लगभग 80 किमी दूर स्थित ग्राम तर्रेम में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते लोगों का भरोसा तेजी से बढ़ा है।

राज्य सरकार की पहल से क्षेत्र में पहुंच आसान हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार संभव हुआ। आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्रेम में प्रतिदिन 25 से 30 मरीजों की ओपीडी, सुरक्षित प्रसव सेवाएं तथा लैब जांच की सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं के प्रभावी संचालन के साथ आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है।

कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी के नेतृत्व में आकांक्षी विकासखंड उसूर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्रेम को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 फरवरी 2026 से वर्चुअल मूल्यांकन किया गया, जिसमें 12 सेवाओं के आधार पर कुल 88.19 फीसदी अंक प्राप्त हुए। मूल्यांकन के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ सीएचओ, आरएचओ महिला एवं पुरुष से राष्ट्रीय कार्यक्रमों और ग्रामीणों को दी जा रही सेवाओं पर विस्तार से जानकारी ली गई, जिसमें सभी कर्मी सफल रहे। इस उपलब्धि में जिला कार्यक्रम प्रबंधक वरुण साहू, नर्सिंग ऑफिसर मानसी ताटपल्ली, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ उमेश ठाकुर, सेक्टर प्रभारी डॉ. शिवा गौरी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक श्रवण नेताम, डाटा प्रबंधक निरंजन भोई सहित समस्त स्वास्थ्य स्टाफ, सीएचओ, आरएचओ, एएनएम एवं मितानिनों का विशेष योगदान रहा।

अबूझमाड़ के किसानों ने धमतरी में सीखे आय बढ़ाने के गुर, औषधीय खेती की ओर बढ़ा

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

नक्सल प्रभावित बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। औषधि पादप बोर्ड रायपुर द्वारा 02 मई को नारायणपुर जिले के 50 से अधिक आदिवासी किसानों के लिए धमतरी जिले में अध्ययन प्रवास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत कोहकमेटा, कुरुषनार, कंदाड़ी, किहकाड, कोडोली और बासिंग गांव के किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की उन्नत खेती की तकनीकों से अवगत कराया गया। किसानों ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा की जा रही खस, ब्राह्मी और बच की खेती का अवलोकन कर व्यावहारिक जानकारी हासिल की।

नई सुबह की ओर अभियान से मिली नई दिशा

यह कार्यक्रम नई सुबह की ओर अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य बस्तर के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें बाजार में मांग वाली फसलों की ओर प्रेरित करना है। इस पहल के माध्यम से कौशल विकास और आय वृद्धि पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कंडेल में ब्राह्मी खेती का मिला प्रशिक्षण

अध्ययन प्रवास के दौरान किसानों को ग्राम कंडेल में ब्राह्मी की खेती का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला कंसल्टेंट फकीरचंद कोसरिया ने खेत की तैयारी, रोपण, सिंचाई, उर्वरक प्रबंधन और विपणन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सत्या ढीमर ने मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण देते हुए बताया कि पारंपरिक धान की तुलना में खस, ब्राह्मी और बच की खेती से दोगुना मुनाफा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इन फसलों में लागत कम होती है और एक बार रोपण के बाद 3-4 वर्षों तक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

मदरौद में खस की खेती का अवलोकन

किसानों को ग्राम मदरौद में खस की खेती का निरीक्षण कराया गया। यहां बताया गया कि खस की बाजार में अत्यधिक मांग है और इसे नदी-नालों के किनारे आसानी से उगाया जा सकता है। धमतरी मॉडल को बस्तर में अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

नि:शुल्क प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग

किसानों को जानकारी दी गई कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण और पौधे नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। साथ ही निवेशकों के साथ अनुबंध के माध्यम से अग्रिम राशि देकर आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

नई उम्मीदों के साथ लौटे किसान

इस अध्ययन प्रवास के बाद अबूझमाड़ के किसान औषधीय खेती को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। जो किसान अब तक विकास की मुख्यधारा से दूर थे, वे अब अपने खेतों में इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

तीन गुना आय वृद्धि का लक्ष्य

बोर्ड के सीईओ जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि बस्तर के सभी जिलों में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के माध्यम से किसानों की आय दो से तीन गुना तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

बस्तर के रणबांकुरों ने थामी सफलता की कमान

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर के युवाओं के रगों में दौड़ते देश सेवा के जज्बे को अब सही दिशा और सटीक मार्गदर्शन मिल गया है। भारतीय थल सेना में अग्निवीर बनकर मातृभूमि की रक्षा का सपना देखने वाले युवाओं के लिए जिला प्रशासन की विशेष पहल धरातल पर उतर आई है। धरमपुरा स्थित ज्ञानगुड़ी में अग्निवीर थलसेना की लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन कोचिंग का विधिवत शुभारंभ हो चुका है, जिससे अब स्थानीय युवाओं की तैयारी ने रफ्तार पकड़ ली है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र जगदलपुर द्वारा संचालित यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 मई से शुरू होकर आगामी 4 जून तक निरंतर जारी रहेगा। इस एक माह के सघन क्रैश कोर्स का मुख्य उद्देश्य बस्तर के युवाओं को सेना की आधुनिक ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा के पैटर्न से रूबरू कराना है। प्रशासन ने इस अभियान की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी संसाधनों और विषय विशेषज्ञों के चयन पर विशेष जोर दिया है,

सुशासन तिहार के तहत कुकरेल में समाधान शिविर आयोजित

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार 01 मई से 10 जून 2026 तक आयोजित सुशासन तिहार के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष अभियान जारी है। इसी कड़ी में 4 मई को विकासखण्ड नगरी के ग्राम पंचायत कुकरेल में जनसमस्या निवारण शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 17 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर में ग्राम पंचायत कुकरेल, दरगहन, सलोनी, छुही, सियादेही, कांटाकुरीडीह, बनबगौद, माकरदोना, बाजार कुर्रीडीह, झुरातराई, कुम्हड़ा, डोकाल, केरेगांव, भोथापारा, चनागांव, सियारीनाला एवं खैरभरी के ग्रामीण शामिल हुए। शिविर में कुल 314 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 306 मांग एवं 08 शिकायतें शामिल रहीं। इनमें से 266 आवेदनों (262 मांग एवं 04 शिकायत) का त्वरित निराकरण मौके पर ही किया गया, जबकि शेष आवेदनों को शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण सार्वा, जनपद पंचायत नगरी के अध्यक्ष श्री महेश गोटा, उपाध्यक्ष श्री हृदय साहू, सभापति श्री शुभंम यदु, जनपद सदस्य श्रीमति चन्द्रकला साहू एवं श्रीमति ईश्वरी नेताम सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। ग्राम पंचायत कुकरेल के सरपंच श्री ओंकार सिंह नेताम सहित अन्य ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं पंचगण भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नगरी श्रीमति प्रीति दुर्गम, नोडल अधिकारी श्री शिव कुमार चन्द्राकर, जल संसाधन विभाग, आदिवासी विकास विभाग, पंचायत एवं राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शिविर में लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर आमजनों से संवाद किया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। विशेष रूप से राजस्व, पंचायत, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

एमआईसी में संपत्तिकर में छूट पर सहमति

सड़क चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण और व्यावसायिक प्रस्ताव मंजूर

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

सोमवार को महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में एमआईसी (मेयर इन काउंसिल) सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक डाटा सेंटर में हुई।

बैठक में निर्माण कार्यों, शहर सौंदर्यीकरण, सड़क चौड़ीकरण, कर व्यवस्था एवं विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े कई अहम एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा उपरांत अनेक प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में महापौर द्वारा मंगाए गए 10 बिंदुओं पर विभागीय जानकारी प्रस्तुत की गई और संबंधित विषयों पर सदस्यों ने विचार-विमर्श किया।

नगर निगम के बाजार विभाग के नियंत्रणाधीन नव-निर्मित जलगृह व्यावसायिक परिसर की तेरहवीं निविदा पर भी चर्चा हुई। निविदाकारों में गणेश्वरी पटेल, सौरभ पटेल, राघवेंद्र वर्मा, रूप सिंह वर्मा, रिचा अग्रवाल एवं रितेश अग्रवाल शामिल रहे। ऑफर दर ऑफसेट मूल्य से अधिक होने के कारण इस विषय को भी अगले एमआईसी में निर्णय हेतु रखा गया है, जिसको स्वीकृति दी गई।

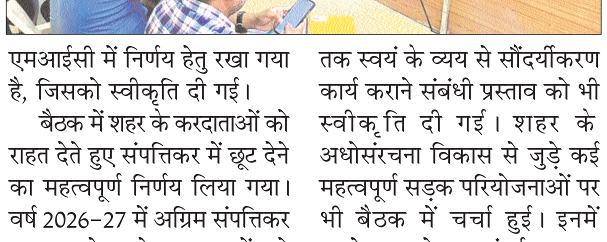

बैठक में शहर के करदाताओं को राहत देते हुए संपत्तिकर में छूट देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। वर्ष 2026-27 में अग्रिम संपत्तिकर जमा करने वाले करदाताओं को अप्रैल से जून तक 6 प्रतिशत, जुलाई से सितंबर तक 4 प्रतिशत तथा अक्टूबर से दिसंबर तक 2 प्रतिशत की छूट देने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। मनीष पारख (मेघगंगा ग्रुप) द्वारा अग्रसेन चौक तक स्वयं के व्यय से सौंदर्यीकरण कार्य कराने संबंधी प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। शहर के अधोसंरचना विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर भी बैठक में चर्चा हुई। इनमें नगरोत्थान योजना अंतर्गत धमधा मार्ग से आदित्य नगर होते हुए रायपुर नाका अंडरब्रिज तथा हनुमान नगर से जुनवानी रोड तक सड़क चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य शामिल हैं। इसके अलावा राजेंद्र पार्क चौक से शहीद चौक होते हुए अंडरब्रिज तक तथा आईएमए चौक से अग्रसेन चौक तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्य पर भी चर्चा की गई। अधोसंरचना मद अंतर्गत साइंस कॉलेज के बाजू स्थित केनाल रोड पर जीई रोड से स्टेशन रोड तक केनाल रोड निर्माण कार्य को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के अंत में प्रशासनिक भवन के पीछे मजार के समीप स्थित दुकान को निरस्त करने का निर्णय लिया गया। महापौर ने विद्युत एवं जल कार्य विभाग के त्वरित कुआं चौक क्षेत्र में यातायात बाधित करने वाले ठेले-खोमचे हटाने और दोबारा अतिक्रमण न होने की सख्त हिदायत दी गई।

तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट की संभावना

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट आने की संभावना है। हालांकि पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुई। वहीं बीती रात जिले में अनेक जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई।

जानकारी के अनुसार आज दुर्ग में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से 0.6 डिग्री कम हैं। वहीं न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 2 डिग्री कम है। पड़ोसी जिले 3 दिनों चलने की संभावना है। पूर्वी मप्र एवं आसपास क्षेत्रों किमी तक फैला हुआ है। वहीं एक उपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण आंतरिक उड़ीसा व आस पास क्षेत्रों में 0.9 किमी ऊपर है।

बंगाल-असम में जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

विधानसभा चुनाव में बंगाल, असम और पुंडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में एकत्रित होकर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने विजयी रैली निकालते हुए पटेल चौक पहुंचकर आतिशबाजी करते हुए और एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर जीत का जश्न मनाया।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, महापौर अलका बाघमार, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर, उषा टावरी, पदमा देवांगन, जिला महामंत्री दिलीप साहू, सभापति श्याम शर्मा, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक दिनेश देवांगन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जागरूक जनता ने विकास, सुशासन और पारदर्शिता के पक्ष में ऐतिहासिक जनादेश दिया है। यह जीत केवल भारतीय जनता पार्टी की नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की जीत है जो राज्य में परिवर्तन चाहता था। हम सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हम पर विश्वास जताया।

जुनवानी शिविर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, योजनाओं का लिया जायजा

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत जुनवानी में लगाए गए शिविर का कलेक्टर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शिविर में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं, प्राप्त आवेदनों तथा उनके निराकरण की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों से प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंच सके। कलेक्टर ने शिविर में आए नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। नगर निगम द्वारा आयोजित यह शिविर नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों के समाधान के उद्देश्य से लगाया गया है, जिससे लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज कराई और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

विधायक देवेन्द्र यादव ने विभिन्न कार्यों का किया भूमिपूजन

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

भिलाई के वार्ड 48 में विकास कार्यों को नई गति मिली है। विधायक देवेन्द्र यादव ने विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्यों का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पंप हाउस क्षेत्र में चेन लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे इलाके की सुंदरता के साथ-साथ सुरक्षा भी बढ़ेगी। इसके अलावा अन्य आवश्यक बुनियादी कार्य भी जल्द शुरू किए जाएंगे, जिनसे नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। जनता की मांग को प्राथमिकता देते हुए मंदिर प्रांगण के सौंदर्यकरण का भी निर्णय लिया गया है। इससे धार्मिक स्थल और अधिक आकर्षक व सुविधाजनक बनेगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिल सकेगा।

कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए इन विकास कार्यों को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। वार्ड 48 में इन योजनाओं के लागू होने से निश्चित ही क्षेत्र की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है।

वार्ड पार्षद शुभम झा, ब्लाक अध्यक्ष गुड्डू खान, जिला उपाध्यक्ष डी. कामराजु, बादल डे, मोहम्मद फिरोज गौस, अयूब मंसूरी, अयूब खान आदि वार्ड के वरिष्ठ जन वरिष्ठ कॉंग्रेस जन बड़ी मात्रा में महिलाएं एवं आमजन उपस्थित थे।

दिल्ली-चेन्नई मैच के मोमेंट्स : राहुल का कैच लेने के बाद गायकवाड ने बॉल चूमी, अकील हुसैन का मास्क सेलिब्रेशन, नूर से कैच ड्रॉप

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। इस मैच की शुरुआत और अंत चौके के साथ हुआ। अरुण जेटली मैदान पर मैच की पहली बॉल पर पाथुम निसांका ने स्वीप करके चौका लगाया। तो कार्तिक शर्मा ने टी नटराजन की बॉल पर चौका लगाकर जीत दिलाई। चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड बॉल को चूमते नजर आए। उन्होंने डायरेक्ट थ्रो पर आशुतोष शर्मा को रनआउट भी किया। दिल्ली के विकेटकीपर केएल राहुल ने उर्विल पटेल को स्टंप करके पवेलियन भेज दिया।

निसांका ने चौके से टीम का खाता खोला

पाथुम निसांका ने पहले ओवर की पहली बॉल पर चौका लगाकर दिल्ली का खाता खोला। उन्होंने अकील हुसैन की फुलर लेंथ बॉल पर घुटने के बल बैठकर शानदार स्वीप खेलते हुए गेंद को डाइव लगाते फील्डर के पास से बैकवर्ड स्क्वेयर लेग बाउंड्री तक पहुंचा दिया।

राहुल का कैच लेने के बाद ऋतुराज ने बॉल को चूमा : छठे ओवर की पहली बॉल पर ऋतुराज गायकवाड ने अकिल हुसैन की बॉल पर केएल राहुल का कैच पकड़ा। उन्होंने कैच लेने के बाद बॉल को चूम लिया। दूसरी ओर गेंदबाज हुसैन ने राहुल के विकेट पर मास्क सेलिब्रेशन किया। ऑफ स्टंप के बाहर फ्लाइटेड गेंद पर राहुल आगे बढ़कर कवर के ऊपर शॉट खेलने गए। लेकिन, गेंद पिच पर रुक गई और टाइमिंग बिगड़ गई। गेंद हवा में चली गई, जहां रुतुराज गायकवाड़ ने आसान कैच लपक लिया। राहुल 12 रन बनाकर आउट हुए।

राणा का चौका, नूर ने अगली बॉल आउट किया

10वें ओवर की दूसरी बॉल पर नीतीश राणा ने नूर अहमद की बॉल पर चौका लगाया। अगली बॉल पर नूर ने राणा को कार्तिक शर्मा के हाथों कैच कराया और पवेलियन भेज दिया। शॉर्ट गेंद पर राणा घुटने के बल बैठकर स्वीप खेलने गए। लेकिन शॉट हवा में चला गया और डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर कार्तिक शर्मा ने आसान कैच पकड़ लिया। राणा ने निराश होकर बल्ला हवा में उछाला और पवेलियन की ओर लौट पड़े। दूसरी ओर नूर अहमद, कार्तिक शर्मा सहित चेन्नई के खिलाड़ी जश्न मनाने लग गए।

नूर अहमद से स्टब्स का कैच छूटा

11वें ओवर की पहली बॉल पर नूर अहमद से ट्रिस्टन स्टब्स का कैच ड्रॉप हो गया। गुरजपनीत सिंह की बॉल पर स्टब्स ने कवर में शॉर्ट खेला। नूर ने अपने दाईं ओर डाइव लगाई, लेकिन गेंद हाथ में नहीं टिक सकी। स्टब्स ने अप के साथ जोरदार ड्राइव खेला था, जो सीधे फील्डर के पास गया। आसान मौका होने के बावजूद कैच छूट गया और स्टब्स को जीवनदान मिल गया।

19वें ओवर में रिजवी को जीवनदार, ओवर्टन-गायकवाड से कैच छूटा : 19वें ओवर में समीर रिजवी को जीवनदान मिला। जैमी ओवर्टन की फुल लेंथ गेंद पर रिजवी ने फ्लिक करने की कोशिश की, लेकिन बैट का टॉप एज लग गया। गेंद हवा में काफी ऊंची गई और बॉलर व मिड-ऑन के बीच गिर रही थी। ओवर्टन और रुतुराज गायकवाड़ दोनों ही कैच के लिए आए, लेकिन आपसी कन्फ्यूजन में कोई भी कैच नहीं ले पाया।

गायकवाड के डायरेक्ट थ्रो पर आशुतोष रनआउट : 20वें ओवर में ऋतुराज गायकवाड के डायरेक्ट थ्रो पर आशुतोष शर्मा रनआउट हो गए। गेंद पिच पर लगकर उछली, जिस पर गेंदआज अंशुल कम्बोज ने हल्का-सा हाथ लगाया। गेंद गायकवाड़ के पास गई, जिन्होंने मिड-ऑन से सीधे बॉलर एंड पर डायरेक्ट हिट कर दिया। रिस्की रन लेने की कोशिश में आशुतोष क्रीज से बाहर रह गए और रन आउट हो गए।

आशुतोष से उर्विल का कैच छूटा, अगली दो बॉल पर सिक्स : चेन्नई की पारी के छठे ओवर में आशुतोष शर्मा ने उर्विल पटेल का कैच ड्रॉप कर दिया। उर्विल ने गेंद को काफी ऊंचा मारा, लेकिन दूरी नहीं मिल पाई। डीप मिडविकेट से आशुतोष बाईं ओर भागते हुए लॉन्ग-ऑन की तरफ आए और डाइव भी लगाई। वे कैच तक नहीं पहुंच सके। जीवनदान मिलने के बाद उर्विल पटेल ने एनगिडी की अगली बॉल पर बॉल लगातार दो छक्के लगा दिए। जब कैच छूटा, तब उर्विल 5 रन खेल रहे थे।

केएल राहुल ने उर्विल को स्टंप किया : 7वें ओवर की तीसरी बॉल पर विकेटकीपर केएल राहुल ने अक्षर पटेल की बॉल पर उर्विल पटेल को स्टंप कर दिया। उर्विल जल्दी आगे निकल गए, जिसे भांपकर अक्षर ने लेंथ छोटी रखी और गेंद तेजी से टर्न कराई। गेंद बैट के बाहरी किनारे को बीट कर गई। उर्विल का पैर क्रीज से बाहर था और हवा में था, तभी राहुल ने फुर्ती दिखाकर तुरंत बेल्स गिरा दीं।

कार्तिक के चौके से जीती चेन्नई : 18वें ओवर तीसरी बॉल पर कार्तिक शर्मा ने नटराजन की गेंद पर चौका लगाया और चेन्नई को जीत दिला दी। उन्होंने शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर शॉर्ट-आर्म पुल खेला, गेंद मिड-ऑन के बाईं ओर से निकलते हुए तेजी से बाउंड्री तक पहुंच गई।

आईपीएल 2026 : प्लेऑफ का शेड्यूल और वेन्यू घोषित, फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन (आईपीएल 2026) के प्लेऑफ का शेड्यूल और वेन्यू बुधवार को घोषित कर दिया। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। 70 मैचों के बाद टूर्नामेंट का पहला क्वालीफायर 26 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इसमें अंकतालिका की दो शीर्ष टीमें एक दूसरे के आमने-सामने होंगी। इसके बाद न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 27 मई को तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर होगा। 29 मई को इसी मैदान पर क्वालीफायर 2 भी आयोजित होगा। क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर की विजेता और क्वालीफायर 1 में हार का सामना करने वाली टीमें आमने-सामने होंगी। इस मैच से आईपीएल 2026 का दूसरा फाइनलिस्ट मिलेगा। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2026 का फाइनल खेला जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियमहै, और यहां एक रोमांचक फाइनल की उम्मीद है। आईपीएल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जानकारी दी है कि कुछ ऑपरेशनल और लॉजिस्टिक वजहों से इस सीजन का प्लेऑफ और फाइनल तीन जगहों पर कराया जाएगा। पूर्व में आईपीएल 2026 का फाइनल बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था। स्थानीय एसोसिएशन, अधिकारियों की कुछ मांगों की वजह से बीसीसीआई ने फाइनल का वेन्यू बेंगलुरु से अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया। जानकारी के मुताबिक स्थानीय एसोसिएशन और अधिकारियों की मांग बोर्ड के निर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक कुछ राजनीतिक कारणों के चलते भी बेंगलुरु को प्लेऑफ या फाइनल की मेजबानी नहीं दी गई है। बता दें कि कुल 74 मैचों वाले आईपीएल के मौजूदा सीजन का आखिरी लीग मैच 24 मई को खेला जाएगा।

हैदराबाद ने पंजाब को 236 रन का टारगेट दिया

क्लासन-ईशान के अर्धशतक, नीतीश ने नाबाद 29 रन बनाए, तीन बॉलर्स को 1-1 विकेट

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 236 रन का टारगेट दिया है। पंजाब ने राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। हैदराबाद ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 235 रन बनाए। हैदराबाद के लिए हेनरिक क्लासन और ईशान किशन ने अर्धशतक लगाए। क्लासन ने 43 बॉल पर 69 और ईशान ने 32 बॉल पर 55 रन बनाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी हुई। क्लासन और नीतीश रेड्डी (29*) के बीच चौथे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा अभिषेक शर्मा (35) और ट्रैविस हेड (38) ने 55 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। पंजाब के लिए लॉकी फर्ग्यूसन, विजयकुमार वैशाख, युजवेंद्र चहल को 1-1 विकेट मिला। विजयकुमार ने आखिरी ओवर की अंतिम गेंद पर क्लासन को आउट किया। बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में क्लासन गेंद को सही तरह टाइम नहीं कर सके और लॉन्ग-ऑफ पर यानसन ने आसान कैच पकड़ लिया। क्लासन 43 गेंदों में 69 रन बनाकर आउट हुए, जबकि एसआरएच ने 20 ओवर में 235 रन बनाए। 18वें ओवर में क्लासन ने दो रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। फर्ग्यूसन की धीमी गेंद को क्लासेन ने लॉन्ग-ऑन की ओर खेलकर तेजी से दो रन लिए और शानदार फिफ्टी तक पहुंचे। अर्शदीप सिंह ने शानदार वापसी करते हुए ईशान किशन की विस्फोटक पारी का अंत किया। धीमी और शॉर्ट गेंद पर ईशान पुल शॉट को सही टाइम नहीं कर सके और डीप मिडविकेट पर सूर्यांश शेडगे ने अच्छा कैच पकड़ लिया। ईशान 32 गेंदों में 55 रन बनाकर आउट हुए। ईशान और क्लासन के बीच तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी हुई। ईशान किशन ने विजयकुमार वैशाख के ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए लगातार तीन छक्के जड़े। इस ओवर से कुल 21 रन आए। ईशान ने 92 मीटर का लंबा छक्का लगाते हुए सिर्फ 29 गेंदों में अपना अर्धशतक भी पूरा किया। वहीं क्लासन ने भी स्ट्राइक रोटेट कर उनका अच्छा साथ निभाया। ईशान किशन को जीवनदान, कोनोली से कैच छूटा 8वें ओवर में लॉकी फर्ग्यूसन की गेंद पर ईशान किशन का आसान कैच छूट गया।

जनजातीय खिलाड़ियों के लिए शानदार मंच साबित हुआ खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स

छत्तीसगढ़ की किरण पिस्दा और अनुष्का भगत ने भविष्य की जगाई उम्मीदें, सपनों को दिए नए पंख

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने देशभर के जनजातीय समुदायों के खिलाड़ियों को एक मंच पर एकत्रित किया, जहाँ कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुछ के लिए यह इतनी बड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का पहला अनुभव था, तो कुछ के लिए यह उनके उभरते करियर का अगला बड़ा कदम साबित हुआ। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के पहले संस्करण में 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें 2000 खिलाड़ियों के बीच रोमांचक प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे। मल्लखंभ और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों को इसमें प्रदर्शन खेलों के रूप में शामिल किया गया था। सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण छत्तीसगढ़ के तीन शहरों – रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर को इन खेलों की मेजबानी सौंपी गई थी। ऐसे मौके पर जब भारत वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की संभावित मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर रहा है, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने विविध जनजातीय पृष्ठभूमि के खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और कई खेलों में भारत की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में पहले से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभाव छोड़ने वाले खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से चमक बिखेरी। वहीं कई खिलाड़ियों ने भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन की संभावना दिखाई। तैराकी में कनार्टक के 21 साल के तैराक मणिकांता एल. और ओडिशा की 15 वर्षीया अंजलि मुंडा, तीरंदाजी में विश्व यूथ चैंपियन बनने वाली झारखंड की कोमालिका बारी एवं गुजरात की 21 वर्षीया भार्गवी भगोरा ने अपने कामयाब प्रदर्शन से देशभर के लोगों का ध्यान खींचा। वेटलिफ्टिंग में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले झारखंड के 19 साल के बाबूलाल हेम्ब्रम और ओडिशा की झिल्ली दलाबेहरा तथा झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने भी खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दौरान अपनी प्रतिभा और क्षमता का लोहा मनवाया। छत्तीसगढ़ की 24 साल की उभरती अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर किरण पिस्दा और 4 रजत पदक जीतने वाली तैराक अनुष्का भगत पूरे आयोजन के दौरान सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहीं। छत्तीसगढ़वासियों के लिए इन दोनों ने न केवल भविष्य के लिए अच्छी उम्मीदें जगाईं, बल्कि अपने खुद के सपनों को भी दिए नए पंख दिए।

बॉलीवुड समाचार

रितेश की फिल्म 'राजा शिवाजी' की कमाई 50 करोड़ पार

टॉप-5 मराठी फिल्मों में शामिल, महाराष्ट्र में टैक्स-फ्री करने की मांग

रितेश देशमुख के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'राजा शिवाजी' ने बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित इस फिल्म को मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज किया गया था। हालांकि रिलीज के पांचवें दिन फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट देखी गई। सैक्निल्क की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को फिल्म ने मराठी वर्जन में करीब 3.35 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। यह सोमवार के मुकाबले करीब 20.4% कम है। फिल्म के अब तक के कुल नेट कलेक्शन की बात करें, तो यह 44 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें मराठी वर्जन का योगदान सबसे ज्यादा 30.5 करोड़ रुपए है।

वर्ड-ऑफ-माउथ का मिल रहा फायदा

फिल्म का इंडिया ग्रॉस कलेक्शन अब 52.68 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। हिंदी वर्जन की शुरुआत मराठी के मुकाबले थोड़ी धीमी रही थी, लेकिन रिव्यू और वर्ड-ऑफ-माउथ की वजह से हिंदी बेल्ट में भी फिल्म की कमाई बढ़ रही है। इस कलेक्शन के साथ ही 'राजा शिवाजी' अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप-5 मराठी फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है।

महाराष्ट्र में टैक्स-फ्री करने की मांग : फिल्म की सफलता के बीच शिवसेना नेता अंबादास दानवे ने इसे महाराष्ट्र में टैक्स-फ्री करने की मांग उठाई है। दानवे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर कहा है कि यह फिल्म शिवाजी महाराज के महान कार्यों को युवाओं और जनता तक पहुंचाती है। उन्होंने मांग की कि फिल्म को टैक्स-फ्री किया जाए ताकि टिकट सस्ते हों और ज्यादा से ज्यादा लोग इसे सिनेमाघरों में जाकर देख सकें।

फिल्म में है बड़ी स्टारकास्ट

1 मई को रिलीज हुई इस फिल्म में रितेश देशमुख ने न सिर्फ मुख्य भूमिका निभाई है, बल्कि इसका निर्देशन भी खुद किया है। फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, भाग्यश्री और जेनेलिया देशमुख जैसे बड़े सितारे अहम किरदारों में नजर आए हैं। इनके अलावा महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते ने भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

फिल्म बनाना कहानी सुनाने की आधुनिक कला है : आमिर खान

हाल ही में अपनी नई फिल्म एक दिन के प्रमोशन के दौरान अभिनेता और फिल्म निर्माता आमिर खान ने फिल्ममेकिंग और स्टोरीटेलिंग को लेकर विस्तार से बातचीत की। आमिर खान ने कहा है कि फिल्मों की सबसे बड़ी ताकत उनकी कहानी होती है। उनका मानना है कि तकनीक, बड़े सेट और शानदार विजुअल्स के बावजूद अगर कहानी मजबूत नहीं होगी तो दर्शक फिल्म से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाएंगे। एक कार्यक्रम में अभिनेता और कॉमेडियन जाकिर खान के साथ बातचीत करते हुए आमिर खान ने कहा कि फिल्म बनाना दरअसल कहानी सुनाने की एक आधुनिक कला है। उन्होंने कहा कि इंसान हजारों वर्षों से एक-दूसरे को कहानियां सुनाता आ रहा है। पुराने समय में जब किताबें नहीं थीं, तब लोग बैठकर किस्से और कहानियां साझा किया करते थे। आज भी वही परंपरा जारी है, लेकिन अब कहानी सुनाने की जगह उसे दिखाने का तरीका विकसित हो गया है। आमिर खान ने कहा कि पहले केवल शब्दों के जरिए कहानी कही जाती थी, जबकि अब फिल्मों में कैमरा, संगीत, ध्वनि और कलाकारों की मदद से भावनाओं को जीवंत रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माता आज किसी भी दृश्य को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं और कलाकार अपने अभिनय से किरदारों को वास्तविक बना देते हैं। हालांकि इन सभी चीजों के बावजूद कहानी सबसे महत्वपूर्ण तत्व बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अगर कहानी दिलचस्प और भावनात्मक रूप से मजबूत नहीं होगी तो दर्शक फिल्म से जुड़ नहीं पाएंगे। चाहे फिल्म कितने भी बड़े बजट में बनाई जाए या उसमें कितनी भी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाए, यदि कहानी दर्शकों को बांधकर नहीं रख सकेगी तो लोग जल्दी ही रुचि खो देंगे। आमिर खान के अनुसार दर्शक हमेशा ऐसी कहानी देखना चाहते हैं, जो उनके दिल को छू सके और लंबे समय तक याद रहे। आमिर खान की आगामी फिल्म 'एक दिन' इन दिनों काफी चर्चा में है। इस फिल्म में उनके बेटे जुनैद खान और अभिनेत्री साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

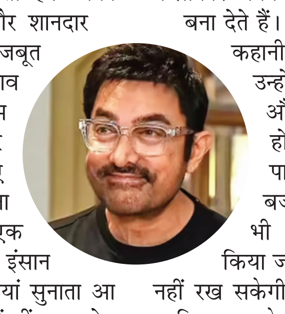

पलाश मुछाल पर केस दर्ज..स्मृति मंधाना के दोस्त का आरोप- 25 लाख रुपए नहीं लौटाए, स्मृति से टूट चुकी शादी

म्यूजिक कंपोजर और फिल्म मेकर पलाश मुछाल के खिलाफ महाराष्ट्र के सांगली में केस दर्ज हुआ है। उन पर एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना के बचपन के दोस्त विज्ञान प्रकाश माने ने दर्ज कराई है। पलाश पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और धोखाधड़ी का आरोप है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना 22 नवंबर को सांगली-आष्टा रोड पर स्थित एक टोल प्लाजा के पास हुई। शिकायतकर्ता विज्ञान माने का आरोप है कि एक बहस के दौरान पलाशमुछाल ने उनके खिलाफ अपमानजनक और जातिसूचक टिप्पणी की। पुलिस ने इस मामले में एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1) के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) और 352 के तहत केस दर्ज किया है। मामले की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि यह पूरा विवाद पैसों के लेन-देन से जुड़ा है। आरोप है कि पलाश मुछाल ने एक फिल्म प्रोडक्शन प्रोजेक्ट के नाम पर विज्ञान माने से 25 लाख रुपए लिए थे। पलाश ने वादा किया था कि फिल्म छह महीने में पूरी हो जाएगी। जब लंबे समय तक प्रोजेक्ट पर काम नहीं हुआ, तो विज्ञान ने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई थी। विज्ञान माने ने मीडिया से बातचीत में अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा, 'पलाश ने मुझे भरोसा दिलाया था कि फिल्म जल्द पूरी होगी, लेकिन वह धोखेबाज निकला। जब मैंने अपने पैसे मांगे, तो वह बात को टालने लगा। जब मैंने उसे टोका, तो उसने बहुत ही गंदी भाषा का इस्तेमाल किया। मैं

दर्शकों के दिलों पर छाप छोडना ज्यादा महत्वपूर्ण : अदा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि एक कलाकार के रूप में सबसे बड़ी उपलब्धि यह होती है कि दर्शक उनके किरदारों और संवादों को लंबे समय तक याद रखें। अदा शर्मा ने कहा कि उनके लिए दर्शकों के दिलों पर छोड़ा गया प्रभाव किसी भी कमाई या रिकॉर्ड से ज्यादा महत्वपूर्ण है। अभिनेत्री ने सफलता को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए कहा है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक सीमित नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि वह अपने करियर में सफलता को किस तरह मापती हैं, तो उन्होंने बेहद दिलचस्प अंदाज में जवाब दिया। अदा शर्मा ने कहा कि बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह होता है, जो जोर-जोर से बताता है कि फिल्म ने कितनी कमाई की। उन्होंने अपनी चर्चित फिल्म द केरल स्टोरी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई फिल्म 375 करोड़ रुपये जैसी बड़ी कमाई करती है, तो निश्चित रूप से वह खुशी और गर्व का विषय होता है। हालांकि उनके अनुसार समीक्षकों की सराहना उस समझदार मित्र की तरह होती है, जो ज्यादा बातें नहीं करता, लेकिन जब तारीफ करता है तो उसका अलग महत्व होता है। अदा शर्मा ने कहा कि आंकड़े और लोगों की राय समय के साथ बदलती रहती हैं, लेकिन एक कलाकार के लिए सबसे खास बात यह होती है कि दर्शक उसके अभिनय को कितनी गहराई से महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि लोग आज भी उनकी फिल्मों और किरदारों को याद करते हैं, जो उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। साल 2008 में हॉरर फिल्म 1920 से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अदा शर्मा ने कहा कि उन्हें आज भी लोग बताते हैं कि इस फिल्म ने उन्हें कितना डराया था। वहीं कई दर्शक सनफ्लावर में उनके कॉमिक अंदाज की तारीफ करते हैं, जबकि 'द केरल स्टोरी' को लेकर लोग भावुक प्रतिक्रिया देते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि जब दर्शक उनके किरदारों को याद करके अपनी भावनाएं साझा करते हैं, तो उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत सफल हो गई।

इन दिनों अदा शर्मा अपनी आगामी फिल्म गवर्नर: द साइलेंट सेवियर को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। खबरों के मुताबिक, फिल्म की कहानी भारत के आर्थिक संकट के दौर और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित बताई जा रही है। हालांकि फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली है।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत हेतु संपर्क करे : 9806044444

‘रसवी’ के लॉन्च के साथ रामा वर्ल्ड ने द नेबरहुड को क्यूरेटेड प्रीमियम फूड डेस्टिनेशन के रूप में किया स्थापित

नई दिल्ली। रसवी, एक लग्ज़री कन्फेक्शनरी ब्रांड, ने रामा वर्ल्ड में अपने पहले फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया। यह लॉन्च न केवल प्रीमियम मिठाइयों और गिफ्टिंग सेगमेंट में एक नई शुरुआत है, बल्कि रामा वर्ल्ड के विकसित हो रहे ' द नेबरहुड' फूड स्ट्रीट का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रसवी को पारंपरिक स्वीट शॉप मॉडल से आगे बढ़ाकर एक डिज़ाइन-आधारित रिटेल कॉन्सेप्ट के रूप में विकसित किया गया है, जो आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं जैसे प्रीमियम अनुभव, आकर्षक प्रस्तुति और क्यूरेटेड चयन को ध्यान में रखता है। इस एक्सपीरियंस सेंटर में हाई-एंड इंटीरियर्स, बुटीक-स्टाइल डिस्प्ले और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पैकेजिंग एस्थेटिक्स देखने को मिलती हैं। यहां कन्फेक्शनरी और डेज़र्ट्स की एक विशेष रेंज उपलब्ध है, जिसमें कूवर्चर चॉकलेट्स, इंडियन फ्यूज़न स्वीट्स, पारंपरिक मिठाइयाँ, पेस्ट्री, डेज़र्ट्स और कैफे-स्टाइल बेवरेज शामिल हैं। यह मिश्रण पारंपरिक स्वाद और आधुनिक प्रस्तुति का एक संतुलित अनुभव प्रदान करता है। रसवी गिफ्टिंग सेगमेंट में भी एक मजबूत पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। ब्रांड फेस्टिव हैम्पर्स, वेडिंग कलेक्शन्स, कॉर्पोरेट गिफ्ट बॉक्सेस और कस्टमाइज्ड चॉकलेट असॉर्टमेंट्स पेश करता है, जिन्हें प्रीमियम पैकेजिंग और आकर्षक डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है।

टीवीएस मोटर कंपनी ने नए S 4.7 kWh वेरिएंट के साथ अपने टीवीएस iQube पोर्टफोलियो को किया मजबूत

बेंगलुरु। दोपहिया और तिपहिया वाहनों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी, टीवीएस मोटर कंपनी ने आज भारत के पसंदीदा पारिवारिक इलेक्ट्रिक वाहन के नवीनतम मॉडल टीवीएस iQube S 4.7 kWh को लॉन्च करने की घोषणा की। 9 लाख से अधिक भारतीय परिवारों के भरोसे के साथ, टीवीएस iQube ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीवीएस iQube S 4.7 kWh की कीमत 1,37,142 (दिल्ली एक्स-शोरूम, केंद्र और राज्य सब्सिडी सहित) रखी गई है। यह 175 किमी की IDC-प्रमाणित रेंज और नए रंगों के विकल्प प्रदान करता है, जिससे परिवारों के लिए लंबी दूरी तय करना अधिक आसान और आत्मविश्वास से भरा होगा। रोजमर्रा के उपयोग को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए इस स्कूटर में बड़ी बैटरी दी गई है, जिससे राइडर्स अपने दैनिक सफर के साथ-साथ लंबी और अचानक बनने वाली यात्राएं भी बिना किसी परेशानी के कर सकते हैं। बेहतर रेंज के साथ इसमें दो नए रंग— Magnificence Purple Beige और Harlequin Blue Beige- शामिल किए गए हैं, साथ ही Titanium Grey Matte का विकल्प भी मौजूद है, जिससे ग्राहकों के पास अधिक विकल्प उपलब्ध होते हैं। ग्राहकों की जरूरतों को गहराई से समझते हुए अपने उत्पादों को लगातार बेहतर बनाने के प्रयास के तहत, टीवीएस आईक्यूब S को 4.7 kWh तक अपग्रेड किया गया है। इससे बैटरी क्षमता बढ़ी है, जबकि वही भरोसेमंद और परिचित राइडिंग अनुभव बरकरार रखा गया है जिस पर ग्राहक भरोसा करते हैं। टीवीएस आईक्यूब तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित है: ग्राहकों को रेंज, कनेक्टेड फीचर्स और रंगों के मामले में पावर ऑफ चॉइस देना; वाहन सुरक्षा और खरीद के पूरे अनुभव में भरोसे के साथ पूरी शांति (पीस ऑफ माइंड) सुनिश्चित करना; और टीवीएस आईक्यूब को सरल, प्रभावी और बिना झंझट के चलाने का अनुभव देना। ये सभी पहलू इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को हर किसी के लिए सुलभ बनाते हैं और टीवीएस आईक्यूब को भारत के पसंदीदा फैमिली ईवी के रूप में और मजबूत करते हैं। वर्तमान में, टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर भारत के 1,000 से अधिक शहरों और 3,300 डीलरशिप्स में उपलब्ध है। नए वेरिएंट के बारे में अधिक जानकारी के लिए विजिट करें - TVS iQube S y.| kWh.

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बीजापुर जिले के ग्राम तर्रेम में खोली अपनी 223 वीं शाखा

रायपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा, भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक, ने बीजापुर जिले के तर्रेम गांव में अपनी नई शाखा का शुभारंभ कर एक कदम आगे बढ़ाया है, जिससे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद मिलेगी । इस कार्यक्रम में माननीय श्री ओ पी चौधरी, वित्त मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन सहित श्री दिवाकर पी सिंह, अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, रायपुर अंचल की वर्चुअल रूप से गरिमामयी उपस्थिति रही । इस कार्यक्रम में श्री संबित मिश्रा (आईएएस), कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, बीजापुर जिला, श्री जितेंद्र के यादव (आईपीएस) एस पी, जिला बीजापुर श्री भूपेंद्र कुमार गावरे एस डी एम, उसूर, श्री पी आर चंद्राकर सीईओ उसूर व श्रीमती जानकी कोरसा, जिला पंचायत अध्यक्ष, बीजापुर डॉ आर के मोहंती, उपमहाप्रबंधक अनुपालन एवं आश्वासन, बैंक ऑफ़ बड़ौदा रायपुर अंचल, श्री बानाम्बर बेहरा सहायक महाप्रबंधक व क्षेत्रीय प्रमुख, धमतरी क्षेत्र सहित बीजापुर जिले और बैंक ऑफ बड़ौदा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे । अपने संबोधन के दौरान माननीय वित्त मंत्री ने बैंक ऑफ बड़ौदा को निरंतर प्रतिबद्धता और बैंक रहित क्षेत्र में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए बधाई दी क्योंकि इससे सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सीधे वित्तीय सहायता और लाभ प्रदान करने में मदद मिलेगी ।

इसके अलावा, उन्होंने बैंक से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न दुर्गम स्थानों पर और अधिक एटीएम मशीनें संस्थापित करने और बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट की नियुक्ति करने का अनुरोध किया । अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक श्री दिवाकर पी सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी वित्तीय पैठ के लिए राज्य भर में नई शाखाएं खोलने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण व प्रतिबद्धता दिखलाई । कार्यक्रम के दौरान, गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया और आजीविका और आर्थिक सुधार के लिए वित्तीय साक्षरता के महत्व पर जोर दिया।

JLR इंडिया ने यूके से आयातित रेंज रोवर के CBU मॉडल्स की कीमतों में की भारी कटौती

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय स्तर पर निर्मित मॉडलों, जैसे Range Rover, Range Rover Sport, Evoque, Velar और Discovery Sport की कीमतों पर इस FTA का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा

मुंबई। भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते के संभावित क्रियान्वयन को देखते हुए, JLR इंडिया ने आज यूके से आयातित रेंज रोवर मॉडल्स की कीमतों में बड़ी कटौती की घोषणा की है। संशोधित ड्यूटी स्ट्रक्चर के कारण कीमतों में हुआ यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस घोषणा के अनुसार, Range Rover SV की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 4.25 करोड़ से घटाकर 3.50 करोड़ कर दी गई है। कीमत में इस बड़ी कटौती के साथ-साथ कंपनी ने इसके आकर्षण को और बढ़ाते हुए पहली बार SV Ultra Metallic पेंट्स (ग्लॉस और सैटिन फिनिश) को स्टैंडर्ड फीचर के रूप में शामिल किया है। इसी तरह, Range Rover Sport SV की कीमत भी 2.75 करोड़ से घटाकर अब 2.35 करोड़ (शुरुआती एक्स-शोरूम) कर दी गई है, जिससे प्रीमियम लग्जरी सेगमेंट में इसकी बाजार स्थिति और अधिक मजबूत हुई है। JLR इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री राजन अंबा ने इस घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ‘भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते के लागू होने की संभावना को देखते हुए, हमें इसके लाभ अपने ग्राहकों तक पहुँचाते हुए बेहद खुशी हो रही है। Range Rover SV और Range Rover Sport SV की ये नई कीमतें हमारे ‘ग्राहक-प्रथम’ दृष्टिकोण और उनके साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। हमें विश्वास है कि इस समझौते से अधिक ग्राहकों को हमारे प्रीमियम स्ङ्क पोर्टफोलियो का अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो भारत में छ्व्रस्क्र की विकास यात्रा को और मजबूती देगा।‘ इसके साथ ही, कंपनी ने यह स्पष्ट किया है कि स्थानीय स्तर पर निर्मित मॉडल्स, जैसे Range Rover, Range Rover Sport, Range Rover Evoque, Range Rover Velar और Discovery Sport की कीमतों पर इस मुक्त व्यापार समझौते का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं, Defender और Discovery मॉडल्स की कीमतें भी स्थिर बनी रहेंगी, क्योंकि इनका निर्माण स्लोवाकिया स्थित प्लांट में होता है और ये यूके-इंडिया मुक्त व्यापार समझौते के दायरे में शामिल नहीं हैं।

विशेष आलेख

स्पष्ट राजनैतिक-सैन्य लक्ष्य को हासिल करने हेतु नियंत्रित बल प्रयोग....ऑपरेशन सिंदूर दुनिया के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण

लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे
(सेवानिवृत्त)

बदलते राजनैतिक-सैन्य लक्ष्यों के बीच युद्ध लड़ने के अमेरिका, इजराइल और रूस के प्रयोगों ने यह दर्शाया है कि 21वीं सदी के युद्ध और संघर्ष अक्सर लंबे एवं अस्पष्ट अभियानों में बदल रह गए हैं। इनके नतीजे संबंधित क्षेत्र के लिए विनाशकारी बन गए हैं और अखिरकार पहल करने वाले को ही इनका फायदा नहीं मिल पाया है। तालिबान, इराक, यूक्रेन, गाजा और अब ईरान का संघर्ष यह बतलाता है कि सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य अनिश्चित काल तक दबाव बनाए रखना नहीं होता है। इसका उद्देश्य निर्णायक रणनीतिक नतीजे हासिल करना और फिर ज्यादा ताकतवर सैन्य शक्ति द्वारा तय की गई अनुकूल शर्तों पर पीछे हट जाना होता है।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत द्वारा व्यक्त की गई प्रतिक्रिया ने दुनिया की सैन्य शक्तियों, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने अपनाए जाने लायक एक ठोस विकल्प पेश किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने अनगिनत बार युद्धविराम का झूठा श्रेय लिया है। लेकिन वही राष्ट्रपति ईरान को सैन्य एवं आर्थिक रूप से तबाह कर देने के बावजूद युद्धविराम का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं। ऑपरेशन सिंदूर सुनियोजित बल प्रयोग का एक ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया और उन उद्देश्यों को हासिल कर लेने के बाद अनुशासित संयम भी बरता गया। ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के स्थापित सुरक्षा प्रतिष्ठान द्वारा की गई उकसावे की एक क्रूर हरकत के बाद शुरू किया गया था। इस हरकत के तहत दिए गए निर्देशों अनुसार काम करने वाले आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर केवल पुरुषों की उनके परिवार के सदस्यों, पत्नियों, बच्चों और माता-पिता के सामने बेरहमी से हत्याएं कीं। इस घटना के बाद न तो भावावेश में आकर तनाव बढ़ाया गया और न ही अंधाधुंध प्रतिशोध लिया गया। बल्कि एक सुनियोजित तरीके से जवाब दिया गया। हर कदम सोच-समझकर, लेकिन तेजी से उठाया गया। ये कदम दंडात्मक और विध्वंसात्मक, दोनों ही थे। इन कदमों को अलग-अलग ठिकानों को तबाह करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। यह क्षमता और इरादे, दोनों का संकेत था। फिर भी, तनाव घटाने के लिए भी एक अलग से गुंजाइश रखी गई थी। यह किसी कमजोरी का नहीं, बल्कि नियंत्रण का सबूत था। यह भावना नहीं, बल्कि वह निष्ठुरता थी जो न्यायसंगत युद्ध के अधिकार (जस एड बेलम) और क्षमताओं में विश्वास एवं भरोसे की वजह से आती है। भारत की रणनीति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता राजनैतिक-सैन्य उद्देश्यों को लेकर स्पष्टता थी। इसका लक्ष्य सीमा-पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार बुनियादी ढांचे एवं तत्वों पर तत्काल और ठोस प्रहार करना तथा प्रतिरोध को फिर से स्थापित करना था। यह सब परमाणु सुरक्षा कवच और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के दायरे में रहते हुए किया गया। अहम परिसंपत्तियों को तेजी से नष्ट करके और पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व को मनोवैज्ञानिक आघात पहुंचाकर इन लक्ष्यों को हासिल करने के बाद, भारत ने संघर्ष को रोक दिया। कुल 88 घंटों के भीतर, भारतीय सशस्त्र बलों ने इस मिशन के उद्देश्यों को पूरा करके राजनीतिक प्रतिष्ठान को सौंप दिया। राजनीतिक प्रतिष्ठान ने सशस्त्र बलों को साफ और सुस्पष्ट निर्देश दिए थे। पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान ने युद्धविराम की गुहार लगाई। उन्हें यह गलतफहमी थी कि वे कोई नतीजा भुगते बिना उकसावे की हरकत बेलगाम जारी रख सकते हैं। लेकिन उन्हें घुटने टेककर कदमों में गिरना पड़ा। उनके राजनेता लाइव मीडिया के सामने डरे हुए दिखाई दिए और सैन्य कमांडर छिप गए।यह बेहद नाजुक क्षण था। इसने एक संरचनात्मक हकीकत को उजागर किया। भले ही पाकिस्तान की रणनीति लंबे समय से ‘हजारों घावों से लथपथ करके भारत को धीरे-धीरे कमजोर करने’ की नीति पर केन्द्रित रही है, लेकिन उसमें सीधे उसकी सत्ता के मूल केन्द्रों को निशाना बनाने वाले संक्षिप्त, तेज और उच्च तीव्रता वाले हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। भारत के प्रति उसकी निरंतर शत्रुता केवल वैचारिक ही नहीं, बल्कि संस्थागत भी है। पाकिस्तान की सेना का राज्य पर प्रभुत्व संघर्ष की इसी रणनीति पर टिका हुआ है।

भारत का रणनीतिक समुदाय यह अच्छी तरह समझता है कि पाकिस्तान से उसकी रणनीतिक दिशा में मौलिक बदलाव की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है, क्योंकि शत्रुता आकस्मिक नहीं बल्कि अस्तित्वगत है। इसलिए भारतीय प्रतिक्रिया ने पाकिस्तान के मसले को ‘हल’ करने का प्रयास ही नहीं किया, बल्कि तत्काल दंड लगाकर और अंतहीन तनाव के चक्र में फंसे बिना प्रतिरोध को बहाल किया। यह अंतर महत्वपूर्ण है। चूंकि पाकिस्तान की सेना का राज्य पर प्रभुत्व अस्तित्वगत खतरे और धार्मिक पहचान पर आधारित संघर्ष के प्रतिमान के जरिए कायम है, इसलिए रणनीतिक परिपक्वता वैचारिक आधारों को बदलने में नहीं बल्कि विश्वसनीय, सीमित और दोहराए जाने योग्य कार्रवाइयों के जरिए उसके व्यवहार को आकार देने में थी। वैचारिक आधारों को बदलना अक्सर एक असंभव कार्य होता है। अमेरिकी योजनाकारों के लिए, यह कदम हालिया सैन्य अभियानों से बिल्कुल अलग स्थिति पेश करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बार-बार अपनी जबरदस्त सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया है, लेकिन सामरिक प्रभुत्व को स्पष्ट रणनीतिक नतीजों में बदलने के लिए उसे काफी जूझना पड़ा है। यदि अभियानों को नियंत्रित न किया जाए, तो उनका दायरा हमेशा बढ़ता जाता है और उद्देश्य अस्पष्ट हो जाते हैं। यही नहीं, वे अपने शुरुआती लक्ष्यों से कहीं दूर आगे जाकर फैल जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप रणनीतिक थकान, संसाधनों की बर्बादी और कुछ मामलों में विश्वसनीयता में कमी आती है। ईरान के साथ चल रहे मौजूदा युद्ध में भी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ ठीक यही हुआ है। इसमें कोई नई बात नहीं है। बल्कि यह इराक, अफगानिस्तान और अन्य युद्धों या संघर्षों की पुनरावृत्ति है जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका को उलझना पड़ा। जरा ईरान के साथ चल रहे युद्ध में ऑपरेशन सिंदूर के नमूने के काल्पनिक इस्तेमाल पर विचार करें। आण्विक बुनियादी ढांचे, मिसाइल क्षमताओं और शासन के प्रमुख नेतृत्वकारी केन्द्रों को निशाना बनाने का लक्षित अभियान कुछ ही हफ्तों में पूरा हो चुका था और यही इसकी रणनीतिक सफलता भी थी। स्पष्ट रूप से सूचित और प्रभावी ढंग से अंजाम दिए गए निर्णायक हमले ने युद्ध को आगे बढ़ाने की ईरान की क्षमता को पहले ही कुंद कर दिया था। इसके बाद, इस मिशन की सफलता की घोषणा और अनिश्चितकालीन सैन्य उपस्थिति के बजाय राजनयिक और आर्थिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने से राजनैतिक-सैन्य लक्ष्य हासिल हो जाते। यह विचार इस लेखक ने मार्च 2026 में भारतीय थिंक टैंक ‘क्लॉज’ में प्रकाशित अपने इश्यू ब्रीफ 496 में व्यक्त किया था।

ईरान भी शुरुआत से ही उबरने का कोई रास्ता तलाश रहा था, लेकिन अमेरिकी लक्ष्य बदलकर पूर्ण विनाश या अधीनता की दिशा में चला गया। इस विकल्प को आजमाया गया। संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य वाले एक लंबे अभियान के परिणामस्वरूप द्वितीय और तृतीय स्तर के नतीजे सामने आए। आखिरकार यही नतीजे अब अमेरिकी हितों और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लंबे सैन्य अभियान असंतुलित जवाबी कार्रवाई को न्योता देते हैं, घरेलू समर्थन को कम करते हैं और ऐसे भू-राजनैतिक शून्य पैदा करते हैं जिन्हें संभालना मुश्किल होता है। ईरान ने इन सभी उपायों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पराजित, बर्बाद एवं तबाह होने के बावजूद, वह सदृढ़ और विजयी बनकर उभरा है। इसके उलट, स्पष्ट उद्देश्यों पर आधारित एक संक्षिप्त एवं कारगर उपाय वांछित नतीजे हासिल करने के साथ-साथ रणनीतिक लचीलापन भी बनाए रख सकता था। भारत का दृष्टिकोण युद्ध में तनाव को नियंत्रित रखने के महत्व को रेखांकित करता है, क्योंकि आधुनिक युद्ध केवल बल प्रयोग तक ही सीमित नहीं होते हैं। बल्कि इसमें शत्रु और अंतरराष्ट्रीय समुदाय, दोनों की धारणाओं को नियंत्रित करना भी शामिल होता है। अपनी प्रतिक्रिया को संतुलित रखकर, भारत ने कोई जल्दबाजी दिखाए बिना दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। इससे यही संकेत मिला है कि भारत निर्णायक कार्रवाई करने को जितना तैयार है, उतना ही वह अनियंत्रित संघर्षों को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध है। जहां कई विश्लेषक तनाव बढ़ाने की वकालत कर रहे थे, वहीं भारतीय नेतृत्व ने टकराव की मुद्रा में बने रहने के बजाय अपनी व्यापक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, विशेष रूप से दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखा। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, देश ने अपनी आजादी की सौवीं वर्षगांठ यानी 2047 के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पेश की है। आर्थिक विकास, तकनीकी उन्नति और वैश्विक एकीकरण इस मिशन के केन्द्र में हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर विराम लगाने के बाद, देश ने पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को यह चेतावनी देते हुए दीर्घकालिक लक्ष्यों की ओर कदम बढ़ाया है कि यदि उसने कोई और गलती करने की हिम्मत की, तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। युद्धविराम के प्रस्ताव एवं विराम को स्वीकार करके और इस प्रकार लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष से बचकर, भारत ने आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विकास पर ध्यान केन्द्रित करने की उस क्षमता को बनाए रखा जो उसके दीर्घकालिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अनिवार्य है। इसके उलट, लंबे समय तक सैन्य संघर्षों में उलझे रहने वाले राष्ट्रों के घरेलू एजेंडे अक्सर हाशिए पर चले जाते हैं, उनके संसाधन दूसरी ओर मोड़ दिए जाते हैं और निरंतर युद्धरत रहने की छवि से उनकी वैश्विक हैसियत जटिल हो जाती है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ सैन्य प्रभावशीलता का एक उदाहरण भर नहीं है, बल्कि कूटनीति का एक महत्वपूर्ण पाठ भी है। यह दर्शाता है कि सिर्फ एक निरर्थक एवं निरंकुश हथियार के बजाय नीति के एक सटीक साधन के रूप में बल का प्रयोग कैसे किया जा सकता है। यह साबित करता है कि संयम को जब क्षमता के साथ प्रयोग किया जाता है, तो यह विश्वसनीयता को कम करने के बजाय बढ़ाता है। और यह इस विचार को पुष्ट करता है कि किसी सैन्य अभियान को सही समय पर समाप्त करना उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना कि उसकी शुरुआत करना। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए निष्कर्ष बिल्कुल स्पष्ट है। जटिल और अक्सर अनसुलझे संघर्षों से भरी दुनिया में, सफलता संघर्ष की अवधि से नहीं बल्कि उद्देश्यों और नतीजों के बीच के सामंजस्य से निर्धारित होती है। भारत की संयमित लेकिन प्रभावी प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि निर्णायक प्रहार करना, प्रतिद्वंद्वी को अपने रुख में बदलाव के लिए मजबूर करना और फिर अपनी शर्तों पर पीछे हटना संभव है। ऑपरेशन सिंदूर की पूरी संरचना न केवल एक अच्छी रणनीति थी, बल्कि चतुराई भरी शक्ति का सबसे अनुशासित रूप में इस्तेमाल भी थी।

लेखक- लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त), चार दशकों से अधिक की सेवा अवधि के साथ कश्मीर में सात कार्यकाल के दौरान सेवारत, सियाचिन में तैनाती और चीन के खिलाफ कई अभियानों में भाग ले चुके हैं। उन्होंने श्रीनगर में चुनौतीपूर्ण 15-कोर की कमान संभाली और विश्व प्रसिद्ध आर्मी वॉर कॉलेज के कमांडेंट रहे। वाशिंगटन डीसी स्थित नेशनल वॉर कॉलेज सहित दो मास्टर डिग्री धारक, रक्षा और सामरिक रणनीति में एमफिल की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने ‘रिफ्लेक्शंस ऑन स्ट्रैटेजी’ नामक पुस्तक, लगभग 50 शोध-पत्र और थिंक टैंक तथा अन्य मंचों पर लेख प्रकाशित किए हैं। उनके द्वारा प्रतिपादित विषय पर 200 से अधिक पॉडकास्ट हो चुके हैं और कर्नल अजय रैना द्वारा लिखित पुस्तक ‘सोल्जरिंग विद पैशन’ में भी उनका उल्लेख है। वे राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक के रूप में दिखाई देते हैं और विभिन्न मंचों पर रणनीति, भू-राजनीति एवं नेतृत्व पर व्याख्यान देते हैं। युवाओं के बीच लोकप्रिय, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके काफी फॉलोअर्स हैं।

असम के तिनसुकिया से रायपुर तक—युवा लेखक साहिल जैन की किताब लॉन्च, भावनाओं की गूंज बनी पहचान

इंस्टाग्राम पर ‘@sahilpatniji_2403’ के नाम से चर्चित लेखक ने पेश की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी

असम के तिनसुकिया से निकलकर छत्तीसगढ़ के रायपुर तक अपने सपनों को आकार देने वाले युवा लेखक साहिल जैन ने अपनी नई किताब लॉन्च कर साहित्य जगत में कदम रखा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ‘@sahilpatnij_2403i’ के नाम से पहचाने जाने वाले साहिल अपनी गहरी और भावनात्मक लेखनी के लिए युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। उनकी यह किताब केवल एक प्रेम कहानी नहीं है, बल्कि यह उन जज़्बातों की कहानी है जिन्हें अक्सर लोग महसूस तो करते हैं, लेकिन शब्दों में बयां नहीं कर पाते। किताब में प्यार, दूरी, संघर्ष, उम्मीद और अधूरे रिश्तों की सच्चाई को बेहद संवेदनशीलता से प्रस्तुत किया गया है।

साहिल जैन का कहना है, ‘मैंने जो भी लिखा है, वह किसी कल्पना से नहीं, बल्कि उन भावनाओं से निकला है जिन्हें मैंने जिया है। यह किताब मेरे दिल का एक हिस्सा है, जिसे मैं हर उस इंसान तक पहुंचाना चाहता हूं जिसने कभी सच्चा प्यार किया हो।‘ रायपुर में रहते हुए साहिल ने अपने अनुभवों और जीवन के उतार-चढ़ाव को इस किताब के जरिए शब्दों में ढाला है। उनकी लेखनी में सच्चाई और अपनापन झलकता है, जो पाठकों को सीधे अपने दिल से जोड़ देता है। किताब के लॉन्च के बाद से ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। युवा पाठकों के बीच यह किताब तेजी से चर्चा का विषय बनती जा रही है, और कई लोग इसे अपनी जिंदगी से जोड़कर देख रहे हैं।

निष्कर्ष : तिनसुकिया की जड़ों से जुड़े और रायपुर में अपने सपनों को पंख देने वाले साहिल जैन की यह किताब उन सभी के लिए एक खास तोहफा है, जो प्यार को सिर्फ एक एहसास नहीं, बल्कि एक पूरी कहानी मानते हैं।

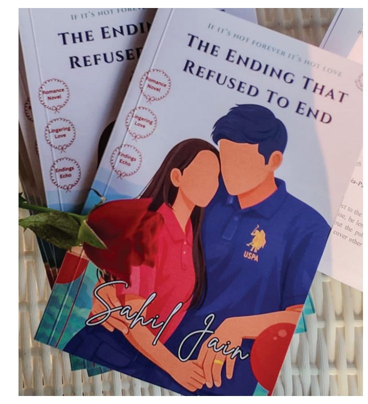

छत्तीसगढ़ में 7 जिलों के कलेक्टर समेत 43 आईएएस के कार्यक्षेत्र बदले

श्याम लाल धावड़े रायपुर संभाग के नये आयुक्त होंगे, रोहित यादव को दी गई वित्त विभाग की जिम्मेदारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सात जिलों के कलेक्टर समेत 43 आईएएस अफसरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इनमें रायपुर संभाग के आयुक्त भी शामिल हैं। रायपुर के आयुक्त रहे महादेव कावरे को सहकारिता विभाग का आयुक्त बनाया गया है। उनके स्थान पर श्याम लाल धावड़े को रायपुर संभाग का नया आयुक्त बनाया गया है। महादेव कावरे के सहकारिता विभाग के आयुक्त पद का दायित्व संभालने के बाद डॉ सीआर प्रसन्ना सहकारिता विभाग के आयुक्त पद के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे। रोहित यादव को वित्त विभाग के सचिव पद की जिम्मेदारी दी गयी है। साथ ही वह जनसंपर्क विभाग के सचिव और पेंशन विभाग के अध्यक्ष पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी देखते रहेंगे।

इन जिलों के कलेक्टर बदले

सुश्री पुष्पा साहू कोरिया जिले की नई कलेक्टर होंगी।
डॉ संतोष कुमार देवांगन गौरेला पेंड्रा मरवाही के नये कलेक्टर होंगे।
श्रीमती चंदन त्रिपाठी बलरामपुर रामानुजगंज की नई कलेक्टर होंगी।
सुश्री संतन देवी जांगडे मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर की नई कलेक्टर होंगी।
श्रीमती पद्मिनी भोई साहू सारंगढ बिलाईगढ़ की नई कलेक्टर होंगी।
सुश्री रेना जमील सूरजपुर की नई कलेक्टर होंगी।
विश्वदीप संजन बीजापुर के नये कलेक्टर होंगे।

सुबोध कुमार सिंह उर्जा विभाग के भी प्रमुख सचिव बने

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह को उनके सभी वर्तमान कर्तव्यों के साथ ही उर्जा विभाग को भी प्रमुख सचिव बनाया गया है। वह छग स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष पद का भी अतिरिक्त दायित्व देंखेंगे।

किसे दी गई कौन सी जिम्मेदारी

श्रीमती ऋचा शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव होंगी।
मनोज कुमार पिंगुआ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव होंगे।
श्रीमती निहारिका बारीक गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव होंगी।
श्रीमती शहला निगार, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव होंगी।
कमलप्रीत सिंह स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव होंगे।
परदेशी सिद्धार्थ कोमल कृषि विभाग के सचिव होंगे।
सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले वाणिज्यिक कर आबकारी विभाग की सचिव होंगी।
अविनाश चंपावत उच्च शिक्षा विभाग के सचिव होंगे।
मुकेश कुमार बंसल लोक निर्माण विभाग के सचिव होंगे।
सुश्री आर शंगीता नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव होंगी।
अंकित आनंद वाणिज्यिक कर पंजीयन विभाग के सचिव होंगे।
भुवनेश यादव सांख्यिकी विभाग के सचिव होंगे।
एस भारतीदासन संस्कृति विभाग के सचिव होंगे।
सुश्री शम्मी आबिदी राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के सचिव होंगे।
बसवराजू एस कौशल विकास विभाग के सचिव होंगे।
राजेश सिंह राणा ग्रामोद्योग विभाग के संचालक होंगे।
सारांश मित्तर क्रेडा के सीईओ होंगे।
पदुम सिंह एल्मा छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग विभाग के प्रबंध संचालक होंगे।
संजीव कुमार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक होंगे।
रणबीर शर्मा समाज कल्याण विभाग के संचालक होंगे।
राजेन्द्र कटारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभा के विशेष सचिव होंगे।
एस जयवर्धन कोष एवं लेखा के संचालक होंगे।
प्रभात मलिक उद्योग विभाग के संचालक होंगे।
डी राहुल वेंकट आदिम जाति विभाग के आयुक्त होंगे।
श्रीमती रोक्तिमा यादव उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त होंगी।
श्रीमती लीना कमलेश मंडावी खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की प्रबंध संचालक होंगी।
डॉ संजय कन्नौजे संस्कृति विभाग के सचिव होंगे।
श्रीमती रीता यादव माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव होंगी।
ऋषभ कुमार पाराशर बजट एवं स्थानीय निधि संपरीक्षा के संचालक होंगे।
मयंक अग्रवाल चिप्स के सीईओ होंगे।

संबित मिश्रा नगर निगम रायपुर के नये आयुक्त

बीजापुर के कलेक्टर रहे संबित मिश्रा को रायपुर नगर निगम का नया आयुक्त बनाया गया है। रायपुर नगर निगम के आयुक्त रहे विश्वदीप रंजन को बीजापुर का नया कलेक्टर बनाकर भेजा गया है। संबित मिश्रा नगर निगम रायपुर के आयुक्त के साथ ही स्मार्ट सिटी रायपुर के प्रबंध संचालक पद का भी दायित्व संभालेंगे।

संसदीय समिति की बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल

उर्वरक और औषधि क्षेत्र में बड़े सुधारों पर जोर

नई दिल्ली/ रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल बुधवार को नई दिल्ली में रसायन एवं उर्वरक संबंधी स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश के औद्योगिक, कृषि एवं औषधीय क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई।

निष्क्रिय संपत्तियों के पुनरुद्धार से बढ़ेगी किसानों की समृद्धि

बैठक के दौरान उर्वरक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की निष्क्रिय पड़ी संपत्तियों की समीक्षा करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि देश की

मूल्यवान संपत्तियों का निष्क्रिय रहना राष्ट्र की प्रगति में बाधक है।

उन्होंने सुझाव दिया कि इन संसाधनों का पुनरुद्धार कर उर्वरक उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब खाद का उत्पादन बढ़ेगा, तभी छत्तीसगढ़ समेत देशभर के अन्नदाताओं के पसीने की सही कीमत मिलेगी और उन्हें समय पर खाद उपलब्ध हो सकेगी।

दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता: छत्तीसगढ़ बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब

बैठक में श्री अग्रवाल ने उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से एक्टिव फर्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई) के उत्पादन और उपलब्धता में आत्मनिर्भरताश्व विषय पर रसायन और उर्वरक मंत्रालय (औषध विभाग) के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करते हुए अपने सुझाव दिए।

सांसद श्री अग्रवाल ने जोर दिया कि एपीआई उत्पादन को बढ़ावा मिलने से न केवल दवाओं की कीमतें कम होंगी, बल्कि इससे छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भारी औद्योगिक निवेश आएगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की अनुशंसा पर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 19.50 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

कबीरधाम (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा की अनुशंसा पर कवर्धा विधानसभा के अलग-अलग ग्रामों में निर्माण कार्यों के लिए 19 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी कवर्धा को

क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की अनुशंसा से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के कवर्धा शहर के वार्ड क्रमांक 16 मां दंतेश्वरी वार्ड में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए और वार्ड 13/14 में महर्षि कश्यप चैक निर्माण के लिए 9 लाख 75 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

ऑपरेशन मुस्कान और तलाश, एक माह में 648 लापता मिले

पुलिस ने 69 बच्चों और 579 वयस्कों को खोजकर परिवारों से मिलाया

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासपुर पुलिस ने अप्रैल 2026 में चलाए गए विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान और ऑपरेशन तलाश के तहत उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। एक महीने के भीतर पुलिस ने 69 लापता बच्चों और 579 वयस्कों को खोजकर उनके परिजनों से मिलाया, जिससे सैकड़ों परिवारों में खुशियां लौटीं।

पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर के निर्देश पर 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया गया था। बिलासपुर जिले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के मार्गदर्शन में इस अभियान को प्राथमिकता देते हुए गंभीरता से क्रियान्वित किया गया। अभियान के दौरान जिले में लंबित सभी गुमशुदगी मामलों की गहन समीक्षा की गई।

अधिकारियों और थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि हर मामले की संवेदनशीलता के साथ जांच कर शीघ्रता से लापता व्यक्तियों का पता लगाया जाए। इसके लिए तकनीकी संसाधनों और खुफिया तंत्र को मजबूत किया गया, जिससे कई मामलों में अहम सुराग मिले।

हर थाना स्तर पर विशेष टीमें गठित कर उन्हें राज्य के विभिन्न जिलों और अन्य राज्यों में भेजा गया। इसके परिणामस्वरूप महाराष्ट्र से 2 और ओडिशा से एक बालिका को बरामद किया गया, जबकि राज्य के भीतर से 66 बच्चे और 579 वयस्कों को सुरक्षित ढूंढ निकाला गया।

आंकड़ों के अनुसार, ऑपरेशन मुस्कान' के तहत 11 बालक और 58 बालिकाएं, यानि कुल 69 बच्चे बरामद किए गए। वहीं ऑपरेशन तलाश' के तहत 430 महिलाएं और 149 पुरुष, कुल 579 वयस्क पुलिस को मिले।

इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि बिछड़े हुए लोग अपने परिवारों से फिर से मिल सके। कई परिवारों ने बिलासपुर पुलिस के इस प्रयास के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

एसएसपी सिंह ने इस सफलता के लिए जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और जांच अधिकारियों की सराहना की। गौरतलब है कि इस अभियान में बिलासपुर जिले ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत 69 बच्चों की बरामदगी के साथ प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि ऑपरेशन तलाश में 579 वयस्कों की खोज के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है।

कोनी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में ट्रांसफॉर्मर धमाका, दो कर्मचारी झुलसे

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

शहर के कोनी स्थित मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ट्रांसफॉर्मर पैनल में अचानक जोरदार धमाका हो गया। यह हादसा उस वक्त हुआ जब केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी नियमित जांच के तहत ट्रांसफॉर्मर का निरीक्षण कर रहे थे।

धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज पूरे अस्पताल परिसर में गूंज गई, जिससे मरीजों और स्टाफ के बीच कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। घटना में सीपीडब्ल्यूडी के इलेक्ट्रीशियन शिवशंकर कंवर और इंजीनियर यश अग्रवाल झुलस गए।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, निरीक्षण के दौरान बिजली सप्लाई बंद कर तकनीकी खराबी दूर की जा रही थी। जैसे ही सिस्टम को

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

दोबारा चालू किया गया, अचानक ट्रांसफॉर्मर में विस्फोट हो गया और दोनों कर्मचारी उसकी चपेट में आ गए। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.पी. सिंह ने बताया कि यह घटना नियमित मेंटेनेंस के दौरान हुई। ट्रांसफॉर्मर सीपीडब्ल्यूडी के नियंत्रण में है और इसी के जरिए अस्पताल को बिजली आपूर्ति होती है।

घटना के तुरंत बाद दोनों घायलों को अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, यश अग्रवाल को मामूली जलन हुई है, जबकि शिवशंकर कंवर को गंभीर चोटें आई थीं। फिलहाल दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस हादसे ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना ने साफ किया भारी-भरकम खर्च कर नए-नए संवेदनशील उपकरणों के संचालन और जांच के दौरान उच्च स्तर के सुरक्षा प्रोटोकॉल और नियमित ऑडिट नहीं हो रही है।

बैन प्लास्टिक का धड़ल्ले से उपयोग, हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से मांगा हलफनामा

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित प्लास्टिक और पॉलिथीन के बढ़ते उपयोग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने मामले में मुख्य सचिव को हलफनामा पेश करने का निर्देश दिया है।

याचिकाकर्ता ने पर्यावरण बोर्ड की निष्क्रियता पर भी उठाया सवाल

यह आदेश रायपुर निवासी नितिन सिंघवी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 13 मई को तय की गई है। याचिका में कहा गया है कि राज्य में 'छत्तीसगढ़ प्लास्टिक एवं अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्री (उपयोग एवं निपटान विनियमन) अधिनियम, 2020' और इसके नियम 2023 से लागू हैं। इसके तहत कैरी बैग, नॉन-वोवन पॉलीप्रोपाइलीन बैग, डिस्पोजेबल कप-प्लेट, चम्मच, स्ट्रॉ, पाउच, फ्लेक्स, बैनर, थर्माकोल सजावटी सामग्री और 200 मिलीलीटर से कम की पेट बोतलों पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद राज्यभर में इन प्रतिबंधित वस्तुओं का उत्पादन, परिवहन और बिक्री खुलेआम जारी है। याचिका में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। बताया गया कि नवंबर 2025 में राज्य सरकार ने बोर्ड को एक उच्च स्तरीय समिति गठन का प्रस्ताव तैयार करने और विभिन्न विभागों की भूमिका तय करने का निर्देश दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया। याचिकाकर्ता ने प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए ठोस सुझाव भी दिए हैं। इसमें उच्च स्तरीय समिति के गठन के साथ-साथ विशेष जांच दल बनाने का प्रस्ताव शामिल है। यह टीमें राज्य की सीमाओं पर ट्रकों की जांच करेंगी और यह पता लगाएंगी कि प्रतिबंधित प्लास्टिक का उत्पादन कहां हो रहा है। साथ ही, फैक्ट्रियों की बिजली खपत और जीएसटी रिकॉर्ड की जांच कर अवैध उत्पादन और बिक्री का खुलासा करने मांग की गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि नियमों में दी गई छूट, जैसे मेडिकल उपयोग, कृषि के लिए कंपोस्टेबल बैग या मोटाई वाले पैकेजिंग का गलत फायदा उठाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक का कारोबार जारी है।

पशु का मांस और औजार जब्त, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासपुर जिले के कोटा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलगहना चौकी पुलिस ने मांस रखने और उसकी कटाई के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मौके से करीब 7 किलो मांस और काटने में इस्तेमाल किए गए औजार जब्त किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, बेलगहना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि करहीकछार गांव में एक व्यक्ति मांस रखकर उसकी कटाई कर रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और उनके निर्देश पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की।

सुबह के समय पुलिस ने आरोपी के घर दबिश दी, जहां करहीकछार निवासी 53 वर्षीय सुरेश कुमार सोनवानी अपने आंगन में बैठकर मांस काटते हुए मिला।

पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह गाय और भैंस के मांस को काटकर सुखाता है और स्वयं उपयोग करता है। किस जानवर का मांस है, यह प्रयोगशाला में जांच के बाद मालूम होगा।

पुलिस ने मौके से कटे हुए मांस के साथ 'तांगली' नामक धारदार औजार भी जब्त किया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु संरक्षण अधिनियम, 2004 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

फायर स्टेशन के लिए जमीन पर चुप्पी भारी, हाईकोर्ट ने दिया 17 कलेक्टरों को अंतिम मौका

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की कमजोर हालत पर हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। सू-मोटो जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 17 जिलों के कलेक्टरों को अंतिम अवसर देते हुए पूछा है कि आखिर फायर स्टेशन के लिए जमीन उपलब्ध कराने संबंधी पत्र का जवाब अब तक क्यों नहीं दिया गया। सोमवार को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की बेंच ने पाया कि 25 मार्च 2026 को निदेशक अग्नि सुरक्षा ने 17 कलेक्टरों को पत्र भेजा। 27 अप्रैल को रिमाइंडर भी जारी किया गया।बावजूद इसके किसी भी कलेक्टर ने जवाब नहीं दिया। अदालत ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए कहा कि अब और देरी बर्दाश्त नहीं होगी। मालूम हो कि प्रदेश में आग से निपटने के संसाधनों की स्थिति पहले से ही कमजोर है। 200+ ब्लॉक मुख्यालयों में से 145 से अधिक जगहों पर एक भी फायर वाहन नहीं है।

मुख्य सचिव को भी भेजी जाएगी आदेश की प्रति

राजधानी रायपुर में लगभग 22 फायर वाहन, जबकि बिलासपुर में केवल 10 वाहन हैं। कई जिलों में अब तक फायर स्टेशन ही नहीं बने 2018 से पहले अग्नि सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय निकायों पर थी।

बाद में राज्य ने नया अधिनियम बनाकर निदेशक अग्नि सुरक्षा कार्यालय बनाया। नियम के अनुसार हर जिले में जिला अग्नि सुरक्षा अधिकारी होना चाहिए, लेकिन अधिकांश जिलों में अभी तक नियुक्ति नहीं हुई है।

सुनवाई में राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शशांक ठाकुर ने बताया कि कलेक्टरों को टॉप प्रायोरिटी पर जमीन उपलब्ध कराने कहा गया था, फिर भी जवाब नहीं आया। न्याय मित्र अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने कोर्ट को बताया कि सरकार खुद मान चुकी है कि किसी कलेक्टर ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद कोर्ट ने 17 कलेक्टरों को अंतिम मौका दिया और आदेश की प्रति मुख्य सचिव को भी भेजने के निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 23 जून को होगी।

ड्यूटी के दौरान हादसे में महिला गार्ड की मौत, मुआवजे को लेकर परिजनों का चक्काजाम

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

शहर के एक निजी संकल्प अस्पताल में ड्यूटी के दौरान हुए हादसे में महिला सुरक्षा गार्ड की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना के विरोध में मंगलवार को अस्पताल के सामने शव रखकर चक्काजाम किया गया और प्रबंधन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हुआ।

जानकारी के मुताबिक, मृतका अनीशा पिछले दो वर्षों से संकल्प अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थी। दो दिन पहले ड्यूटी के दौरान वह परिसर में लगे जनरेटर में डीजल भरने गई थी। इसी दौरान

उसका दुपट्टा जनरेटर की बेल्ट में फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया और हादसे के बाद भी प्रबंधन ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है और उचित मुआवजा देने से बचा जा रहा है।

नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने मंगलवार को अस्पताल के सामने सड़क पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने मृतका के परिवार को मुआवजा, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट से कपड़ा दुकान खाक, 10 लाख का नुकसान

रामानुजगंज, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के सरहदी क्षेत्र झारखंड के रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत गोदरमाना में मंगलवार देर रात एक भीषण आगजनी की घटना में 'यूनिक ड्रेस' नामक कपड़ा दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। आग लगने से दुकान में रखा लगभग 10 लाख रुपए का सामान नष्ट हो गया, वहीं काउंटर में रखे करीब 40 हजार रुपए नगद भी जल गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात करीब 11.30 बजे मकान मालिक के घर में खाना बनाते समय कुकर में विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद गैस सिलेंडर गिरने से उसमें

भी ब्लास्ट हो गया, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें पास स्थित बंद कपड़ा दुकान तक पहुंच गईं और देखते ही देखते पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया।

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकले और बंद दुकान से उठती आग व धुएं को देखकर तत्काल दुकानदार करण कश्यप को सूचना दी। साथ ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन को भी अवगत कराया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन अत्यधिक गर्मी के कारण दुकान के पास जाना मुश्किल हो रहा था और ताला भी नहीं तोड़ा जा सका।

इसके बाद रामानुजगंज नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल को सूचना दी गई, जिनके प्रयास से दमकल वाहन मौके पर पहुंचा। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकान पूरी तरह जल चुकी थी। दुकानदार करण कश्यप ने बताया कि उन्होंने करीब चार महीने पहले किराए पर दुकान शुरू की थी, जिसके लिए 5 लाख रुपए समूह से और 10 लाख रुपए रिश्तेदारों से कर्ज लिया था।

उम्रकैद बंदी की इलाज के दौरान मौत

दस्त से बिगड़ी थी हालत

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

केंद्रीय जेल अंबिकापुर में बंद एक आजीवन कारावास प्राप्त कैदी की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि बंदी को पिछले कुछ दिनों से दस्त की शिकायत थी, जिसके चलते उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एमसीबी जिले के केल्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुडरू निवासी 50 वर्षीय शिव प्रसाद अपनी पत्नी की हत्या के मामले में वर्ष 2021 से सजा काट रहा था। न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद उसे मनेंद्रगढ़ जेल से स्थानांतरित कर केंद्रीय जेल अंबिकापुर में रखा गया था।

बताया गया है कि 2 मई को शिव प्रसाद को दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद जेल अस्पताल में उसका उपचार शुरू किया गया। हालांकि, हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान सोमवार रात उसकी मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर परिजन अंबिकापुर पहुंचे, जिन्हें आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव सौंप दिया गया।

पार्षद विजय सोनी बने शासकीय कन्या महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष

शिक्षा के विकास, पारदर्शिता और छात्र कल्याण को लेकर जताई प्रतिबद्धता

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

अंबिकापुर नगर के वरिष्ठ पार्षद एवं समाजसेवी विजय सोनी को शासकीय कन्या महाविद्यालय, अंबिकापुर की जनभागीदारी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर द्वारा आधिकारिक नियुक्ति आदेश जारी किया गया है। उनकी नियुक्ति से महाविद्यालय में शैक्षणिक और प्रशासनिक स्तर पर सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

नवनियुक्त अध्यक्ष विजय सोनी ने अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे शिक्षा के विकास, पारदर्शिता और छात्र कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि महाविद्यालय की अधोसंरचना को मजबूत बनाने और शैक्षणिक वातावरण को बेहतर करने के लिए हर संभव

प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि जनभागीदारी समिति के माध्यम से प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा, ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और अभिभावकों के साथ समन्वय स्थापित कर छात्रों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेंगे।

विजय सोनी ने यह भी संकेत दिया कि वे महाविद्यालय में नवाचार को सुधार लाने के लिए विशेष पहल करेंगे। उनका मानना है कि वर्तमान समय में केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा ही नहीं, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि विजय सोनी लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं और नगर में उनकी पहचान एक सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना में गड़बड़ी के आरोप, लुण्ड्रा ब्लॉक में लाखों के काम कागजों तक सीमित

अंबिकापुर/लुण्ड्रा, प्रतिदिन राजधानी

सामाजिक कार्यकर्ता व अधिवक्ता डी के सोनी ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत लुण्ड्रा विकासखंड में स्कूलों के मरम्मत कार्यों में भारी अनियमितता के आरोप लगाए हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अंबिकापुर से जुड़े इस मामले में कई

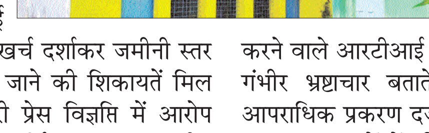

स्कूलों में कागजों में बड़े खर्च दर्शाकर जमीनी स्तर पर बेहद कम कार्य किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। श्री सोनी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाते हुए कहा कि सबसे चर्चित मामला शासकीय प्राथमिक शाला कटाईपारा (ग्राम पंचायत जरहाडीह) का है, जहां मरम्मत कार्य के नाम पर 2 लाख 39 हजार रुपये खर्च दर्शाए गए हैं, जबकि स्थानीय लोगों का दावा है कि मौके पर 30 हजार रुपये से भी कम का कार्य हुआ है। आरोप है कि दस्तावेजों में भी हेरफेर करते हुए स्कूल का स्थान जरहाडीह की जगह ग्राम पंचायत लमगांव दर्शाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई जगहों पर नाममात्र का काम कर भारी भुगतान दिखाकर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया है। इस पूरे प्रकरण में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत होने की आशंका जताई जा रही है। मामले को उजागर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता डी.के. सोनी ने इसे गंभीर भ्रष्टाचार बताते हुए दोषियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

अन्य स्कूलों में भी अनियमितता के आरोप

लुण्ड्रा ब्लॉक के कई अन्य स्कूलों में भी इसी तरह की गड़बड़ियों की शिकायत सामने आई है। इनमें असकला, भेड़ीदाढ़ असकला, माध्यमिक शाला डडहोली पारा, प्राथमिक शाला सायर रई, केजीबीवी लुण्ड्रा, माध्यमिक शाला चिरंगा और प्राथमिक शाला चिरंगा शामिल हैं।

चुनाव आयोग के ECINET ऐप का कमाल:

मतगणना के दिन 68 लाख साइबर हमलों को किया नाकाम

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ECI) के मजबूत आईटी प्लेटफॉर्म 'ईसीआईएनईटी' (ECINET) ने विधानसभाओं के लिए आम चुनाव और उपचुनाव 2026 के दौरान अपनी तकनीकी शक्ति का लोहा मनवाया है। इस प्लेटफॉर्म ने रीयल-टाइम (तत्क्षण) निगरानी, त्वरित रिपोर्टिंग और पारदर्शिता बढ़ाकर निर्वाचन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाई है।

अब तक 10 करोड़ से ज्यादा हुए डाउनलोड

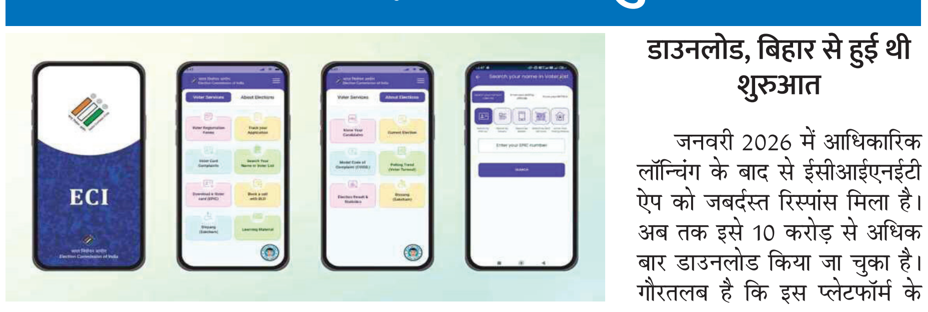

10 करोड़ से अधिक डाउनलोड, बिहार से हुई थी शुरुआत

जनवरी 2026 में आधिकारिक लॉन्चिंग के बाद से ईसीआईएनईटी ऐप को जबर्दस्त रिस्पांस मिला है। अब तक इसे 10 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। गौरतलब है कि इस प्लेटफॉर्म के बीटा संस्करण (Beta Version) का सफल प्रयोग पहली बार नवंबर 2025 में हुए बिहार चुनावों में किया गया था।

विदेशी और घरेलू हैकर्स के 68 लाख साइबर हमले नाकाम

चुनाव आयोग की तकनीकी टीम और साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल ने मतगणना के दिन बड़ी सफलता हासिल की। भारत और विदेश दोनों जगहों से उत्पन्न हुए 68 लाख से अधिक दुर्भावनापूर्ण साइबर हमलों (Malicious Attacks) को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया गया। इन हैकर्स के निशाने पर चुनाव परिणाम पोर्टल सहित कई प्रमुख चुनावी प्लेटफॉर्म थे।

पहली बार QR कोड आधारित सुरक्षा प्रणाली का हुआ इस्तेमाल

इन चुनावों में मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया। पहली बार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतगणना के दिन ईसीआईएनईटी के जरिए क्यूआर (QR) कोड आधारित फोटो पहचान पत्र प्रणाली का उपयोग किया गया। मतगणना के दिन 3.2 लाख से अधिक क्यूआर कोड जेनरेट किए गए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि केवल अधिकृत कर्मी ही मतगणना स्थलों में प्रवेश कर सकें और किसी भी तरह की अनधिकृत घुसपैठ को रोका जा सके।

एक मिनट में आए 3 करोड़ हिट्स

चुनाव के दौरान इस ऐप के उपयोग के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। मतदान के दिनों (9, 23 और 29 अप्रैल) में ईसीआईएनईटी पर 98.3 करोड़ से अधिक हिट दर्ज किए गए। वहीं, मतगणना के दिन (4 मई 2026) जब चुनाव परिणामों को लेकर पूरे देश में उत्सुकता थी, तब इस प्लेटफॉर्म पर प्रति मिनट औसतन 3 करोड़ हिट दर्ज किए गए।

भारत और अल्जीरिया की सेनाओं ने मिलाया हाथ

दिल्ली में हुई अहम बैठक, अब एक साथ मिलकर करेंगे सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली। भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए 5 मई 2026 को नई दिल्ली में संयुक्त आयोग की पहली अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और अधिक विस्तार देने तथा आपसी हितों के मुद्दों पर एक साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई है।

दिग्गजों ने की बैठक की सह-अध्यक्षता

इस महत्वपूर्ण बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और अल्जीरिया की ओर से अल्जीरियाई नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल कायद नूर एड्डिन ने की।

इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में तीनों सेनाओं, मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (IDS), रक्षा उत्पादन विभाग, डीआरडीओ (DRDO), सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

बैठक में हिस्सा लेने से पहले अल्जीरियाई नौसेना प्रमुख मेजर जनरल कायद नूर एड्डिन ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय शहीदों को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि भारत और अल्जीरिया के बीच वर्ष 2024 में रक्षा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके बाद से दोनों देशों के रक्षा संबंध निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

अल्जीरिया के नौसेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों की रक्षा भागीदारी में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अपनी इस यात्रा के दौरान अल्जीरिया का यह प्रतिनिधिमंडल भारतीय रक्षा उद्योगों के प्रमुख प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेगा।

सैन्य अभ्यास और ट्रेनिंग पर फोकस

इस उच्च स्तरीय बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण, सैन्य अभ्यास, चिकित्सा सहयोग और रक्षा उद्योगों के क्षेत्र में संबंधों को प्रगाढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही दोनों देशों ने भारत-अल्जीरिया रक्षा सहयोग के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए उत्तरदायी 'कार्यप्रणाली नियमों' पर भी हस्ताक्षर किए। यह नियम आगामी संयुक्त आयोग की बैठकों के लिए एक मार्गदर्शिक प्रारूप के रूप में काम करेंगे।

शिवराज सिंह चौहान दो दिन के लखनऊ प्रवास पर

- लखनऊ में फ्रूट होराइज़न-2026 में सहभागिता करेंगे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बागवानी क्षेत्र को मिलेगी नई ताकत
- शिवराज सिंह की मौजूदगी में फल उत्पादक किसानों और निर्यातकों को मिलेगा बड़ा मंच, किसानों, वैज्ञानिकों और कारोबार जगत का होगा संगम

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 6 और 7 मई को उत्तर प्रदेश में लखनऊ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान चौहान "फ्रूट होराइज़न 2026" से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में यह दो दिवसीय आयोजन देश में फल उत्पादन, गुणवत्ता, प्रसंस्करण और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम का मकसद किसानों, वैज्ञानिकों, निर्यातकों और अन्य संबंधित पक्षों को एक मंच पर लाकर फल क्षेत्र को नई दिशा देना है।

6 मई को होटल रेनेसां, गोमतीनगर, लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान निर्यातकों और अन्य हितधारकों के साथ सीधा संवाद करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, आज देर शाम शिवराज सिंह की प्रगतिशील निर्यातकों के साथ बैठक होगी, साथ ही निर्यातकों, निदेशकों और अन्य हितधारकों के साथ भी उनकी चर्चा होगी। इस संवाद में फल निर्यात बढ़ाने, बाजार की चुनौतियों को समझने और बेहतर रणनीति बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इससे देश के फल कारोबार को मजबूत करने और किसानों को बेहतर अवसर दिलाने की दिशा में मदद मिलेगी।

7 मई को मुख्य कार्यक्रम आईसीएआर के केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ में आयोजित होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 10 बजे से किसानों, पौधशाला से जुड़े लोगों और प्रसंस्करण क्षेत्र के हितधारकों के साथ केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह का संवाद होगा। इसके बाद मुख्य सत्र होगा, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही और दिनेश प्रताप सिंह भी भाग लेंगे। कार्यक्रम के व्यापक एजेंडे में गुणवत्ता, निर्यात, वैल्यू एडिशन, जीरो रिजेक्शन, एफपीओ, एफपीसी और एसएचजी की भूमिका जैसे विषय भी शामिल हैं। यह आयोजन फल क्षेत्र में नई सोच, नई तकनीक और नए बाजार अवसरों के रास्ते खोलने वाला है।

लखनऊ में होने वाला यह आयोजन उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के फल क्षेत्र को नई गति देने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ वैज्ञानिक, केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

शशि शेखर वेम्पति केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। भारत सरकार ने शशि शेखर वेम्पति को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आज इसकी अधिसूचना जारी की गई। वेम्पति कार्यभार ग्रहण की तिथि से तीन वर्ष की अवधि तक इस पद पर रहेंगे।

प्रसून जोशी को प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किये जाने से उन्होंने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का अध्यक्ष पद छोड़ा है, जिसके कारण यह नियुक्ति हुई है।

शशि शेखर वेम्पति को मीडिया, प्रसारण और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में व्यापक अनुभव प्राप्त है। उनकी नियुक्ति से केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के कामकाज को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

यूक्रेन ने मांगा एकतरफा युद्धविराम, इधर रूस ने कीव पर कर दिया भीषण हमला; 27 लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन द्वारा मॉस्को से एकतरफा युद्धविराम की मांग किए जाने के बीच रूस ने कीव पर भीषण हमला किया है। इस हमले में 27 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 120 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि रूस ने आधी रात से शुरू हुए यूक्रेन के एकतरफा युद्धविराम की अनदेखी करते हुए रात भर दर्जनों ड्रोन से हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि यूक्रेन ने अपने ही युद्धविराम का पालन नहीं किया। मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक रूसी क्षेत्रों, अवैध रूप से कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप और काला सागर के ऊपर 53 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए।

इधर यूक्रेन ने भी रूस के कब्जे वाले क्रीमिया शहर पर बड़ा हमला किया। रूस द्वारा नियुक्त गवर्नर सर्गेईअक्सियोनोव ने बताया कि क्रीमिया के शहर झांकोई पर यूक्रेनी ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने मध्य रात्रि के ठीक बाद हताहतों की सूचना दी, लेकिन हमले के बारे में खुद 90 मिनट पहले ही पोस्ट कर दिया था। मॉस्को की तरफ से कोई आधिकारिक संकेत नहीं था

कि वह कीव के युद्धविराम का सम्मान करेगा। रूस के पड़ोसी पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद युद्ध अब पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, ऐसे में शत्रुता में विराम की उम्मीद बहुत कम है।पिछले एक साल से अमेरिका के नेतृत्व वाले कूटनीतिक प्रयास युद्ध रोकने में नाकाम रहे हैं।

यूक्रेनी आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि मंगलवार को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में 27 लोगों की मौत हुई और 120 अन्य घायल हुए, जिनमें सभी आम नागरिक थे। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार इस युद्ध में अब तक 15,000 से अधिक नागरिक मारे जा चुके हैं। दोनों पक्ष लंबी दूरी के हमलों का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। लगभग 1,250 किलोमीटर लंबी फ्रंटलाइन पर रूस की बड़ी सेना यूक्रेन की ड्रोन-आधारित मजबूत रक्षा के खिलाफ धीमी लेकिन महंगी लड़ाई लड़ रही है।

हंता वायरस: समुद्री जहाज पर हुई मानव से मानव में फैलने वाले एंडीज स्ट्रेन की पुष्टि

प्रिटोरिया। अटलांटिक महासागर में पर्यटक जहाज एमवी होंडियस पर फैले हंता वायरस के संक्रमण के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। उपचार के लिए दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में भर्ती कराए गए एक मरीज की जांच में उसका हंता वायरस के एंडीज स्ट्रेन से संक्रमित होना पाया गया है। यह एकमात्र ऐसा स्ट्रेन है जो इंसान से इंसान में फैलता है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। इस स्ट्रेन को लेकर दुनियाभर में चिंता बढ़ गई है।

हंता वायरस का यह प्रकोप एमवी होंडियस नाम के जहाज पर सामने आया है, जिसे ओशनवाइड एक्सपीडिशंस कंपनी चलाती है। इस जहाज 20 मार्च को 170 यात्रियों के साथ अर्जेंटीना के उशुआइया से सफर शुरू किया था और उसे 4 मई को केप वर्डे पहुंचना था। इस दौरान जहाज पर हंता वायरस का संक्रमण फैल गया है। इससे अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। इस जहाज की लंबाई लगभग 107.6 मीटर बताई जा रही है।

दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री आरोन मोत्सोलेदी ने संसदीय समिति को बताया कि जहाज पर बीमार हुए एक व्यक्ति की राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान ने जांच की थी। इसमें उसके हंता वायरस के एंडीज स्ट्रेन से संक्रमित होना पाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि "यह हंता वायरस के सभी 38 स्ट्रेनों में से एकमात्र ऐसा स्ट्रेन है जो मनुष्यों के बीच संक्रमण का कारण बनता है। इसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है।

वर्तमान में यह जहाज स्पेन ने कैनरी द्वीप समूह पर खड़ा है, लेकिन वायरस के संक्रमण को देखते हुए सरकार ने जहाज से यात्रियों को उतारने की अनुमति नहीं दी है। अधिकारी यह निर्धारित कर रहे हैं कि किन यात्रियों को निकाला जा सकता है।

अमेरिका के सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के मुताबिक, हंता वायरस वायरसों का एक समूह है, जो मुख्य रूप से चीजों को कुतरने वाले जीवों (रोडेंट्स) में पाया जाता है। ये चूहे, गिलहरी और छछूंदर में भारी संख्या में होते हैं। यह इन जीवों के मल, लार या मूत्र के जरिए फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, यह वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम जैसी बीमारियों का कारण बनता है, जिसकी मृत्यु दर 38-50 प्रतिशत तक होती है।

इस मामले में डब्ल्यूएचओ ने कहा कि सक्रमण के कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मृतकों में डेनमार्क के 70 वर्षीय दंपति के अलावा एक जर्मन नागरिक शामिल है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया आज राष्ट्रव्यापी निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा मामले तथा खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया नई श्रम संहिता के तहत प्रस्तावित 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का 7 मई, 2026 को शुभारंभ करेंगे।

इस पहल का औपचारिक उद्घाटन कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बसई दारापुर, नई दिल्ली में होगा। इस अवसर पर देशभर के 11 अन्य ईएसआईसी अस्पतालों में भी शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संबंधित राज्यों के श्रम मंत्री, सांसद, विधानसभा सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के व्यापक 'श्रमेव जयते' दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो श्रम की गरिमा और श्रमिकों के लिए सशक्त सामाजिक सुरक्षा पर बल देता है। इसका क्रियान्वयन चार नई श्रम संहिताओं के माध्यम से किए गए परिवर्तनकारी सुधारों पर आधारित है, जो 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक स्तंभों के अंतर्गत समेकित करते हैं। इन सुधारों का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, रोजगार को औपचारिक रूप देना और सामाजिक सुरक्षा के दायरे को बढ़ाना है।

भारत और जापान के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नया अध्याय: क्वांटम और हेल्थकेयर सेक्टर में हुए अहम समझौते

नई दिल्ली। उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत और जापान ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (STI) में अपनी रणनीतिक साझेदारी को एक कदम और आगे बढ़ाया है। जापान की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति और अंतरिक्ष नीति राज्य मंत्री ओनोडा किमी ने एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की।

इस द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, चिकित्सा उपकरणों और क्वांटम विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। यह बैठक अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान बनी सहमतियों को धरातल पर उतारने का एक अहम हिस्सा है।

इन्होने कहा

भारत और जापान का स्वाभाविक तालमेल

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि दोनों देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक स्वाभाविक तालमेल साझा करते हैं।

'जहां जापान उन्नत प्रौद्योगिकीय क्षमताएं प्रदान करता है, वहीं भारत प्रतिभाशाली मानव संसाधनों का विशाल भंडार उपलब्ध कराता है। साथ मिलकर हम अग्रणी क्षेत्रों में नवाचार को गति दे सकते हैं और अनुसंधान को समाज पर सार्थक प्रभाव डालने वाले परिणामों में बदल सकते हैं।'

— डॉ. जितेंद्र सिंह

बैठक के मुख्य बिंदु और समझौते

- **चिकित्सा के क्षेत्र में एमओसी (MoC):** जापान की चिकित्सा अनुसंधान एवं विकास एजेंसी (AMED), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) और भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के बीच स्वास्थ्य और चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में सहयोग ज्ञापन का आदान-प्रदान हुआ।
- **क्वांटम विज्ञान पर आशय पत्र:** दोनों देशों ने अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में सहयोग के रास्ते खोलने के लिए क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक आशय पत्र पर भी हस्ताक्षर किए हैं। जापान ने अपने क्वांटम नवाचार केंद्रों की जानकारी साझा करते हुए भारतीय संस्थानों के साथ जुड़ने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है।
- **रिसर्च और फंडिंग:** दोनों देश संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों और वित्तपोषण एजेंसियों के माध्यम से शोधकर्ताओं की आवाजाही और उद्योग इंटर्नशिप को बढ़ावा देने पर सहमत हुए हैं।

डॉ. सिंह ने क्वांटम टेक्नोलॉजी, साइबर-फिजिकल सिस्टम्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और डीप-टेक सेक्टर में भारत के बढ़ते राष्ट्रीय मिशनों का भी जिक्र किया।

जापानी मंत्री ने की भारत के AI विजन की तारीफ

जापान की मंत्री ओनोडा किमी ने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और नवाचार के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की खुलकर सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को बड़े पैमाने पर अपनाए जाने की तारीफ की।

'भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के दौरे के दौरान मैंने युवा शोधकर्ताओं में असफलता से सीखने और नवाचार को जारी रखने की अद्भुत क्षमता देखी है। जापान की क्वांटम और AI तकनीक, भारत के बढ़ते प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम के साथ सटीक रूप से मेल खाती है।'

— ओनोडा किमी

हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण

इस बातचीत में दोनों देशों ने एक 'स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत' का समर्थन करने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया।

एम्बुलेंस व्यवस्था में सुधार हेतु सुझाव

नागरिकों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधा देने पर जोर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एम्बुलेंस संचालन व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरड़िया ने इस संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए हैं, जिनका उद्देश्य आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को तेज़, सुगम और बाधारहित बनाना है।

श्री बरड़िया, जो जैन हेल्पलाइन सेंटर के सक्रिय सदस्य भी हैं कोविड–19 महामारी के दौरान कई मरीजों की सहायता कर समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने बताया कि कई बार रोड एक्सीडेंट या अन्य आपात स्थितियों में ट्रैफिक जाम के कारण एम्बुलेंस समय पर मरीज तक नहीं पहुंच पाती, जिसके चलते गंभीर परिस्थितियों में मरीज की जान तक चली जाती है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई बार एम्बुलेंस को अस्पतालों के आसपास उचित पार्किंग की सुविधा न मिलने के कारण अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि राज्य सरकार अस्पतालों के सामने या निकट विशेष रूप से एम्बुलेंस पार्किंग ज़ोन निर्धारित करे, ताकि आपातकालीन सेवाओं में किसी प्रकार की रुकावट न आए।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि एम्बुलेंस पर बिना ठोस कारण के ट्रैफिक चालान नहीं लगाया जाना चाहिए। एम्बुलेंस, भले ही उस समय खाली हो, फिर भी वह किसी मरीज को लेने जा रही हो सकती है। इसलिए उसे सायरन बजाने और प्राथमिकता से मार्ग प्राप्त करने की अनुमति मिलनी चाहिए।

इसके अतिरिक्त, एम्बुलेंस सेवाओं को ट्रैफिक विभाग से सीधे जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। इस प्रकार की इंटीग्रेशन से इमरजेंसी के समय ग्रीन चैनल तैयार किया जा सकेगा, जिससे एम्बुलेंस को ट्रैफिक सिग्नलों पर बिना रुके तेज़ी से गुजरने की सुविधा मिलेगी। इससे मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा और गंभीर परिस्थितियों में जीवन बचाने की संभावना बढ़ेगी।

एम्बुलेंस के रास्ते को सुरक्षित रखना हर नागरिक की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, गोल्डन आवर के दौरान त्वरित चिकित्सा सहायता मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में एम्बुलेंस सेवाओं का कुशल संचालन सीधे तौर पर मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

श्री बरड़िया ने राज्य सरकार एवं पुलिस महानिदेशक (ट्रैफिक) से आग्रह किया कि इन सुझावों पर गंभीरता से विचार कर ठोस नीति बनाई जाए, जिससे छत्तीसगढ़ के नागरिकों को बेहतर, तेज़ और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार का राज्यसभा से इस्तीफा स्वीकार

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने बुधवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया, जिसे सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही उच्च सदन की संबंधित सीट रिक्त घोषित कर दी गई है।

राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन (भाग–2) के अनुसार, पवार ने बुधवार को उपराष्ट्रपति भवन में सभापति से मुलाकात कर अपना त्यागपत्र सौंपा था। सभापति ने उनका इस्तीफा 6 मई 2026 से प्रभावी मानते हुए स्वीकार कर लिया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सुनेत्रा पवार के राष्ट्र सेवा में योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए सफलता की कामना की।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना के साथ ही यह सीट औपचारिक रूप से रिक्त हो गई है। अब इसे भरने के लिए उपचुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी।

ईसीआईएनईटी ने विधानसभा चुनावों में मतदान और मतगणना को बनाया पारदर्शी, तेज और सुरक्षित : चुनाव आयोग

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में हाल ही में हुए विधानसभाओं के चुनाव और उपचुनाव में चुनाव आयोग के आईटी प्लेटफॉर्म ईसीआईएनईटी से निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान और मतगणना के दौरान तत्काल निगरानी, तेज रिपोर्टिंग और पारदर्शिता को संभव बनाया, साथ ही साइबर सुरक्षा को भी मजबूत किया।

आयोग ने बताया कि इसी साल जनवरी महीने में लॉन्च के बाद से ईसीआईएनईटी ऐप के 10 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। मतदान के दिनों में इस प्लेटफॉर्म पर 98.3 करोड़ से अधिक हिट दर्ज किए गए, जबकि मतगणना के दिन प्रति मिनट औसतन 3 करोड़ हिट दर्ज हुए।

ईसीआईएनईटी के साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल ने मतगणना के दिन भारत और विदेश से आए 68 लाख से अधिक दुर्भावनापूर्ण हमलों को विफल किया। पहली बार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतगणना केंद्रों पर क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान प्रणाली लागू की गई, जिससे केवल अधिकृत कर्मियों को ही प्रवेश मिला और अनधिकृत पहुंच रोकी जा सकी।

मुख्यमंत्री ने दूरभाष पर पद्मश्री फुलबासन यादव से की चर्चा, जाना हालचाल

पुलिस प्रशासन को कड़ी कार्रवाई के दिए गए हैं निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पद्मश्री सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ समाजसेवी फुलबासन यादव के साथ हुई अप्रिय घटना को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री साय ने आज सुबह स्वयं दूरभाष पर फुलबासन यादव से चर्चा कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा घटना की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने आश्वस्त किया कि इस मामले की हर पहलू से गहन जांच की जाएगी। दोषी चाहे जो हो, बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन को इस संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं।

पद्मश्री फुलबासन यादव ने घटना के बाद पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया।

नगर पालिका बनेगा धमधा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की घोषणा

दुर्ग (प्रतिदिन राजधानी)

लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में दुर्ग जिले के धमधा नगर पंचायत पहुंचे उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने धमधा नगर पंचायत के नगर पालिका में उन्नयन की घोषणा की। धमधावासी लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। नगर पालिका के रूप में उन्नयन के बाद शहर को विकास कार्यों के लिए और ज्यादा मिलेगी तथा विकास कार्यों में तेजी आएगी। लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूर्ण करने वाली उप मुख्यमंत्री श्री साव की इस घोषणा से धमधा के सुव्यवस्थित विकसित तथा जनसुविधाएं विकसित करने के कामों को और अधिक गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने धमधा प्रवास के दौरान करीब 7 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें 4 करोड़ 60 लाख रुपए के कार्यों का लोकार्पण और 2 करोड़ 39 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। उन्होंने शहर के विकास के लिए 2 करोड़ रुपए देने की भी घोषणा की। श्री साव ने बताया कि विगत दो वर्षों में धमधा नगर पंचायत के विकास के लिए 13 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

बाल संस्कार योग शिविर का प्रथम दिवस

खेल-खेल में योग थीम के साथ हुआ पांच दिवसीय बाल संस्कार शिविर का शुभारंभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय योग संस्थान, रायपुर द्वारा श्री सिद्धि विनायक–शिव–साईं–हनुमान मन्दिर, गायत्री नगर में पांच दिवसीय बाल संस्कार शिविर का शुभारंभ खेल खेल में योग थीम के साथ हुआ।

पहले दिन सुबह 5:30 से 7:30 तक चले कार्यक्रम में सताक्षी–धरा ने मंच संचालन किया। सपना मैम के ग्रुप ने यौगिक जोगिंग कराई। मुकेश सोनी जी ने हस्तउत्थानासन, पादहस्तासन, नौकासन सहित विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। राजेश डागा जी ने हास्यासन, भस्त्रिका व कपालभाति सिखाई।

थीम पर दृष्टांत वार्ता एवं सुदेशना जी द्वारा संस्कार टास्क दिए गए। किरण–रिया मैम के द्वारा बच्चों को आकर्षक खेल खिलाकर राष्ट्रगान के साथ शिविर का पहले दिन का समापन हुआ।

संस्थान ने बच्चों से अनुशासन के साथ नियमित भाग लेने की अपील की। शिविर के दूसरे दिन 7 मई को थीम अनुशासन और समय का महत्व रहेगा।

शिविर को सफल बनाने में राजेश अग्रवाल,विनोद अग्रवाल,छाया अग्रवाल,कात्यायनी,किशोर लालवानी,जीवन दम्मानी, कंवलजीत का विशेष योगदान रहा।

डीआरडीओ ने दिल्ली में सीबीआरएन फील्ड ट्रेनिंग और प्रदर्शन केंद्र खोला

एजेंसी, नई दिल्ली

रेडियोलॉजिकल और परमाणु आपात स्थितियों का मुकाबला करने के लिए राजधानी में बुधवार को एक फील्ड ट्रेनिंग और प्रदर्शन केंद्र खोला गया है। दिल्ली के बुराड़ी मैदान में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) फील्ड ट्रेनिंग और प्रदर्शन

केंद्र का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने किया।

डीआरडीओ के मुताबिक इस प्रशिक्षण और प्रदर्शन केंद्र में विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। यहां रेडियोलॉजिकल और परमाणु परीक्षण सुविधा के साथ ही आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और वास्तविक समय फील्ड प्रतिक्रिया इकाइयां भी होंगी। यह केंद्र 'इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज' के तहत आने वाले सीबीआरएन उत्कृष्टता केंद्र का एक हिस्सा है। इस केंद्र में रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और सीबीआरएन आपात स्थितियों की तैयारी तथा संकट प्रतिक्रिया में शामिल विभिन्न अन्य एजेंसियों को प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

मातृ सुरक्षा से खुशहाली का मार्ग

छत्तीसगढ़ में मातृ वंदना योजना की ऐतिहासिक सफलता

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर
(उप संचालक, जनसंपर्क संचालनालय)

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का पैमाना वहां की माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य होता है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के जरिए एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो आज देशभर के लिए एक मॉडल बन चुकी है। राज्य में इस योजना को केवल सरकारी आंकड़े बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि एक मिशन के रूप में लागू किया गया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना छत्तीसगढ़ में सुरक्षित मातृत्व और समृद्ध समाज के बीच की एक मजबूत कड़ी बन गई है। संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जनभागीदारी का यह संगम छत्तीसगढ़ की माताओं और नवजात शिशुओं के भविष्य को उज्ज्वल और सुरक्षित बना रहा है।

योजना का स्वरूप और वित्तीय संबल

1 जनवरी 2017 से संचालित इस योजना का मूल उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहयोग प्रदान कर

उनके पोषण स्तर में सुधार लाना है। छत्तीसगढ़ में मातृ वंदना योजना के तहत पहली जीवित संतान के जन्म पर 5 हजार की सहायता दी जाती है। कन्या भ्रूण हत्या रोकने और बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने हेतु दूसरी संतान के रूप में बेटी होने पर 6 हजार की विशेष सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि सीधे तौर पर प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण और संस्थागत प्रसव जैसी आवश्यक स्वास्थ्य प्रक्रियाओं से जुड़ी है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मिशन मोड पर कार्य

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में राज्य ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। दूरस्थ

आदिवासी अंचलों तक इस योजना को पहुंचाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले ने 'डोर–टू–डोर' पंजीयन सुनिश्चित किया है।

सफलता के आंकड़े- छत्तीसगढ़ देश में अव्वल

छत्तीसगढ़ ने डिजिटल मॉनिटरिंग और पारदर्शी भुगतान प्रणाली (डीबीटी) के प्रभावी उपयोग में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उपलब्धियों का ग्राफ कुछ इस प्रकार है। बढ़ता पंजीयन वर्ष 2023–24 में 1 लाख 75 हजार 797 महिलाओं का पंजीयन हुआ, जो 2024–25 में बढ़कर 2 लाख 19 हजार 012 हो गया। वित्तीय वर्ष 2025–26 (फरवरी तक) में 2 लाख 04 हजार 138 महिलाओं का पंजीयन कर राज्य ने 93.3 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। आवेदनों के परीक्षण और केंद्र से स्वीकृति दिलाने में छत्तीसगढ़ 83.87 प्रतिशत की दर के साथ देश में सबसे आगे है।

शिकायत निवारण और लाभार्थियों की संतुष्टि

केवल योजना लागू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान भी जरूरी है। छत्तीसगढ़ ने लगभग 93 प्रतिशत शिकायतों का त्वरित निराकरण कर सुशासन की एक नई इबारत लिखी है।

कुपोषण के विरुद्ध एक सशक्त हथियार यह योजना आर्थिक सहायता से कहीं अधिक स्वास्थ्य क्रांति का हिस्सा है। समय पर मिलने वाली इस राशि ने माताओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया है, जिससे एनीमिया जैसी गंभीर चुनौतियों से लड़ने में मदद मिली। स्वस्थ शिशु जन्म दर में वृद्धि हुई, मातृ मृत्यु दर में प्रभावी कमी आई।

श्री आर. वेंकटेश्वरलु ने संभाला एनएचएआई रायपुर के क्षेत्रीय अधिकारी का पदभार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) में श्री आर. वेंकटेश्वरलु ने नए क्षेत्रीय अधिकारी के रूप में आज पदभार ग्रहण किया। उन्होंने विधिवत रूप से कार्यभार संभालते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। इससे पूर्व वे ओडिशा के कोरापुट में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में पदस्थ थे। वहीं निवर्तमान क्षेत्रीय अधिकारी श्री प्रदीप कुमार लाल अपने स्थानांतरण के बाद आज कार्यमुक्त हुए। वे अब क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर (ओडिशा) में क्षेत्रीय अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे।

रायपुर के नए क्षेत्रीय अधिकारी का पदभार ग्रहण करने के बाद श्री आर. वेंकटेश्वरलु ने कहा कि छत्तीसगढ़ में एनएचएआई द्वारा संचालित परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य तथा समयबद्ध लक्ष्यों की प्राप्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए राष्ट्रहित में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने को कहा।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444